राष्ट्रीय सहारा
संडे
नई दिल्ली
5 जनवरी • 2025
16 पृष्ठ, मूल्य ₹ 4.00
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण
■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

पर्दे पर इतिहास लाने को तैयार - कंगना रनौत
पेज-16

ट्रंप को सुनाई जाएगी सजा पर नहीं जाना होगा जेल
पेज-13

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

बधाई हो भारत

1000 किलोमीटर लंबाई के साथ,
अब हमारे पास
दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है

दिल्ली के लोगों के लिए एक गौरवपूर्ण पल

दिल्ली ने 2002 में अपनी मेट्रो यात्रा शुरू की थी जब वाजपेयी जी ने दिल्ली के लोगों को पहली मेट्रो दी और आज प्रधानमंत्री मोदी जी दिल्लीवालों को नई मेट्रो परियोजनाओं और नमो भारत का उपहार दे रहे हैं

वर्ल्ड क्लास मेट्रो के देश भर में अभूतपूर्व विस्तार का एक दशक

आज 11 राज्यों के 23 शहरों में मेट्रो रेल नेटवर्क है, जबकि 2014 में यह केवल 5 राज्यों के 5 शहरों में था

आज मेट्रो से प्रतिदिन 1 करोड़ से अधिक यात्री यात्रा करते हैं जो 2014 के 28 लाख यात्रियों की तुलना में **2.5 गुना से अधिक वृद्धि है**

पिछले 10 वर्षों में मेट्रो नेटवर्क में 3 गुना वृद्धि हुई है; 2014 में केवल 248 किलोमीटर से बढ़कर अब 1000 किलोमीटर का नेटवर्क हो गया है

मेट्रो ट्रेनें आज प्रतिदिन कुल 2.75 लाख किलोमीटर की यात्रा करती हैं, जो एक दशक पहले के दैनिक 86 हजार किलोमीटर का 3 गुना है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार
करोड़ों नागरिकों का जीवन आसान और यात्रा सुगम बनाने के लिए
बाधारहित, किफायती और आधुनिक शहरी परिवहन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है

cbc 44101/13/0013/2425

त्रिलोकपुरी विस : आप प्रत्याशी जीते तीन बार

क्षेत्र में है समस्याओं का अंबार

- हैट्रिक लगाने के बाद आम आदमी पार्टी को सीट बचाने की चुनौती
- चुनावी पड़ताल में अधिकतर मतदाताओं ने जन प्रतिनिधियों को लेकर जताई नाराजगी
- विधानसभा के इतिहास पर नजर डालें तो केवल एक बार भाजपा को मिली है जीत

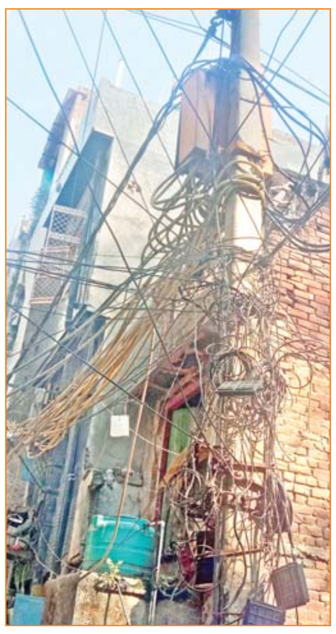

■ भरत पांडेय

नई दिल्ली। एसएनबी

पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र की त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। एक समय में इस इलाके में झुग्गियों और गंदगी की भरमार थी, लेकिन 1975 में इसे विकसित कर सरकार ने रिहायशी कालोनियों का निर्माण कराया। अनुसूचित जाति उम्मीदवार के लिए आरक्षित त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार रोहित कुमार महरौलिया ने 12486 वोट से जीत हासिल की। रोहित कुमार को कुल 69947 मत मिले और भाजपा उम्मीदवार किरण को 57461 मत मिले। कांग्रेस उम्मीदवार विजय कुमार को महज 3262 वोट ही मिले। कुल 66.48 प्रतिशत मतदान हुआ।

वर्ष 2013 और वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में इस सीट से आम आदमी पार्टी के राजू ढींगन विधायक चुने गए, लेकिन वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में उनका टिकट काटकर रोहित को दिया गया। विधानसभा के इतिहास पर नजर डाले तो केवल एक बार भाजपा को जीत मिली है। हैट्रिक लगाने के बाद आम आदमी पार्टी को यह सीट बचाने की चुनौती है। भाजपा कड़ी टक्कर देने के मजबूर इरादे के साथ चुनावी मैदान में है। भाजपा इस मुद्दे को उठा रही है कि आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी लगातार यहां से जीत रहे है, लेकिन जनता और समस्याओं से उनको कोई लेना-देना है। चुनावी पड़ताल के दौरान अधिकतर मतदाताओं ने जन प्रतिनिधियों को लेकर नाराजगी का इजहार किया। आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों की लापरवाही उन्हें भारी पड़ेगी। नागरिकों का कहना है कि कहने को यह सीट सुरक्षित है, लेकिन इस क्षेत्र में रहने वाली जनता अपने आपको असुरक्षित महसूस करती है। इस क्षेत्र में आए दिन लूट, झपटमारी व अन्य वारदात होती रहती हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि कुछ भी नहीं कर पाते। तीन बार से लगातार यहां से 'आप' विधायक हैं और इनकी ही सरकार होने के बावजूद लोग सुरक्षित नहीं हैं।

त्रिलोकपुरी विधानसभा का इतिहास

दिल्ली विधानसभा के लिए हुए दूसरे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के ब्रह्मपाल ने जीत दर्ज की। दूसरे नंबर पर भाजपा उम्मीदवार राम चरण गुजराती थे। तीसरे विधानसभा में कांग्रेस के ब्रह्मपाल भाजपा के राम चरण गुजराती को शिकस्त दी। वर्ष 2003 में कांग्रेस पार्टी के ब्रह्मपाल विजयी हुए और दूसरे नंबर पर भाजपा के सुनील कुमार रहे। वर्ष 2008 के विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार विजयी हुए थे। वर्ष 2013 में हुए विधानसभा आम आदमी पार्टी के राजू ने भाजपा के सुनील कुमार को हराया था, तभी से यह सीट आम आदमी पार्टी के पास है।

जन समस्याओं से नहीं मिली राहत : जनता का आरोप है कि जन प्रतिनिधियों को समस्याएं केवल चुनाव के समय ही दिखाई देती है। सड़कों और फुटपाथों पर मौजूद अतिक्रमण भी एक प्रमुख समस्या है। पूरे विधासभा में समस्याओं की भरमार है। विधानसभा क्षेत्र में एक-दो पार्कों को छोड़कर अधिकतर पार्कों की हालत बदहाल है। पार्कों में आवारा पशुओं का बसेरा है। राम पार्क अपने विकास के इंतजार में है। पार्क की पड़ताल करने पर यह पाया गया कि पार्क में बने गड्ढे और गंदगी व्यवस्था की पोल खोलते दिखे। इसके समीप के अन्य तीन पार्क भी समस्याओं से जूझते दिखे। लोगों में जन प्रतिनिधियों को लेकर गहरी नाराजगी है। आरोप लगाया कि उदासीन उम्मीदवारों को जनता चुनाव में सबक सिखाएगी। सीवर लाइन भी अधिकतर जगह पर जाम है। मदर डेयरी की ओर जानेवाले रास्ते पर कूड़ा घर होने से लोगों को दिक्कतें होती है। यह भी त्रिलोकपुरी का प्रवेश द्वार है। यहीं समीप स्थित बस स्टॉप से बस से सफर करने के लिए रोजाना लोग आते है।

क्या कहना है जनता का : कालू राम ने जन प्रतिनिधियों को लेकर गुस्से का इजहार करते हुए बताया कि त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र का दुर्भाग्य है कि ऐसा कोई जन प्रतिनिधि नहीं मिला जो समस्याओं को दूर करने में गहरी रुचि दिखाए। दूषित जलापूर्ति, गंदगी, बदहाल पार्क समेत अनेक समस्याएं नेताओं पर सवालिया निशाान खड़े करती है। विकास की रफ्तार पूरी तरह से धीमी हो गई है। एक ऐसे जन प्रतिनिधि की दरकार है, जो जनता के बीच रहकर समस्याओं को दूर करे। **सूरज कुमार** का कहना है कि चुनाव जीतने के बाद जन प्रतिनिधियों का दर्शन दुर्लभ हो जाता है। राम पार्क अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। कई बार जन प्रतिनिधियों से इस संबंध में शिकायत की गई, लेकिन किसी ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। **सागर** का कहना है कि विधानसभा क्षेत्र के अधिकतर पार्कों की हालत खराब है। सुबह टहलने में भी बुजुर्गो को दिक्कतें आती है। **निखिल** का कहना है कि तारों का मकड़ाजाल लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। आये दिन इसमें करंट आने से लोग परेशान है। **ललित** का कहना है कि आवारा पशुएं पार्क से लेकर सड़क पर घूमती रहती है। इससे भी लोगों को परेशानी होती है। पार्कों में लगी लाइटे भी खराब होकर बंद है। किसी भी पार्क का नियमित रूप से रख-रखाव नहीं है। ऐसा सभी ब्लॉकों में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां के निवासी दूषित जलापूर्ति से जल जनित बीमारियों की चपेट में आ रहे है, लेकिन इसकी रोकथाम के लिए कारगर कदम नहीं उठाए जाने से लोगों में रोष है। इस बार विधानसभा चुनाव में विकास मुद्दा बनेगा और जनता से दूर रहने वाले जनप्रतिनिधि हारेंगे। लोगों का यह भी कहना है कि त्रिलोकपुरी का जिस तेजी से विकास होना चाहिए था, वो कहीं न कहीं ठहर सा गया है। जनता परेशान है और जनता की सुध लेनेवाला कोई नहीं है। क्षेत्र में भी जनप्रतिनिधि जन संपर्क करते नहीं दिखते है।

वार्डवार स्थिति

- न्यू अशोक नगर वार्ड- भाजपा
- मयूर विहार फेस एक वार्ड- आप
- त्रिलोकपुरी वार्ड- आप

कुल मिले वोट

- रोहित कुमार महरौलिया को वोट- 69947
- किरण वैद्य को वोट- 57461

मतदाताओं की संख्या

- कुल मतदाता- 20,38,270
- पुरुष- 11, 28,885
- महिला- 9,09,306
- अन्य वर्ग के मतदाता- 79

भाजपा की पहली सूची में इन्हें मिली जगह

विजेंद्र गुप्ता

अरविंदर सिंह लवली

राजकुमार चौहान

कैलाश गहलोत

तरविंदर सिंह मारवाह

राजकुमार आनंद

उम्मीदवार का नाम	विधानसभा क्षेत्र
राजकुमार भाटिया	आदर्श नगर
दीपक चौधरी	बादली
कुलबंत राणा	रिठाला
मनोज शौकीन	नांगलोई जाट
राजकुमार चौहान	मंगोलपुरी (अजा)
विजेंद्र गुप्ता	रोहिणी
रेखा गुप्ता	शालीमार बाग
अशोक गोयल	मॉडल टाउन
राजकुमार आनंद	पटेलनगर (अजा)
दुष्यंत कुमार गौतम	करोलबाग (अजा)
सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा	राजौरी गार्डन
आशीष सूद	जनकपुरी
कैलाश गहलोत	बिजवासन
प्रवेश साहिब सिंह वर्मा	नई दिल्ली
तरविंदर सिंह मारवाह	जंगपुरा
सतीश उपाध्याय	मालवीय नगर
अनिल शर्मा	आरकेपुरम
गजेंद्र यादव	महरौली
करतार सिंह तंवर	छतरपुर
खुशीराम चुनार	अंबेडकर नगर (अजा)
रमेश बिधूड़ी	कालकाजी
नारायण दत्त शमा	बदरपुर
रवींद्र सिंह नेगी	पटपड़गंज
ओपी शर्मा	विश्वास नगर
डॉ अनिल गोयल	कृष्णा नगर
सरदार अरविंदर सिंह लवली	गांधी नगर
कुमारी रिंकू	सीमापुरी (अजा)
जितेंद्र महाजन	रोहतास नगर
अजय महावर	घोंडा

खस्ताहाल पड़े हैं दिल्ली के कई मौजूदा मोहल्ला क्लीनिक

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

दिल्ली में विश्वस्तरीय बताए जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मोहल्ला क्लीनिक इन दिनों बदहाल हैं। न यहां दवा मिलती है न ही मरीज आता है। कई जगह ताले जड़े हुए हैं तो कई जगह दीवारों को गंदा कर दिया गया है। चलिए इस रिपोर्ट के जरिए आपको बताते हैं इन क्लीनिकों की बदहाली।

- बाहर जड़े हैं ताले, खाली पड़े हैं क्लीनिक, गंदी कर दी गई हैं दीवारें, आसपास कूड़े के ढेर

पेंट से रंग कर खराब कर दी हैं दीवारें : बहुत से मोहल्ला क्लीनिक की दीवारें रंगी हुई दिखाई दीं। लोगों ने क्लीनिक की दीवारों पर लगी हुई तस्वीरें हटाकर वहां रंगों से उल्टी-सीधी चित्रकारी कर दी है। यह देखने में बहुत बुरी दिखाई दे रही हैं। ऐसा लगता है कि क्लीनिकों की कई दिनों से सफाई तक नहीं की गई। स्थानीय निवासी नवनीत बवेजा ने बताया कि अभी तो इन क्लीनिकों को ही इलाज की जरूरत नजर आ रही है। लोग यहां आसपास आकर पान थूकते दिखते हैं।

न डॉक्टर हैं, न दवा, न आते हैं मरीज : शाहदरा के एक मोहल्ला क्लीनिक के पास से गुजरते एक राहगीर नंदकिशोर गर्ग ने बताया कि ये सिर्फ नाम के मोहल्ला क्लीनिक हैं। ज्यादातर समय ये क्लीनिक बंद ही मिलते हैं। अक्सर न तो यहां कोई दवा मिलती है न कोई कर्मचारी। बहुत बार तो डॉक्टरों के लिए भी इंतजार करना पड़ता है। यही कारण है कि अब लोगों ने यहां इलाज कराने आना ही बंद कर दिया है इसलिए पहले इन क्लीनिकों को ठीक करना ज्यादा जरूरी है।

लगे हैं ताले, आसपास कूड़े के ढेर : भजनपुरा के नजदीक स्थित एक क्लीनिक के पास एक स्थानीय निवासी पंकज कुमार ने कहा कि जब ये क्लीनिक खुले तो तब तो यहां थोड़ा-बहुत काम होते दिखाई देता था। अब तो कई-कई दिनों तक ये मोहल्ला क्लीनिक बंद ही पड़े रहते हैं। इनकी सुध लेते वाला यहां कोई नजर नहीं आता। उन्होंने जब भी देखा है इस क्लीनिक पर ताला ही देखने को मिलता है। कई दिनों से नहीं खुलने की वजह से क्लीनिक में तो गंदगी फैल ही रही है। इसके बाहर भी कूड़े का जमाव देखने को मिल रहा है, लेकिन अंदर या बाहर कोई सफाई नहीं होती। कई बार तो यहां आवारा पशु भी घूमते-फिरते दिख जाते हैं। इसके लिए कई बार शिकायतें भी की जाती हैं, लेकिन उन पर कोई सुनवाई नहीं होती।

'आप' सत्ता में लौटी तो बढ़े हुए पानी के बिल होंगे माफ : केजरीवाल

नई दिल्ली (एसएनबी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को वादा किया कि राजधानी में अगले माह होने वाले विधानसभा चुनाव में यदि उनकी पार्टी सत्ता में लौटती है तो लोगों के बढ़े हुए पानी के बिलों को माफ कर दिया जाएगा। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली जल बोर्ड द्वारा जनता को भेजे जा रहे हजारों-लाखों रुपए के पानी बिलों से लोग त्रस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके जेल जाने के बाद से ही लोगों को पानी के बढ़े हुए बिल भेजे जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने लोगों से इन बिलों का भुगतान न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कहा था, लेकिन आज मैं औपचारिक तौर पर घोषणा कर रहा हूं कि विधानसभा चुनाव होने पर जब हमारी पार्टी फिर सत्ता में आएगी तो बढ़े हुए पानी के पानी माफ कर दिए जाएंगे। जिन लोगों को लगता है कि उनके बिल गलत हैं, उन्हें बिल भरने की जरूरत नहीं है।

केजरीवाल लोगों को कर रहे गुमराह : देवेन्द्र

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि अगर लोगों को पानी के बढ़े हुए बिल आ रहे है तो इसका कारण केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में किया भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल प्रति परिवार 20 हजार लीटर 'मुफ्त' पानी देने का दावा करते है और 12 लाख परिवारों को 'शून्य' पानी बिल मिल रहा है लेकिन वास्तविकता इससे विपरीत है। आम आदमी पार्टी की सरकार न तो मुफ्त पानी दे रही है और न ही 12 लाख परिवारों को पानी के शून्य बिल मिल रहे है। अधिकांश कॉलोनियों को बिल्कुल भी पानी नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों से किसकी सरकार थी जो केजरीवाल घोषणा कर रहे हैं कि सत्ता में आते ही पिछले पानी के बिल माफ कर देंगे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि केजरीवाल ने अपनी मुफ्त पानी योजना से लोगों को गुमराह किया।

पानी के बिलों पर केजरीवाल का बयान एक छलावा : सचदेवा

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि लोगों को मिल रहे अनापशनाप पानी बिलों पर आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल का बयान एक छलावा है। सचदेवा ने कहा कि फ्री पानी का दावा करने वाली केजरीवाल सरकार के राज में नलों में पानी या तो आता नहीं और आता है तो काला जहरीला, लेकिन लोगों को बिल हजारों में नहीं लाखों में आ रहे हैं। प्रदेश भाजपाध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि 'आप' मुखिया अरविंद केजरीवाल जवाब दें। दिल्ली जल बोर्ड उन विभागों में हैं, जो पूरी तरह 'आप' सरकार के अधीन है। फिर गलत बिलों को आज ठीक करने में क्या दिक्कत है। गलत बिल उनके जल बोर्ड ने भेजे हैं, स्वीकार करें। केजरीवाल छलावा बंद करें। जल बोर्ड को गलत बिल माफ नहीं करने ठीक करने हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल की सरकार है, गलत बिलों को ठीक कराएं। इसमें तो चुनाव आयोग भी बाधा नहीं बनेगा।

भाजपा की पहली सूची में पूर्वांचल व महिलाओं की हुई उपेक्षा

■ राजेश तिवारी

नई दिल्ली। एसएनबी

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शनिवार को भाजपा की जारी पहली सूची में पूर्वांचल एवं महिलाओं की उपेक्षा की गई है। 29 उम्मीदवारों की सूची में केवल दो महिलाओं को टिकट दिया गया है। पूर्वांचल के एक भी व्यक्ति को टिकट नहीं दिया है। खासबात यह है कि विधानसभा चुनाव में लगातार हार रहे नेताओं एवं बाहर ने आए नेताओं का दिल खोलकर स्वागत किया गया है। जातिगत समीकरण की बात करें तो करीब पांच वैश्य समुदाय, चार जाट समुदाय, तीन सिख एवं तीन ब्राह्मण समुदाय, दो गुर्जर एवं दो पंजाबी समुदाय के नेताओं को चुनाव मैदान में उतारा गया है। जबकि पांच आरक्षित सीटों पर उम्मीदवारों को उताया गया है। सूत्रों की मानें तो सोमवार छह जनवरी को दिल्ली विधानसभा के चुनावों की तारीखों की घोषणा हो सकती है।

विधानसभा के उम्मीदवारों की सूची में भाजपा ने कई ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है, जो एक से अधिक बार लगातार चुनाव हार चुके हैं। ऐसे में उम्मीदवारों में कुलवंत राणा, मनोज शौकीन, रेखा गुप्ता को भाजपा ने एक बार फिर चुनाव लड़ने का मौका दिया है। बाहर से भाजपा में आए सरदार अरविंदर सिंह लवली, राजकुमार चौहान, कैलाश गहलोत, तरविंदर सिंह मारवाह, नारायण दत्त शर्मा, कुमारी रिंकू, राजकुमार आनंद को उनके मनमुताबिक विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया है। भाजपा की पहली सूची में भले ही दो महिलाएं हैं लेकिन केवल एक रेखा गुप्ता पार्टी की पुरानी कार्यकर्ता हैं। वह लंबे समय से नगर निगम की राजनीति कर रही हैं। कुमारी रिंकू कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आई हैं। पहली सूची में पार्टी की अपनी महिला कार्यकर्ता के नाम केवल एक ही महिला को टिकट दिया है। सिख समुदाय के तीन उम्मीदवारों में दो अरविंदर सिंह लवली एवं तरविंदर सिंह मारवाह कांग्रेस से आए हैं। करतार सिंह तंवर भी आप छोड़कर भाजपा में आए हैं, हालांकि वह भाजपा से ही आप में गए थे।

- 29 उम्मीदवारों में दो महिलाओं को टिकट, पूर्वांचल साफ
- बाहर से आए नेताओं का दिल खोलकर स्वागत
- सोमवार को हो सकती है विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा

दरअसल दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों में इस समय कुल सात विधायक है। हालांकि वर्ष 2020 के चुनाव में आठ विधायक जीते थे। इसमें बदरपुर से जीते विधायक रामवीर सिंह बिधूड़ी अब सांसद बन चुके हैं। पहली सूची में चार विधायकों को टिकट दिया गया है और एक विधायक का टिकट काटा गया है। इससे गांधी नगर के लोगों में विरोध देखने को मिला है। भाजपा की सूची को लेकर दिल्ली के लोगों को लंबे समय से इंतजार था। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी अपने सभी 70 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है, जबकि कांग्रेस ने अभी तक 48 उम्मीदवार उतारे हैं। उम्मीद की जा रही है कि सोमबार छह जनवरी को दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा हो सकती है।

'कांग्रेस-भाजपा को अपने गठबंधन की औपचारिक घोषणा करनी चाहिए'

नई दिल्ली (एसएनबी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस और भाजपा को अपने गठबंधन की औपचारिक घोषणा करनी चाहिए। केजरीवाल की यह टिप्पणी ऐसे वक्त सामने आई है जब दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दोनों विपक्षी दल पूर्व मुख्यमंत्री पर हमले तेज कर रहे हैं।

'आप' मुखिया अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस के बीच पर्दे के पीछे गठजोड़ है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के दोनों सहयोगी 'आप' और कांग्रेस के बीच संबंध उस समय खराब हो गए थे जब दोनों दल हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन करने में विफल रहे थे। 'आप' ने केजरीवाल को कथित तौर पर राष्ट्र विरोधी कहने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है और गठबंधन से कांग्रेस को हटाने के लिए 'इंडिया' के अन्य दलों से संपर्क साधने की धमकी दी है।

इससे पहले शनिवार को कुछ महिलाओं ने केजरीवाल के फिरोजशाह रोड स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया और पंजाब में 1000 रुपए मासिक मानदेय देने की मांग की। पंजाब में भी 'आप' सरकार है। केजरीवाल ने दावा किया कि प्रदर्शनकारी महिलाएं कांग्रेस और भाजपा से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि ये महिलाएं कांग्रेस और भाजपा की हैं, पंजाब की नहीं। पंजाब की सभी महिलाएं 'आप' के साथ खड़ी हैं। वे हम पर भरोसा करती हैं। केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा को आधिकारिक तौर पर घोषणा करनी चाहिए कि वे 'आप' के खिलाफ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के पास मुख्यमंत्री पद का कोई चेहरा या एजेंडा नहीं है। इसके नेता कोई उपलब्धि नहीं होने की वजह से मुझे गाली देकर दिल्ली चुनाव जीतने का प्रयास कर रहे हैं। अब दिल्ली की जनता तय करेगी कि उन्हें काम करने वाले लोग चाहिए या फिर गाली देने वाले।

संडे
नई दिल्ली
5 जनवरी • 2025

राष्ट्रीय सहारा

16 पृष्ठ, मूल्य ₹ 4.00

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

पर्दे पर इतिहास लाने को तैयार - कंगना रनौत

पेज-16

ट्रंप को सुनाई जाएगी सजा पर नहीं जाना होगा जेल

पेज-13

नव वर्ष शुभ निवेश

RERA REGISTRATION NO
RAJ / P / 2020 / 1354
https://rera.rajasthan.gov.in/

Digital India
Power To Empower

CM AWAS YOJANA

AFFORDABLE RESIDENTIAL PLOTTING SCHEME

(Under Chief Minister Jan Awas Yojna 2015, Govt. of Rajasthan)

INVITE APPLICATIONS FOR FREEHOLD RESIDENTIAL PLOTS

NCR - BHIWADI

CC Received & Immediate Registry

Floor Wise Registry Allowed

Pay Rs. 21,000/- for Registration

Amount is refundable in case of non allocation

33% महिलाओं और सरकारी कर्मचारिओं के लिए आरक्षित है
पंजीकरण के लिए मात्र 54 प्लाट ही उपलब्ध हैं

IMPORTANT DATES

Loan Available from all Leading Banks*

Last Date to Register 12th January 2025
Register before scheme ends

Plot Allotment Date-13th January 2025

54 PLOTS AVAILABLE FOR REGISTRATION ON 60 METER ROAD FACING GATED TOWNSHIP

FAMILIES ALREADY RESIDING IN PHASE-1 OF THIS PROJECT

No. of Units	PLOT AREA	Rate Per (Sq.Yd) (Rs)	Registration Amount (Rs)	9% On Allotment (Minus Registration Amount) (Rs)	16% After BBA (Rs)	25% Within 30 Days From Allotment (Rs)	50% Within 60 Days From Allotment (On Registry) (Rs)	Total Cost (Rs)
9	52.62 Sq. Yd. (44 Sq. Mt.)	18,000/-	21,000/-	64,244/-	1,51,546/-	2,36,790/-	4,73,580/-	9,47,160/-
12	72.36 Sq. Yd. (60 Sq. Mt.)	18,000/-	21,000/-	96,223/-	2,08,397/-	3,25,620/-	6,51,240/-	13,02,480/-
18	143.52 Sq. Yd. (120 Sq. Mt)	18,000/-	21,000/-	2,11,502/-	4,13,338/-	6,45,840/-	12,91,680/-	25,83,360/-
9	162.65 Sq. Yd. (136 Sq. Mt.)	18,000/-	21,000/-	2,42,493/-	4,68,432/-	7,31,925/-	14,63,850/-	29,27,700/-
6	221.84 Sq. Yd. (168 Sq Mt)	18,000/-	21,000/-	3,38,381/-	6,38,899/-	9,98,280/-	19,96,560/-	39,93,120/-

Any other charges/taxes levied by the govt. will be charged as per Extra.

Nearby Location : Proposed Green Field Airport | Proposed RRTS/ Neo Metro | Tijara Jain Temple

ADVANTAGES

- 60 Acres Gated Township
- On Bhiwadi - Alwar Expressway
- Fully Habitable Township with families already residing
- Delhi Police Commando Training Academy within 1Km Range
- Delhi NCR Biggest Industrial Hub
- 3000 functional Industries In Close Vicinity
- Hospital & School Inside the Society
- Clubhouse with 31 amenities

Amenities

Gated Community | Primary School | Club House | Power Backup | Nursing Home | Swimming Pool | Fresh Water Supply | 3-Tier Security | Playgrounds | Temple

For Online Registration
www.cmawasyojna.org
Call 949-939-0000

Scan to Register

दिल्ली में वित्तीय आपदा है। हमें दिल्ली को बचाना है। इतने सालों में दिल्ली घाटे में चल रही है। आंकड़े बता रहे हैं कि दस साल निरंतर नीचे जाते-जाते ये आज घाटे की तरफ आगे बढ़ रहे हैं।
——— सुधांशु त्रिवेदी, राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा

सहाराकर्मी को पितृ शोक

नोएडा (एसएनबी)। सहारा इंडिया मॉस कम्युनिकेशन (एसएमआईसी) नोएडा में ब्यूरो को-आर्डिनेशन में एक्जीक्यूटिव पद पर कार्यरत सतीश पपनै के पिताजी शंकर दत्त पपनै (87) का शुक्रवार देर शाम अल्मोड़ा के रानीखेत में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को रानीखेत में ही कर दिया गया। शंकर दत्त जी अपने पीछे पत्नी, तीन बेटे, एक बेटी समेत पौत्र-पौत्रियों और पौत्र-पौत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। समस्त सहारा परिवार ने उनके निधन पर संवेदना प्रकट की।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को भेजा वापस

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली पुलिस ने राजधानी में अवैध रूप से रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को वापस उनके देश भेज दिया। इनमें एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। डीसीपी अंकित सिंह ने कहा हमने उन्हें एक जनवरी को वापस भेज दिया। यह दिल्ली के उपराज्यपाल और पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ अभियान का हिस्सा था।

उन्होंने कहा कि टीम ने जिले में अनधिकृत कॉलोनियों, झुग्गियों और श्रमिक शिविरों में अभियान चलाया। पुलिस के छापेमारी के दौरान पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। इनकी पहचान मोहम्मद शाहिद (53), नजरूल शेख (50), उनकी 25 वर्षीय पत्नी और उनके दो बच्चों के रूप में हुई। ये सभी बांग्लादेश के बागेरहाट जिले के रहने वाले हैं। पूछताछ में व्यक्तियों ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की बात स्वीकार की। उनके पास बांग्लादेशी नागरिकता के दस्तावेज और मोबाइल नंबर मिले।

बीते वर्ष 132 विदेशी नागरिकों को वापस भेजा

नई दिल्ली। द्वारका पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। अभियान के तहत द्वारका जिला पुलिस ने साल 2024 में 132 विदेशी नागरिकों को वापस उनके देश भेजा है। जिसमें एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने सबसे ज्यादा 73 की पहचान करके उसे डिपोर्ट किया है। वहीं उत्तम नगर पुलिस ने 48 विदेशी नागरिकों की पहचान की और उसके बाद मोहन गार्डन पुलिस ने 8, डाबड़ी ने दो और एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की टीम ने एक की पहचान की है। जो 132 विदेशी नागरिकों की पहचान करके डिपोर्ट किया गया है, उनमें सबसे ज्यादा नाइजीरिया मूल के नागरिक थे। इनकी संख्या 116 है, इसके अलावा घाना, युगांडा, उज़्बेकिस्तान इत्यादि कंट्री के भी नागरिक इसमें शामिल थे। एक अधिकारी ने बताया कि जिला पुलिस के द्वारा यह एक्शन लिया जाता है, उनके डॉक्यूमेंट की जांच की जाती है।

विदेशी मॉडल की तस्वीरों का इस्तेमाल कर 700 महिलाओं को ठगने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एसएनबी)। विदेशी मॉडल की तस्वीरों का इस्तेमाल कर विभिन्न डेटिंग ऐप के जरिए 700 से अधिक महिलाओं के साथ ठगी करने के आरोपी 23 वर्षीय युवक को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान तुषार बिष्ट के रूप में हुई। आरोपी ने खुद को अमेरिका में रहने वाला मॉडल बताकर डेटिंग ऐप पर महिलाओं से दोस्ती की और बाद में उनका भरोसा जीतकर उनकी निजी तस्वीरें और वीडियो हासिल कर लिए। इसके बाद आरोपी ने तस्वीरों और वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करने की धमकी देकर कई महिलाओं से मोटी रकम वसूल की है।

दिल्ली पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि पश्चिमी जिले के साइबर थाने ने तुषार बिष्ट को बम्बल और स्नैपचैट जैसे ऑनलाइन मंचों का दुरुपयोग कर महिलाओं को फंसाने, निजी तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल कर उन्हें ब्लैकमेल करने और पैसे ऐंठने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने कहा कि खुद को अमेरिका में रहने वाला मॉडल बताकर आरोपी ने एक आभासी अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर और ब्राजीलियाई मॉडल की तस्वीरों का उपयोग कर फर्जी प्रोफाइल बनाई। बिष्ट ने विभिन्न ऑनलाइन डेटिंग मंचों पर 18 से 30 वर्ष की आयु की महिलाओं से जुड़ने के लिए फर्जी प्रोफाइल का इस्तेमाल किया। उसके निशाने पर मुख्य रूप से बम्बल, स्नैपचैट और वाट्सऐप के उपयोगकर्ता थे। पुलिस ने कहा कि बिष्ट ने बातचीत कर महिलाओं का विश्वास जीता और उन्हें निजी और अंतरंग तस्वीरें और वीडियो साझा करने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा कि एक बार जब आरोपी ने सामग्री प्राप्त कर ली तो उसने महिलाओं को धमकाना करना शुरू कर दिया। पीड़ितों द्वारा भुगतान न करने पर संवेदनशील सामग्री को ऑनलाइन साझा करने की धमकी दी। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि आरोपी ने 'बम्बल' पर 500 से अधिक महिलाओं और स्नैपचैट एवं वाट्सऐप पर 200 अन्य महिलाओं के साथ बातचीत की।

■ आरोपी ने 'बम्बल' पर 500 से अधिक महिलाओं व स्नैपचैट एवं वाट्सऐप पर 200 अन्य महिलाओं के साथ बातचीत की

यह मामला पिछले साल 13 दिसम्बर को तब प्रकाश में आया जब दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा ने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। आरोपी ने पीड़िता को धमकाकर पैसे वसूले। उन्होंने कहा कि मामला तब और बिगड़ गया जब आरोपी ने उसे एक निजी वीडियो भेजा जिसे उसने साझा किया था और पैसे की मांग की थी। दबाव में आकर पीड़िता ने उसे कई बार पैसे दिए। लगातार पैसे की मांग के चलते उसे अपने परिवार को सूचित करना पड़ा और शिकायत दर्ज कराई। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद एक विशेष टीम बनाई गई जिसने बिष्ट को पूर्वी दिल्ली के शकरपुर से गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

ठक-ठक गैंग का लुटेरा व उसका साथी गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका नॉर्थ पुलिस ने ठक-ठक गैंग के शातिर बदमाश व उसके साथी को गिरफ्तार किया। इसकी पहचान सूरज व शिवम के रूप में हुई। आरोपी सूरज डकैती, एमसीओसीए एक्ट के मामलों में वांछित व घोषित अपराधी था। वह अम्बेडकर नगर थाने का बीसी है और 30 से अधिक पिछली घटनाओं में शामिल रहा। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि एसीपी किशोर कुमार रेवला तथा थाना प्रभारी गिरीश कुमार की देखरेख में दोनों को पकड़ा गया। इससे चोरी की स्प्लेंडर बाइक और लेनोवो लैपटॉप बरामद हुए।

पश्चिमी दिल्ली पुलिस को मिली 12 बाइकें

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में आम लोगों की सुरक्षा को और सुनिश्चित करने के लिए पुलिस हेडक्वार्टर से पश्चिमी जिला पुलिस को 12 नई रफ्तार वाली हाई स्पीड बाइक मिली हैं। इसका इस्तेमाल वारदात वाले हॉट स्पॉट, रिंग रोड, रोहतक रोड और नजफगढ़ रोड पर की जाएगी। इसमें 48 पुलिसकर्मियों की टीम 24 घंटे पेट्रोलिंग कर रही है। पुलिस ने बताया कि रफ्तार पेट्रोलिंग टीम का सड़क पर आमजनों की सुरक्षा के लिए उतारा गया है। एक बाइक पर दो पुलिसकर्मी तीन-तीन के ग्रुप में पेट्रोलिंग करते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि कॉल मिलने के बाद मौके पर तुरंत रफ्तार की टीम पहुंचती है।

कुख्यात शूटर बॉबी उर्फ अतुल व पारस गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा पुलिस ने हाल ही में विवेक विहार में हुई गोलीबारी में शामिल दो कुख्यात शूटर बॉबी उर्फ अतुल (19) और पारस शर्मा उर्फ प्रिंस (26) को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। इनसे एक देसी कट्टा, एक देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद हुए। डीसीपी प्रशांत गौतम के अनुसार पुलिस को दोनों के सीबीडी ग्राउंड, आनंद विहार में आने की जानकारी मिली। उन्हें जब रोका गया तो फायरिंग करने लगे। बदमाशों द्वारा चलाई गई गोली से एक सिपाही के बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। इसके बाद जबाबी कारवाई कर पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार कर लिया। इनमें बॉबी उर्फ अतुल पर आग्नेयास्त्र अपराध और गंभीर हमले के कई मामलों में शामिल होने के आरोप हैं।

पूर्वी दिल्ली में हिट एंड रन की घटना में उप्र पुलिस के जवान की मौत

नई दिल्ली (एसएनबी)। पूर्वी दिल्ली के टेल्को टी-पॉइंट फ्लाईओवर पर हिट एंड रन की कथित घटना में उत्तर प्रदेश पुलिस के 47 वर्षीय उपनिरीक्षक की मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को शुक्रवार रात 10.35 बजे दुर्घटना के बारे में सूचना मिली। दिल्ली के त्रिलोकपुरी निवासी प्रदीप कुमार उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में ट्रैफिक सर्किल में तैनात थे। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया प्रदीप अपनी बाइक पर आनंद विहार आईएसबीटी से राष्ट्रीय राजमार्ग 24 की ओर जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह हिट एंड रन का मामला है और घटनास्थल से पीले रंग की नंबर प्लेट का एक टुकड़ा बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि वाहन की पहचान और पता लगाने के प्रयास जारी हैं। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का विश्लेषण करने और वाहन की पहचान करने के लिए कई टीम गठित की गई हैं।

भ्रूण परीक्षण के आरोपी महिला डॉक्टर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गर्भस्थ शिशु की लैंगिक पहचान का खुलासा करने के आरोपी डाक्टर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कर दी। उसने कहा कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जो यह बताए कि डाक्टर ने कानून का उल्लंघन करते हुए प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी महिला डाक्टर के खिलाफ केवल एक फर्जी रोगी का अल्ट्रासाउंड करने का आरोप है।

न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह ने कहा कि आरोपी डाक्टर के खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं है जो साबित करे कि उसने पीसी और पीएनडीटी अधिनियम की धारा 4 का उल्लंघन करते हुए प्रसव पूर्व निदान तकनीकों का इस्तेमाल किया या फिर भ्रूण के लिंग का निर्धारण करके उसका खुलासा कर दिया। जबकि खुलासा करना उक्त कानून की धारा 5 और 6 का उल्लंघन है। वैसे गर्भस्थ शिशु के लिंग का पता लगाने के लिए प्रसव पूर्व निदान तकनीक का उपयोग गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी एवं पीएनडीटी) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है। लेकिन आरोपी डाक्टर के खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है।

मामले के अनुसार अगस्त 2020 में हरि नगर की एक अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापा मारा गया था। उसके बाद पुलिस ने डाक्टर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि याचिकाकर्ता डाक्टर ने एक फर्जी मरीज का अल्ट्रासाउंड किया था। साथ ही लैब में काम करने वाले कर्मचारी ने भ्रूण के लिंग का कथित तौर पर खुलासा कर दिया था। डाक्टर ने प्राथमिकी रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उसने कहा था कि तीन साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल नहीं किया है। उससे पता चलता है कि उसके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है।

बेहतर होता पीएम कॉलेजों के वेतन संकट व नियुक्ति की समस्या का हल करते : इंटेक

■ **नई दिल्ली (एसएनबी)।**

शिक्षक संगठन इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) ने शनिवार को कहा कि बेहतर होता कि प्रधानमंत्री दिल्ली सरकार के 12 कॉलेजों में वेतन और नियुक्ति संकट का समाधान लेकर आते। इंटेक के चेयरमैन प्रो पंकज गर्ग व कार्यकारी परिषद सदस्य अमन कुमार ने कहा कि ओबीसी विस्तार के तहत ढांचागत विकास के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रत्येक कॉलेज को 15 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे और दिल्ली विश्वविद्यालय में नियुक्तियों के लिए 4500 से अधिक शिक्षण पदों को मंजूरी दी गई थी। ईडब्ल्यूएस विस्तार के तहत ऐसे पैकेज का अभी भी इंतजार है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कई कॉलेज जैसे अदिति कॉलेज, भगिनी निवेदिता कॉलेज, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, श्री अरबिंदो कॉलेज अभी भी स्कूल भवनों में चल रहे है। इन कॉलेजों के लिए नए भवन बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा कोई प्रयास शुरू नहीं किया गया है। इंटेक के मुताबिक, कुल मिलाकर सिर्फ दिल्ली यूनिवर्सिटी को 600 करोड़ के पैकेज की घोषणा की गई है।

छात्र की हत्या के मामले में पांच नाबालिग सहित सात पकड़े

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली पुलिस ने पूर्वी दिल्ली में 14 वर्षीय छात्र की हत्या के मामले में पांच किशोर समेत सात लोगों को पकड़ा है। डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि जब आरोपियों को पकड़ा गया तब वे दिल्ली से भागने की फिराक में थे। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किये है। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में शुक्रवार को एक स्कूल के बाहर कक्षा नौ के छात्र पर हमला किया गया।

■ हत्या में इस्तेमाल चाकू और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद

डीसीपी ने बताया कि जांच में पता चला है कि शाम चार बजे अल्पकालिक अवकाश के दौरान 14 वर्षीय छात्र के एक सहपाठी ने कथित तौर पर किसी से मोबाइल फोन मांगा और कॉल किया। आरोपी सहपाठी ने कथित तौर पर छात्र (मृतक) के साथ विवाद के बारे में फोन पर किसी शख्स को बताया और उससे कहा लोग भेजो।

शाम करीब छह बजे जब छात्र स्कूल से बाहर निकला तो आरोपी सहपाठी एक समूह के साथ बाहर इंतजार कर रहा था। डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि मामला तब और बिगड़ गया जब आरोपी छात्र के एक अन्य साथी ने छात्र की दाहिनी जांघ पर चाकू से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया और हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि स्कूल के स्टाफ ने पीड़ित छात्र को प्राथमिक उपचार दिया और उसे हेडगेवार अस्पताल ले गए। गंभीर रूप से जख्मी होने के कारण उसे जीटीबी अस्पताल स्थानांतरित कर दिया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

डीसीपी ने बताया कि तीन विशेष टीमों ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की गहन समीक्षा की, गवाहों से पूछताछ की और संदिग्धों की पहचान करने के लिए तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। उनके समन्वित प्रयासों से सभी सात आरोपियों को पकड़ लिया गया, जो कि भागने की फिराक में थे। पकड़े गए लोगों में पांच किशोर और कॉलेज के दो छात्र सारथी (19) और अमन कुमार (31) शामिल हैं। अमन की डेयरी की दुकान है। डीसीपी ने बताया कि आरोपी के खून से सने कपड़े और जूते तथा चाकू और उसका कवर समेत महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण–I, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001

टीए सं. 206/2023 दिनांक : 17–05–2024
केनरा बैंक आवेदक
विरूद्ध
राजीव गोस्वामी एवं अन्य प्रतिवादीगण
सेवा में,
1. राजीव गोस्वामी पुत्र श्री जी.आर. गोस्वामी निवासी 19/110 पश्चिम मोती बाग, सराय रोहिल्ला, दिल्ली 110035
अन्य पता : मैसर्स ए एसोसिएट्स 19/231, सराय बस्ती, दिल्ली–110035
अन्य पता : बी–80, एस–2, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन–2, भोपुरा, परगना लोनी, जिला गाजियाबाद, यूपी
अन्य पता : फ्लैट नंबर यूजी–3, ऊपरी भूतल, बी–1/154, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन II, भोपुरा, परगना लोनी, जिला गाजियाबाद, यूपी
अन्य पता : 4/1 सेठी बिल्डिंग, डी बी गुप्ता रोड, पहाड़गंज, दिल्ली 110055
(2) श्रीमती इंदु श्री गोस्वामी पत्नी श्री राजीव गोस्वामी, 19/110 वेस्ट मोती बाग, सराय रोहिल्ला, दिल्ली – 110035
(3) श्री संजीव गोस्वामी पुत्र श्री जी आर गोस्वामी, 19/110 पश्चिम मोती बाग, सराय रोहिल्ला, दिल्ली–110035
सेल्स मैनेजर, सी/ओ मैसर्स ऑटोमोबाइल्स स्टर्लिंग डी–4, सेक्टर 8, नोएडा, यूपी 201301
(4) श्री पवन शर्मा पुत्र श्री अशोक कुमार शर्मा, 6/148, सेक्टर 2, राजेंद्र नगर, उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद
अन्य पता : मैसर्स सहार बिल्डर्स एंड प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड 10/5, सेक्टर–3, राजेंद्र नगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201005
जबकि उपरोक्त नामक आवेदक ने आपके विरूद्ध रू. 34,88,647.00 (रूपए चौंतीस लाख अठासी हजार छह सौ सैंतालीस मात्र) की वसूली के लिए एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषप्रद रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है। इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको दिनांक 19–03–2025 को पूर्वा. 10.30 बजे विद्वान रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है। (अतिरिक्त विवरण के लिए कृपया डीआरटी वेबसाइट www.etribunal.gov.in देखें फोन नंबर : 011–23748473)। ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, वाद की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
सभी मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से की जाएगी और उस प्रयोजन हेतु :–
(i) सभी अधिवक्ता/विवादी "Cisco Webex" ऐप्लीकेशन/सॉफ्टवेयर डाउनलोड करेंगे ;
(ii) रजिस्ट्रार/वसूली अधिकारी–I/तथा वसूली अधिकारी–II द्वारा मामलों की सुनवाई की अगली तिथि हेतु "Meeting ID" तथा "Password" अगली तारीख से एक दिन पहले डीआरटी के आधिकारिक पोर्टल नामतः "https://drt.gov.in" पर सार्वजनिक सूचना शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध होगा।
(iii) किसी कार्याधिक्य की स्थिति में, अधिवक्ता/विवादी संबंधित पदाधिकारी से फोन नंबर 011–23748473 पर सम्पर्क कर सकते हैं।
मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत 06 नवम्बर, 2024 को दिया गया।
इस न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 (2) Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हर्षित गोयल, पुत्रः जितेंद्र गोयल, पताः डी– 86, गली नंबर 6, भजनपुरा, दिल्ली** ने **CC No. 1092/19, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हर्षित गोयल** मिल नही रहा है और मुझे समाधनप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **हर्षित गोयल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 1092/19, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अभियुक्त **हर्षित गोयल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री पंकज राय
महानगर दंडाधिकारी–01
कमरा नं. 73, उत्तर–पूर्वी जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/16628/NE/2024

LOST & FOUND
I, SHARMILA SARKAR W/o Late Shri Subroto Sarkar R/o D-764, Chittaranjan Park, New Delhi-110019, have lost my Property Papers i.e (1) Perpetual Lease Deed Document No.1787, Book No.1, Volume NO. 3802, Pages 157 to 160, dated 18/05/1977 (2) Permission Letter from L&DO dated 25/01/1976 (3) Gift Deed Document NO. 782, Book NO.1, Volume No.5187, dated 05/02/1985 (4) Substitution Letter From L&DO (5) Conveyance Deed Dated 10/03/2016 (6) Collaboration Agreement in respect of Entire Property No. D-764, situated at Chittaranjan Park New Delhi, Finder contact above address or mobile: +91 981 873 290 6 and Email Id:- sharmilas347@gmail.com

बांसुरी स्वराज को दस्तावेज जमा करने के लिए मिला समय

नई दिल्ली (एसएनबी)। मानहानि के मामले में अदालत ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को कुछ दस्तावेज मुहैया कराने के लिए समय दे दिया। राऊज एवेन्यु कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल इस मामले में 13 जनवरी को सनवाई करेंगी। सांसद स्वराज के खिलाफ पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने आपराधिक मानहानि का मुकदमा किया है। सुनवाई के दौरान बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज के वकील ने आरोपों से संबंधित कुछ दस्तावेजों को अदालत में पेश करने के लिए दो हफ्ते का समय मांगा था। उन्होंने कहा है कि स्वराज ने एक टेलीविजन साक्षात्कार के दौरान जो टिप्पणियां की है, उससे उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा है। जबकि स्वराज का टिप्पणी झूठा है। उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं अदालत में 20 दिसंबर को सत्येंद्र जैन और उनके दो गवाहों का बयान दर्ज किए जाएंगे। जैन ने स्वराज के खिलाफ 5 अक्टूबर, 2023 को एक साक्षात्कार के दौरान गलत जानकारी देने का आरोप लगाया है। जैन ने कहा है कि यह साक्षात्कार बड़े पैमाने पर प्रसारित हुआ, जिसे लाखों लोगों ने देखे हैं। स्वराज का यह बयान उन्हें बदनाम करने और राजनीतिक लाभ हासिल करने के उद्देश्य से दिए हैं।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82Cr. P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बृज बाला, पुत्र श्री इन्द्र, निवासी जेजे नं. W–167/133, इंद्रा कैंप–4, विकास पुरी, नई दिल्ली–110018** ने **CT Case 408/2019, U/S 135 Indian Electricity Act, अन्तर्गत थाना विकास पुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बृज बाला** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बृज बाला,** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।
अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **CT Case 408/2019, U/S 135 Indian Electricity Act, अन्तर्गत थाना विकास पुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **बृज बाला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.02.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार,
श्री विनोद कुमार मीना
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (दक्षिण–पश्चिम)
विशेष न्यायालय (विद्युत), न्यायालय संख्या 609
द्वारका न्यायालय, दिल्ली
DP/17198/WD/2024 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 84 बीएनएसएस देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गगन उर्फ पीयूष पिहल** पुत्र **राकेश पिहल** निवासी **म.नं. 1797, रघुनाथ मंदिर वाली गली, बलजीत नगर, पटेल नगर, दिल्ली** ने case **FIR No. 420/2022 U/s 27A/61/85 NDPS Act, थाना पटेल नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है **गगन उर्फ पीयूष पिहल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गगन उर्फ पीयूष पिहल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 420/2022 U/s 27A/61/85 NDPS Act, थाना पटेल नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गगन उर्फ पीयूष पिहल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **06.02.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।
आदेशानुसार
सुश्री उपासना सतीजा
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
पश्चिम जिला, कमरा नं. 145
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/99/CD/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रदीप कुमार झा पुत्र महेश झा पताः मकान नं 376, गली नं.9, सविता विहार, मुकुंदपुर, पार्ट–2, दिल्ली और दुसरा पुरव टोला, निर्मली थानाः निर्मली, जिलाः दरभंगा, बिहार** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 12/2017 धारा 33/38 दिल्ली एक्साईज एक्ट के तहत** थानाः सब्जी मंडी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रदीप कुमार झा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **प्रदीप कुमार झा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 12/2017 धारा 33/38 दिल्ली एक्साईज एक्ट के तहत थाना सब्जी मंडी, दिल्ली के उक्त प्रदीप कुमार झा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.02.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
चतिंदर सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07
केन्द्रीय जिला कमरा नं. 32,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/140/N/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गौरव, पुत्र :** श्री जोनी, **पता** ए–42, भाग्य विहार, मुबारकपुर डबास, दिल्ली–86 ने मुकदमा **FIR No. 76/2019 U/S 323/341/34 IPC, थानाः प्रेम नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गौरव** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गौरव** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 76/2019 U/S 323/341/34 IPC, थानाः प्रेम नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गौरव** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.02.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
नवदीप गुप्ता
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी (उत्तर–पश्चिम)
प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/114/RD/2025 (Court Matter)

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दु यूनिवर्सिटी مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی
MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY
A Central University under Ministry of Education
Government of India
रोजगार अधिसूचना संख्या 70/2024 दिनांक: 31.12.2024
विभिन्न विभागों/दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र/सीटीई/पॉलिटेक्निक/केंद्र/ऑफ–कैंपस/पुस्तकालयों के लिए निम्नलिखित शिक्षण और अन्य शैक्षणिक पदों के लिए निर्धारित प्रपत्रों में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:
शिक्षण पद
1. प्रोफेसरः शिक्षा–1, महिला शिक्षा–1, वनस्पति विज्ञान–1, कानून–1, बी.वोक.–1, तुलनात्मक अध्ययन–1।
2. एसोसिएट प्रोफेसरः शिक्षा–1, बी.वोक.–1, भाषा विज्ञान–1, इतिहास (सीडीओई)–1।
3. असिस्टेंट प्रोफेसरः शिक्षा–4, हिंदी–1, प्राणीशास्त्र (सीडीओई)–1, हिंदी (सीडीओई)–1, इस्लामिक अध्ययन (सीडीओई)–1, शिक्षा (सीडीओई)–1।
4. पॉलिटेक्निक के लिए विभागाध्यक्ष (एचओडी): इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग–1, मैकेनिकल इंजीनियरिंग–1।
(अन्य शैक्षणिक पद)
1. अन्य शैक्षणिक– निदेशक–शारीरिक शिक्षा –1, विश्वविद्यालय सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष –1.
योग्यता, अनुभव आदि से संबंधित सूचना पुस्तिका और ऑनलाइन आवेदन पत्र के लिए लिंक विश्वविद्यालय पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27 जनवरी, 2025 है और आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2025 है।
कृपया अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.manuu.edu.in पर जाएं।
ह०/– रजिस्ट्रार

Office of the General Manager (Ghaziabad)
U.P. State Bridge Corporation Ltd.
F- Block, Kavi Nagar, Ghaziabad, U.P.
NIT No. 2173/30ET/GM(GZB)/2024 Date : 31.12.2024
NOTICE INVITING TENDER
E-tenders are invited for **Supplying, fabrication, assembling and launching of Steel Girder at 2-Lane R.O.B. in lieu of L-Xing No. 96C at Km 200/16-18 on Ambala-Saharanpur rail section in Between Nakur-Chilkana road in Distt. Saharanpur (U.P.)** from bidderd who have registered with http://etender.up.nic.in as per Tender document published and processed through http://etender.up.nic.in.
Bid must be accompanied by non-refundable fee of Rs. 10,000+18% GST = Rs. 11,800.00 as tender document fee, in the form of RTGS only any Schedule bank, online payment toward to cost (including GST) of tender documents of Rs. 11,800.00 (Rupees Eleven thousand eight hundred only) thorough the online portal at https://upsbcl.procure247.com/TenderPay/x-login.
Prospective bidder may seek any information regarding the bids from the offices of **General Manager (GZB) U.P. State Bridge Corporation Ltd. F-Block, New Kavi Nagar, Ghaziabad** on any working day **between 10 A.M. to 5.00 P.M.** Set of bidding documents will be available online on website http://etender.up.nic.in **from 12:10 P.M. of 01.01.2025 to 05:00 P.M. of 01.02.2025**
(Sandeep Gupta)
General Manager (GZB)
पत्रांक : 2223/30ई.टी./म.प्र.(गाजियाबाद)/24 दिनांक : 04/01/2025

पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ दाखिल किया आरोप पत्र

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मकोका मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बालियान से जुड़े मामले में आरोपी रितिक उर्फ पीटर के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर नौ जनवरी को विचार करेगी। वहीं न्यायाधीश बालियान की जमानत याचिका पर आठ जनवरी को सुनवाई करेंगी। यह आरोप पत्र लगभग तीन सौ पन्नों का है। पिछली सुनवाई में अदालत ने बालियान की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा था। मकोका के मामले में नरेश बालियान के अलावा जिन आरोपियों के खिलाफ मामला चल रहा है वे रितिक उर्फ पीटर, रोहित उर्फ अन्ना और सचिन चिकारा है। पुलिस के अनुसार बालियान और गैंगस्टर कपिल सांगवान के बीच बातचीत का ये मामला 2023 का है। इसे लेकर वर्ष 2023 में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कपिल सांगवान फिलहाल ब्रिटेन में रह रहा है। कपिल सांगवान और नरेश बालियान दोनों दिल्ली के नजफगढ़ के रहने वाले हैं।

■ आप विधायक बालियान से जुड़ा मकोका मामला, संज्ञान लेने पर विचार 9 को

अवैध शराब के साथ दो दबोचे

नई दिल्ली (एसएनबी)। निहाल विहार एरिया से अवैध शराब के साथ दो लोग पकड़े गए। इनसे 5,000 बोतल अवैध शराब बरामद हुए। हैरत की बात है कि स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक नहीं मिली और स्पेशल स्टाफ पुलिस ने दोनो तस्करों को पकड़ा। डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि अवैध शराब का एक आपूर्तिकर्ता और एक प्राप्तकर्ता गिरफ्तार हुआ है और दोनों आरोपियों का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है। उनके अनुसार इनके कब्जे से अवैध शराब की तस्करी में इस्तेमाल किया गया माजदा ट्रक भी बरामद किया गया। दरअसल तीन जनवरी की मध्य रात्रि को स्पेशल स्टाफ के अधिकारियों को स्वराज माजदा ट्रक में अवैध शराब की तस्करी के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जो लक्ष्मी पार्क, निलोठी के इलाके में आने वाली थी।इस सूचना पर पुलिस टीम बनाई गई और दोनो आरोपियों को पकड़ा गया। चालक की पहचान जोगिंदर सिंह उर्फ जोनी के रूप में हुई, जिसे पकड़ लिया गया। ट्रक की गहन तलाशी में 5,000 क्वार्टर अवैध शराब बरामद हुई, जिस पर केवल चंडीगढ़ में बिक्री के लिए मार्क किया गया था। जोगिंदर सिंह ने खुलासा किया कि वह बाहरी जिले के पीएस निहाल विहार क्षेत्र में अवैध शराब की आपूर्ति करता है।

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

संडे
नई दिल्ली
5 जनवरी ● 2025
16 पृष्ठ, मूल्य ₹ 4.00

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

पर्दे पर इतिहास लाने को तैयार कंगना रनौत पेज-16

आनलाइन ठगी से कैसे बचें सोशल मीडिया यूजर्स पेज-15

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका के एनएसए आज से भारत यात्रा पर

वॉशिंगटन। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे और अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। उनकी भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है जब जो बाइडन प्रशासन का चार साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सांसद माइकल वाल्ट्ज संभालेंगे। सुलिवन पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी इस यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत-केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देंगे।

दिवंगत डीआइजी (जेल) के परिवार की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने शनिवार को कहा कि उसने मध्य प्रदेश की भोपाल जेल के एक दिवंगत डीआइजी के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति से जुड़े धनशोधन मामले के तहत करीब पांच करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में कहा, पीएमएलए के तहत डीआईजी उमेश कुमार गांधी, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के नाम पर एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है। कुर्क की गई संपत्तियों का मूल्य 4.68 करोड़ रुपये है और इनमें राज्य के विभिन्न जिलों जैसे सागर, कटनी, सीहोर, भोपाल और इंदौर में स्थित 20 अचल संपत्तियों के अलावा बैंक जमा, आभूषण, बीमा पॉलिसी, म्यूचुअल फंड, किसान विकास पत्र जैसी चल संपत्तियां भी शामिल है।

पटाखा बनाते समय हुआ विस्फोट, पति-पत्नी की मौत

पारादीप। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी की पटाखे बनाते समय हुए धमाके में मकान ढहने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात सदर थाना क्षेत्र के बड़ाबाग गांव में हुई। धमाका इतना भीषण था कि मकान की छत और दीवारें ढह गई। मृतकों की पहचान राजेश दास और उसकी पत्नी रानी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि राजेश के छोटे भाई परेश और उसकी पत्नी लक्ष्मीप्रिया इस घटना में घायल हो गए। उनका अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

अंदर के पन्नों पर

बीजापुर : पत्रकार हत्या मामले में 3 लोग हिरासत में ■ पेज-09
जापान में दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला का निधन ■ पेज-13

विचार
10 टकराव से हटके आदर्श समाज की सोच

पैसा वसूल
15 कम पूंजी में कैसे लें प्रॉपर्टी में निवेश का फायदा

उमंग
16 गीता कपूर की सच्चाई-रेमो की स्कोरिंग

कोहरे का कहर : 400 से अधिक उड़ानें हुईं लेट

नई दिल्ली (एसएनबी)। घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से दिल्ली हवाई अड्डे पर 19 उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया और 400 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं।

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने सुबह-सुबह ही विमानों के आगमन और प्रस्थान को अस्थायी रूप से रोक दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि दृश्यता कम होने के कारण शुक्रवार रात 12.15 बजे से डेढ बजे के बीच 19 उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया। अधिकारी ने बताया कि इनमें से 13 घरेलू और चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानें थीं। 400 से अधिक उड़ानों में देरी हुई और अब परिचालन सामान्य हो गया है।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड ने सुबह 6:56 बजे सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, " दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ानों के उतरने और उड़ान भरने का सिलसिला जारी है, लेकिन जो उड़ानें कैट तृतीय के अनुरूप नहीं है वे प्रभावित हो सकती है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उड़ानों की अद्यतन जानकारी के लिए संबंधित विमानन कंपनी से संपर्क करें। किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है। कैट तृतीय सुविधा कम दृश्यता की स्थिति में भी विमान के परिचालन की अनुमति देती है।

■ 19 उड़ानों का मार्ग परिवर्तित, यात्रियों को हुई परेशानी

पीएम मोदी ने विपक्षी नेताओं पर बोला हमला, ग्रामीणों को किया आगाह

जाति के नाम पर 'जहर' से रहें सावधान

■ प्रधानमंत्री ने ग्रामीण भारत महोत्सव का किया उद्घाटन

■ कहा, 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में गांवों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी

मोदी ने कहा, "ग्रामीण भारत के लोगों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना मेरी सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का उद्देश्य सशक्त ग्रामीण भारत सुनिश्चित करना, ग्रामीणों को पर्याप्त अवसर प्रदान करना, पलायन को कम करना और गांवों के लोगों के लिए जीवन को आसान बनाना है। मोदी ने गांवों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाओं के बारे में कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय बनाए गए है और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण भारत के करोड़ों लोगों को पक्के घर दिए गए है। जल जीवन मिशन के माध्यम से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल भी उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज डेढ़ लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने "जाति के नाम पर समाज में जहर फैलाने के लिए" विपक्ष पर शनिवार को हमला बोला और लोगों से गांवों की साझा संस्कृति एवं विरासत को मजबूत करने के उद्देश्य से ऐसी साजिशों को विफल करने को कहा। प्रधानमंत्री ने 'ग्रामीण भारत महोत्सव' का उद्घाटन करते हुए कहा कि उनकी सरकार 2014 से ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है और 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में गांव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मोदी ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के अन्य नेताओं का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग जाति के नाम पर समाज में जहर फैलाने और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने कहा, "हमें इन षड्यंत्रों को विफल करना होगा तथा अपने गांवों की साझा विरासत को संरक्षित एवं मजबूत करना होगा। गांधी और अखिलेश यादव सहित विपक्षी नेता जातिगत जनगणना की लगातार मांग कर रहे है। मोदी ने कहा कि वह 2014 से ग्रामीण भारत की सेवा में लगातार लगे हुए है। प्रधानमंत्री ने कहा, "ग्रामीण भारत के लोगों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना मेरी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सशक्त ग्रामीण भारत सुनिश्चित करना, ग्रामीणों को पर्याप्त अवसर प्रदान करना, पलायन को कम करना और गांवों के लोगों के लिए जीवन को आसान बनाना है। मोदी ने गांवों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाओं के बारे में कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय बनाए गए है और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण भारत के करोड़ों लोगों को पक्के घर दिए गए है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल भी उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, "आज डेढ़ लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है।" उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी की सहायता से टेलीमेडिसिन ने गांवों में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सकों और अस्पतालों का विकल्प सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि ई-संजीवनी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों लोगों को टेलीमेडिसिन का लाभ मिला है।

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए आर्थिक नीतियां बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य गांवों को विकास और अवसर के जीवंत केंद्रों में बदलकर ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार की मंशा, नीतियां और फैसले ग्रामीण भारत को नयी ऊर्जा के साथ सशक्त बना रहे है। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को लगभग तीन लाख करोड़ की वित्तीय सहायता दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में कृषि ऋण की राशि में 3.5 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे है। मोदी ने कहा कि देश में 9,000 से अधिक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे है।

उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार ने पिछले 10 साल में कई फसलों के लिए एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) में लगातार वृद्धि की है। मोदी ने कहा, "जब इरादे नेक होते है, तो परिणाम संतोषजनक होते है।

नमो भारत कॉरिडोर के दिल्ली खंड का मोदी आज करेंगे लोकार्पण

राजधानी को आज 12,200 करोड़ की सौगात

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को 12,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे और राष्ट्रीय राजधानी में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वह साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन के बीच नमो भारत ट्रेन में यात्रा भी करेंगे। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच लगभग 4600 करोड़ रुपये की लागत से बने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही दिल्ली को अपना पहला नमो भारत कनेक्टिविटी मिल जाएगा। बयान के अनुसार, इससे दिल्ली और मेरठ के बीच यात्रा काफी आसान हो जाएगी।

■ 4600 करोड़ रुपये की लागत से बने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किमी लंबे हिस्से का उद्घाटन

■ चौथे चरण के मेट्रो प्रोजेक्ट का जनकपुरी और कृष्णा पार्क के बीच करीब 1200 करोड़ रुपये की लागत से बने 2.8 किलोमीटर हिस्से का उद्घाटन

मोदी दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के तहत जनकपुरी और कृष्णा पार्क के बीच करीब 1200 करोड़ रुपये की लागत से बने 2.8 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन करेंगे। यह दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण का पहला खंड है जिसका उद्घाटन किया जाएगा। इससे पश्चिमी दिल्ली के कृष्णा पार्क, विकासपुरी और जनकपुरी के कुछ हिस्सों समेत अन्य इलाकों को फायदा होगा। मोदी दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के 26.5 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली खंड की आधारशिला रखेंगे। इसके निर्माण पर करीब 6230 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह कॉरिडोर दिल्ली के रिठाला को हरियाणा के नाथूपुर (कुंडली) से जोड़ेगा, जिससे दिल्ली और हरियाणा के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा। इससे विस्तारित रेड लाइन के जरिए दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में यात्रा सुगम हो जाएगी। वह रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखेंगे, जिसका निर्माण 185 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा।

रिठाला-कुंडली तक के नए मेट्रो कॉरिडोर की आज आधारशिला रखेंगी आतिशी

नई दिल्ली (एसएनबी)। मुख्यमंत्री आतिशी ने घोषणा की है कि रिठाला से कुंडली तक दिल्ली मेट्रो के नए कॉरिडोर की रविवार को आधारशिला रखी जाएगी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान को जोड़ने वाली आरआरटीएस परियोजना का उद्घाटन किया जाएगा। दिल्ली मेट्रो की मैजेंटा लाइन के जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क तक के विस्तारित खंड की भी शुरुआत होगी। (विवरण पेज-7)

सेना का वाहन खाई में गिरा, 4 जवानों की गई जान

श्रीनगर (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना के एक वाहन के खाई में गिरने से चार सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया, उत्तरी कश्मीर जिले में एसके पायन के पास सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। चार जवानों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। सेना की चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बांदीपोरा जिले में दायित्व निर्वहन के समय खराब मौसम और कम दृश्यता की स्थिति के कारण भारतीय सेना का एक वाहन फिसलकर खाई में गिर गया। घायल सैनिकों को स्थानीय कश्मीरी लोगों की सहायता से चिकित्सा देखभाल के लिए तुरंत बाहर निकाला गया। हम तत्काल सहायता प्रदान करने वाले नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। सेना ने कहा, दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में तीन जवानों की जान चली गई। भारतीय सेना शोकसंतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।

■ इस दुर्घटना में सेना का एक जवान घायल भी हुआ

नहीं रहे परमाणु वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम

नई दिल्ली (एसएनबी)। देश में 1974 और 1998 के परमाणु परीक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतिष्ठित वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम का शुक्रवार देर रात निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के एक अधिकारी ने बताया कि परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़े रहे चिदंबरम ने मुंबई के जसलोक अस्पताल में देर रात तीन बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह चिदंबरम के निधन से बहुत दुखी है। वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक एवं सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। (विवरण पेज-9)

केजरीवाल के सामने प्रवेश, आतिशी के सामने बिधूड़ी

■ भाजपा ने दिल्ली विधानसभा के लिए 29 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने शनिवार को अपने 29 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी की इस सूची में दो पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, दो पूर्व सांसद, चार मौजूदा विधायक एवं एक महिला पार्षद समेत कई पूर्व विधायकों के नाम शामिल हैं। इसके साथ ही केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे कैलाश गहलोत एवं राजकुमार आनंद के साथ ही आप से भाजपा में आए दो पूर्व विधायकों को भी भाजपा ने चुनाव मैदान में उतारा है। शीला सरकार में मंत्री रहे अरविंदर सिंह लवली एवं राजकुमार चौहान के साथ ही पूर्व कांग्रेसी विधायक तरविन्दर सिंह मारवाह को भी भाजपा ने टिकट दिया है।

बाहरी लोगों को टिकट देने के चलते भाजपा ने गांधीनगर से विधायक अनिल वाजपेयी का टिकट काट दिया है। खास बात यह है कि भाजपा ने अपने पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को पूर्व मुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल के सामने और दूसरे पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को कालका जी से मुख्यमंत्री आतिशी के सामने उतारा है।

भाजपा की पहली सूची में कांग्रेस और आप छोड़कर आए नेताओं को खास तवज्जो दी गई है। भाजपा ने लंबे इंतजार के बाद आखिर शनिवार को पहली सूची जारी कर दी। भाजपा ने अपने चार मौजूदा विधायक विजेंद्र गुप्ता, ओपी शर्मा, अजय महावर एवं जितेंद्र महाजन को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे कैलाश गहलोत एवं राजकुमार आनंद को भी विधानसभा का टिकट दिया है। शीला सरकार में मंत्री रहे अरविंदर सिंह लवली, राजकुमार चौहान को मैदान में उतारा है। (सूची पेज-2)

प्रदूषण से जंग

अब देश भर में वाहनों पर लगाना होगा स्टिकर!

नई दिल्ली (भाषा)। सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण से निपटने की दिशा में वाहनों के लिए होलोग्राम आधारित रंग कोड वाले स्टिकर की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से इतर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में भी इसे अनिवार्य बनाने पर विचार कर रहा है।

शीर्ष अदालत ने 2018 में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें परिकल्पना की गई थी कि एनसीआर में पेट्रोल और सीएनजी का इस्तेमाल करने वाले वाहनों में होलोग्राम-आधारित हल्के नीले रंग के स्टिकर, जबकि डीजल से चलने वाले वाहनों में नारंगी रंग के स्टिकर होंगे। ईंधन के आधार पर वाहनों की पहचान करने में मदद करने वाले इन स्टिकर में वाहन के पंजीकरण की तारीख भी शामिल होनी थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, केंद्र ने होलोग्राम आधारित स्टिकर की योजना को कानूनी मान्यता देने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के नियम 50 और उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट आदेश 2001 में संशोधन किया। न्यायमूर्ति एएस ओका और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने शुक्रवार को इस मामले पर सुनवाई की। पीठ ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए कानून लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि रंग-आधारित स्टिकर के निर्देश को लागू करने की जरूरत है।

शीर्ष अदालत ने कहा, वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जीआरएपी लागू होने के समय डीजल वाहनों की पहचान की जा सकती थी। पीठ ने कहा कि वह एनसीआर से बाहर के वाहनों के लिए भी इन स्टिकर के निर्देश का दायरा बढाने पर विचार कर सकती है। शीर्ष अदालत संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी पूर्ण शक्तियों का प्रयोग करके 2018 के निर्देश को अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर भी लागू कर सकती है। पीठ ने केंद्र सहित संबंधित पक्षों से इस मुद्दे पर दलीलें रखने को कहा और मामले की अगली सुनवाई 15 जनवरी को तय की। पिछले साल नवम्बर में, शीर्ष अदालत ने केंद्र, दिल्ली और एनसीआर के अन्य राज्यों से वाहनों में होलोग्राम-आधारित रंग-कोड वाले स्टिकर के उपयोग पर अपने निर्देश पर अनुपालन अद्यतन करने को कहा था।

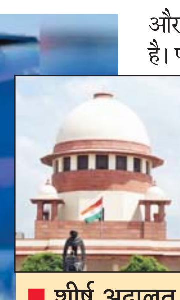

■ शीर्ष अदालत ने 2018 में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के प्रस्ताव को स्वीकार किया

पीठ ने कहा था कि योजना को सख्ती से लागू करने के लिए 13 दिसम्बर 2023 को दिए गए निर्देश का पालन नहीं किया गया। एनसीआर राज्यों में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा शामिल है। मामले में 'न्यायमित्र' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिह ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर चलने वाले 50 प्रतिशत से अधिक वाहनों में रंग-कोड वाले स्टिकर नहीं है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि.
सार्वजनिक सूचना
मजेंटा लाइन
के
जनकपुरी पश्चिम से
कृष्णा पार्क एक्सटेंशन
खण्ड पर
जनसाधारण के लिए यात्री
सेवाओं का परिचालन
5 जनवरी, 2025 (रविवार) को
अपराह्न 3:00 बजे से आरम्भ होगा।
हमें फॉलो करें:- @officialDMRC | www.delhimetrorail.com
DMRC Momentum दिल्ली सारथी 2.0 | DMRC Helpline No.155370
दिल्ली मेट्रो
विज्ञापन सं.: डीएमआरसी/955/2025

हमारे गांव जितने समृद्ध होंगे, विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उनकी भूमिका उतनी बढ़ेगी। इस कड़ी में आज सुबह करीब 11 बजे दिल्ली में ग्रामीण भारत महोत्सव के शुभारंभ का सौभाग्य मिलेगा। यह आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुत उपयोगी होने वाला है। –शिवराजसिंह चौहान@ChouhanShivraj

आज का दिन और पंचांग

पं. कृष्ण गोपाल मिश्र

रविवार, 5 जनवरी, 2025

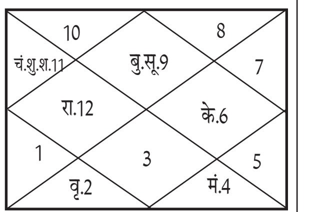

दैनिक सूर्योदय : दिल्ली-प्रातः 07:14, काशी-प्रातः 06:44, कानपुर-प्रातः 06:57, पटना-प्रातः 06:36, देहरादून-प्रातः 07:15, गोरखपुर-प्रातः 06:46, लखनऊ-प्रातः 06:56 बजे। **दैनिक सूर्यास्त :** दिल्ली-सायं 05:38, काशी-सायं 05:22, कानपुर-सायं 05:30, पटना-सायं 05:13, देहरादून-सायं 05:31, गोरखपुर-सायं 05:17, लखनऊ-सायं 05:27 बजे। **दैनिक चंद्रोदय :** दिल्ली-पूर्वा. 11:02, काशी-प्रातः 10:37, कानपुर-प्रातः 10:48, पटना-प्रातः 10:28, देहरादून-प्रातः 10:59, गोरखपुर-प्रातः 10:36, लखनऊ-प्रातः 10.46। **दैनिक चंद्रास्त :** दिल्ली-रात्रि 11:14, काशी-रात्रि 10:50, कानपुर-रात्रि 11:01, पटना-रात्रि 10:41, देहरादून-रात्रि 11:11, गोरखपुर-रात्रि 10:49, लखनऊ-रात्रि 10:59 बजे। राहुकाल 04:30 से 06:00 बजे तक। राष्ट्रीय पौष 15, शक् संवत् 1946। पौष शुक्ल षष्ठी, संवत् 2081, सौर (धनु) पौष मास की 22, प्रविष्टें। रज्जब 04, हिजरी 1446 (मुस्लिम)। हेमन्त ऋतु। पौष शुक्ल पक्ष षष्ठी रात्रि 08:16 बजे तक, तदन्तर सप्तमी तिथि शुरु। पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र रात्रि 08:18 बजे तदन्तर उत्तराभाद्रपद नक्षत्र शुरु। व्यातिपात योग प्रातः 07:32 बजे तक, तदन्तर वरियान योग शुरु होकर अर्द्धरात्रियोत्तर 04:51 बजे तक उदित रहेगा, तत्पश्चात परिघ योग शुरु। सतगुरु श्री गोविन्द सिंह महाराज का प्रकाशोत्सव शुरु।

मेष बीती हुई बातों को भूलने की चेष्ठा करें। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। सोमवार एवं मंगलवार को अवरोधित कार्यों को हल करने में प्रयत्नशील रहेंगे। बुधवार एवं शुक्रवार को भौतिक सुख-साधनों को जुटाने हेतु मन चिंतित होगा। राजकीय कर्मचारियों के लिए व्यस्तता रहेगी। परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन परेशान होगा। आय से ज्यादा व्यय के कारण आर्थिक असन्तुलन बना रहेगा।

वृषभ कुछ नई आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। ईश्वरीय आस्था बढ़ेगी। राजनीतिज्ञों की सक्रियता बढ़ेगी। कार्य क्षमता द्वारा प्रगति होगी। नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता के कारण जरूरी दायित्वों की समय से पूर्ति करें। किसी नई दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों की पूर्ति में व्यय संभव। रविवार एवं मंगलवार को घरेलू वातावरण सुखद होगा। बृहस्पतिवार एवं शनिवार को नौकरी में किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। आवेश में आकर कोई निर्णय न लें।

मिथुन आकस्मिक किसी सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होगा। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। बुधवार एवं शनिवार को किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन चिंतित होगा। कार्यक्षेत्र में विरोधियों की सक्रियता से सावधान रहें। आपका गंभीर स्वभाव रिश्तों में भावनात्मक आदान-प्रदान में कमी लाता है। अतः इसमें सुधार करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्क पुरानी गलतियों को सुधारने का अच्छा मौका है। सोमवार एवं मंगलवार को किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता हेतु परिश्रम तीव्र होगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूल स्थिति से मन प्रसन्न होगा। सामाजिकता के निर्वहन संबंधी व्यस्तता रहेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में आपकी प्रतिभा में निखार आयेगा। बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को प्रयासरत् क्षेत्रों में मनोवान्छित सफलता न मिलने से असंतोष की अनुभूति होगी। राजनीतिज्ञों के लिए थोड़ा उथल पुथल का समय है। घर में खुशहाली रहेगी।

सिंह पुरानी सभी समस्याओं पर विजय प्राप्त होगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक सुदृढ़ता हेतु मन नई योजनाओं पर केंद्रित होगा। मन प्रगतिशील विचारों प्रभावित होगा। रविवार व सोमवार को समुचित परिश्रम के बावजूद भी मनोवांछित परिणाम न मिलने से चिंता होगी। विद्यार्थी शिक्षा-प्रतियोगिता में लापरवाही न बरतें, अन्यथा परिणाम बुरे हो सकते हैं। बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को मन में सुख व उत्साह में वृद्धि होगी। योजनाओं को फलीभूत करने में सक्षम होंगे।

कन्या शिक्षा-प्रतियोगिता में चल रहे प्रयत्न सार्थक होंगे। भौतिक सुख में वृद्धि होगी। रविवार एवं सोमवार को मन अच्छी अभिलाषाओं से प्रभावित रहेगा। राजनीतिज्ञों की सक्रियता बढ़ेगी। शुक्रवार एवं शनिवार को नौकरी में किसी सहकर्मी अथवा अधिकारी के व्यवहार से दिक्कतें संभव। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी होंगी। मौसम के परिवर्तन के अनुकूल अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक सहयोग मिलेगा।

तुला कुछ योजनाबद्ध प्रयासों की सार्थकता से मन प्रसन्न होगा। किसी महत्वपूर्ण धार्मिक कार्य हेतु प्रयत्नशील होंगे। अपने मन को सकारात्मक दिशा दें। अत्याधिक आर्थिक जिम्मेदारियों का मन पर दबाव बनेगा। भविष्य के प्रति आशंकाएं मन पर प्रभावी होंगी। बिपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण कठिनाईयां संभव। अच्छी आकांक्षाओं से मन प्रभावित होगा। बुद्धवार व बृहस्पतिवार को किसी महत्वपूर्ण दायित्व के प्रति सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ति के चिन्तित होगा। क्रियाशीलता व प्रगति के ओर अग्रसर करेगा।

वृश्चिक कुछ नई सफलताएं प्राप्त कर सकेंगे। प्रतिभावान होने के साथ-साथ यदि आप थोड़ा एक्सप्रेसिव बने तो सफलताओं का आसमान छूने लगेंगे। जो बीत गई सो बात गई वर्तमान में जीने का प्रयत्न करें। रोजगार में कोई लाभ के आसार बनेंगे। भावनाओं से परे व्यवहारिक जगत के अनुकूल चले। सब कुछ सामान्यतः ठीक होते हुए भी मन अरुचितकर लगेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मंगलवार एवं बृहस्पतिवार को अध्यात्मिक भावनाएं मन को प्रभावित करेंगी।

धनु इस सप्ताह दूसरों की आलोचना या इधर की बात उधर करने जैसी किसी भूल से आपके आपके छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। मन को किसी रचनात्मक व अच्छे कार्य में लगायें। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आपका मन परेशान हो सकता है। किसी धार्मिक अथवा सामाजिक कार्य से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मन पूर्ण उत्साह के साथ कठिन से कठिन समस्यओ का सामना करने के लिए तत्पर होगा। राजकीय कर्मचारियों के लिए नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर हो सकता है।

मकर आपको प्रगति के नये अवसर भी प्राप्त होंगे। परिवार मे अपनी कद व गरिमा का ख्याल करते हुए यथोचित सभी संबंधों में सौम्यता लायें। कोई महत्वपूर्ण अवरोधित कार्य हल होता नजर आएगा। अपने आप पर भरोसा रखते हुए कार्य क्षेत्र में अपने प्रतिभाओं को प्रदर्शन कर अपनी महत्ता साबित करें। नई स्थितियां आप में नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कुछ विषम परीस्थितियां आपके कार्य क्षेत्र मे बाधक बनेंगी। बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को नकारात्मक चिन्ताओ व आशंकाओं से घिरा मन ईश्वर की शरण में केन्द्रित होगा।

कुंभ इस सप्ताह संघर्ष के साथ-साथ नई सफलताओं के भी आसार है। संघर्ष व साधनाभाव के बीच जीवन की नई चुनौतियां आपके समक्ष है। नैतिक कर्त्तव्यों के प्रति लापरवाही करना ठीक नहीं। सामाजिक संबंधों से अलगाव जैसी स्थिति आप में अवसाद ला सकती है अच्छा होगा कि हर स्थिति में अपनी मिलनसारिता व सामाजिक संबंधों को न प्रभावित होने देवे। आपकी अच्छी भावनाएं मकसद सफलता दिलाएंगी। कार्य क्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे।

मीन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाएं मन पर प्रभावी होंगी परन्तु यह आपके वर्तमान को प्रभावित कर रही है। एक तरफ पारिवारिक वातावरण रह-रहकर छोटे-छोटे कष्टों का अभास होगा परन्तु प्रियजनो के भावनात्म सहयोग से हर परीस्थिति सामना करने में सक्षम होंगे। मित्र के भेष में गुप्त शत्रुओं से सतर्क रहें। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा।

टीवी की फिल्में

डीडी-1
01.00 अप. 'प्यार का सपना'।

बी4यू प्लस
09.30 प्रातः 'राधेश्याम', 03.00 अप. 'ये है जलवा', 08.30 रात्रि 'बाजीगर'।

सोनी पिक्स एचडी
10.35 प्रातः 'सन एंड्रियस', 12.25 अप. 'मोर्टल कॉम्बेट', 02.00 अप. 'आफ्टर अर्थ', 03.35 अप. 'मॉन्स्टर हंटर', 05.15 सायं 'जॉन विक', 07.05 रात्रि 'द मॉस्क', 08.45 रात्रि 'द कराटे किड'।

& फिलिक्स एसडी
09.55 प्रातः 'इनसाइडियस', 12.00 अप. 'लुल्लाबाइ', 01.45 अप. '30 डेज आफ नाइट', 03.50 अप. 'हॉलो मैन', 05.40 सायं 'द लॉज', 07.40 रात्रि 'द पजेशन हन्नाह ग्रेस'।

मुवीज नाउ
09.55 प्रातः 'रॉकी2', 11.50 पूर्वा. 'स्पाइडर मैन', 02.10 अप. 'स्पेक्टरे', 04.30 अप. 'हिटमैन', 06.05 सायं 'द हॉब्बिट', 08.50 रात्रि 'केसिनो रॉयल'।

छोटे पर्दे के कार्यक्रम

डीडी वन
05.30 वंदेमातरम, 06.00 रामचरितमानस, 06.30 सोच बदलो जीवन बदलो, 07.00 योग, 07.30 सफरनामा, 08.00 रंगोली, 09.00 स्वराज, 10.00 कोशिश से कामयाबी तक, 11.00 केटीबी : भारत हैं हम, 11.30 जस्ट जूनियर, 12.00 वाह क्या टेस्ट है, 12.30 चित्राहार, 01.00 हिन्दी फीचर फिल्म, 04.00 वायरस दोस्त, 04.30 गली गली सिम सिम, 05.00 द कवर्ली गोज टू जोधपुर, 05.30 युग, 06.00 सांई बाबा तेरे हजारों हाथ, 07.00 चित्राहार, 07.30 वाह क्या टेस्ट है, 08.00 सीखो, 09.00 स्वराज, 10.00 कोशिश से कामयाबी तक, 11.00 वाह क्या टेस्ट है।

जी टीवी
08.00 मैत्री, 09.00 कुण्हली भाग्य, 10.00 मीत, 10.30 कुमकुम भाग्य, 11.00 कुण्डली भाग्य, 12.00 राधा मोहन, 12.30 कुमकुम भाग्य, 01.00 कुण्डली भाग्य, 01.30 भाग्य लक्ष्मी, 02.00 कुण्डली भाग्य, 03.30 भाग्य लक्ष्मी, 04.00 मीत, 04.30 कुमकुम भाग्य, 05.00 कुण्डली भाग्य, 06.00 राधा मोहन, 07.00 मीत, 07.30 मैं हूं अपराजिता, 08.00 राधा मोहन, 08.30 भाग्य लक्ष्मी, 09.00 कुमकुम भाग्य, 09.30 कुण्डली भाग्य, 10.00 रब से है दुआ, 10.30 मीत, 11.00 भाग्य लक्ष्मी।

सहारा वन
06.00 हिंदी फीचर फिल्म, 09.00 हिंदी फीचर फिल्म, 12.00 हिंदी फीचर फिल्म, 03.00 हिंदी फीचर फिल्म, 06.00 हिंदी फीचर फिल्म, 09.00 हिंदी फीचर फिल्म, 12.00 हिंदी फीचर फिल्म, 03.00 हिंदी फिल्म।

स्टार प्लस
06.30 ये रिश्ता क्या कहलाता हहै। 08.00 तेरी मेरी दूरियां, 09.00 अनुपमा, 10.00 पाण्या स्टोर, 11.00 तेरी मेरी दूरियां, 11.30 अनुपमा, 12.00 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 12.30 दिया और बाती हम, 02.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 05.00 साथ निभाना साथिया, 06.00 प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा, 07.00 तेरी मेरी दूरियां, 7.30 पाण्या स्टोर, 08.00 गुम हैं किसी के प्यार में, 08.30 इमली, 09.00 फालतू, 09.30 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 10.00 अनुपमा, 10.30 ये हैं चाहतें, 11.00 चाशनी।

सप्ताह के व्रत और त्योहार

6 जनवरी-पंचक (पचखा), भद्रा सायं 06:24 बजे से अर्द्धरात्रियोत्तर 05:26 बजे तक, सतगुरु श्री गोविन्द सिंह जयन्ती। **7 जनवरी**-पंचक (पचखा) समाप्त सायं 05:50 बजे, श्री दुर्गाष्टमी व्रत, श्री अन्नपूर्णाष्टमी व्रत, शाकुम्भरी यात्रा, शाकम्भरी देवी नवरात्रारमभ। **9 जनवरी**-भद्रा प्रारम्भ रात्रि 11:21 बजे से, शाम्ब दशमी (उड़ीसा), सूर्य पूजा (उड़ीसा), कल्पादि। **10 जनवरी**-भद्रा समाप्त प्रातः 10:20 बजे, पुत्रदा एकादशी व्रत सबका, श्री हरि जयन्ती, मन्वादि, सूर्य उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में अर्द्धरात्रियोत्तर 02:22 बजे प्रवेश करेगा। **11 जनवरी**-शनि प्रदोष व्रत, त्रयोदशी तिथि क्षय। **12 जनवरी**-भद्रा शुरु अर्द्धरात्रियोत्तर 05:04 बजे से, वक्री मंगल पुनर्वसु नक्षत्र में अर्द्धरात्रियोत्तर 00:04 बजे प्रवेश करेगा।

सूचना

मेरी मुवक्किला सुधा पत्नी लखमीचंद निवासी म.नं.-102, गली नं.-7, महालक्ष्मी विहार, करावलनगर, दिल्ली-110094 ने अपने पुत्र राहुल व पुत्रवधू प्रियंका को उनके दुर्व्यवहार/गलत-आचरण व नशा आदि करने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उसके किसी भी कार्य हेतु मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नहीं होगी। दुलीचंद (एडवोकेट)
डी-2403497

मेरी मुवक्किला रेहाना पत्नी स्वर्गीय इकराम निवासी एक्स्ट्रा-30/304 त्रिलोकपुरी, दिल्ली-110091 एवं सी-597, गली नं. -27, मुल्लाकॉलोनी, घड़ौली एक्सटेंशन, दिल्ली110096 ने अपने पुत्र इकरार व उसकी पत्नी को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उनके किसी भी कार्य हेतु मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नहीं होगी। वी.के.पाल (एडवोकेट)
डी-2403497ए

मेरी मुवक्किला शहनाजबानो पत्नी स्व. रशीद अहमद निवासी सी-4/198-ए चौथी मंजिल, गली नं.-4, ब्रजपुरी, मुस्तफाबाद, दिल्ली ने अपने पुत्र नफीस अहमद व पुत्रवधू शाहाना प्रवीन को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल संपति से बेदखलकर संबंध-विच्छेद कर लिए हैं। उनके किसी भी कृत्य/ लेन-देन हेतु मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नहीं होगी। मनोज कुमार एडवोकेट
डी-2403500

मेरी मुवक्किला भागवती पत्नी मोहन लाल निवासी ए-80, नया नं.-121, भूतल गांव सबोली, दिल्ली-110093 ने अपनी पुत्रवधू रोशनी पत्नी स्वर्गीय उमेश पाल प्रथमतल को उसके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उसके किसी भी कार्य हेतु मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नहीं होगी। दीपक कुमार (एडवोकेट)
डी-2403497सी

मेरे मुवक्किल रामकुमार पुत्र स्व. निहाल सिंह पता-डी-34, गली नं.3, साउथ अनारकली, कृष्णानगर, दिल्ली ने अपने पुत्र निखलेश कुमार पुत्रवधू नेहा को उनके दुरव्यवहार के कारण अपनी चलअचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेदकर लिये है। इनके किसी भी कार्यो के लिए मेरा मुवक्किल जिम्मेदार नही होगा। राजपाल सिंह (एडवोकेट) डी-2403498

सूचना

मेरे मुवकिल राजेश पुत्र श्री अमी चंद निवासी-10/129, त्रिलोकपुरी, दिल्ली-110091 ने अपने पुत्र रितिक को उसके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है। उसके किसी कार्य के लिए मेरे मुवकिल जिम्मेदार नहीं होंगे। (एडवोकेट) दीपक बंसल
डी-2403497बी

अदालती सूचना

In the Court of **Sh. Hem Singh,** LD. DJ-01, East, Karkardooma Courts, Delhi.

PC No. 16/2024

Alka Kumari Gautam D/o Sh. Ram Ashish (Through her Uncle (Mamaji)/ Guardian Prabhakar) R/o Jhuggi No. 6, Block No. 24 Trilok Puri East Delhi-110091 **...Petitioner**

Verses

1. The State (NCT of Delhi) Represented Through The Chief Secretary, Players Building, Delhi Secretariat, (GNCT) of Delhi, Indraprastha Marg, ITO New Delhi-110002
2. Shyama Devi W/o Lt. Phool Chand R/o 24/89, 24 Block, Trilokpuri, Delhi-110091
3. Sunil Kumar S/o Lt. Phool Chand R/o 24/89, 24 Block, Trilokpuri, Delhi-110091
4. Manoj Kumar S/o Lt. Phool Chand R/o 24/89, 24 Block, Trilokpuri, Delhi-110091
5. Vipeen Kumar S/o Lt. Phool Chand R/o 24/89, 24 Block, Trilokpuri, Delhi-110091
6. Pinki D/o Lt. Phool Chand R/o 24/89, 24 Block, Trilokpuri, Delhi- 110091
7. Param Sheela Lt. Phool Chand R/O 24/89, 24 Block, Trilokpuri, Delhi-110091 **...Respondents**

Petition For Probate of Will of Lt. Sh Phool Chand Expired on **Dt. 23/09/2023** in the favour of Alka Kumari Gautam (Adopted Daughter Through Will) Under Section 276 of India Succession Act, 1925

Whereas an Petition under section 276 of the Indian Succession Act, 1925 for grant of Letter of Administration/Probate of **WILL.**

Whereas in the above noted petition the applicant/petitioner has applied for Letter of administration/ probate of Will under section 276 of the Indian Succession Act 1925, in respect of Property Situated At 24/89, Block 24 Trilokpuri Delhi-110091 (Which has already sold to Smt. Urmila in 2017) and all movable and immovable property in the village of the above said deceased Phool Chand & His pension and other benefits which his successor will get from his job.

Whereas the 08/01/2025 at 10'0 clock in the forenoon has been fixed for hearing of the case, notice is hereby given that person having any interest in the administration of the concerned may if he/she desire appear in this Court of the said **08/01/2025** and see the proceedings.

Given under my hand the seal of this court on this 09/10/2024.

District Judge-01 East, KKD, Delhi.
D-2403336

वर्गीकृत विज्ञापन

सूचना

Public Notice

Mai shilpi sharma W/o Parnav sharma mera address : B-2/37A yamuna vihar north east delhi 110053 hai meri ek property maujpur m hai jiska address khasra no.507/177 shop No.385 main road maujpur delhi 110053 hai actually maujpur ki property wale paper missing ho gye hai. Jiski complaint maine online bhi kar di hai jiska LR No . 2460702/ 2025 hai agr is property k paper kisi ko bhi milte hai kirpa karke 8800171821 is par sampark kare. D-

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलान श्री देव प्रकाश पुत्र श्री देव करन व उसकी पत्नि श्रीमती मिथलेश, निवासीगण सी-1/298, नन्द नगरी, दिल्ली-110093 ने अपने छोटे पुत्र वरून के द्वारा कोई काम धन्धा ना करने गुम सुम रहने पूछने पर सन्तोष जनक जबाव ना देने बल्कि अपमान जनक शब्दों का प्रयोग करने, तथा बिना बताये घर से गायब हो जाने, यानि पूर्णतया नियंत्रण से बाहर हो जाने के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है व उससे अपने सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिये है, आज के बाद उसके द्वारा किये जाने वाले सभी कानूनी गैर कानूनी कार्यो लेन देन आदि का वह स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरे मुवक्किलान का उससे व उसके किसी कार्य से कोई ताल्लुक वास्ता नहीं होगा। **पुनीत शर्मा** (अधिवक्ता) चैम्बर नं. 16, डीडीए मार्केट, नन्द नगरी, दिल्ली-93 डी-2403499

अदालती सूचना

समन
न्यायालय श्रीमान सिविल जज सी.डि. फिरोजाबाद।
प्रकीर्ण वाद संख्या 214 सन : 2024

1. रजनीश कुमार एड. पुत्र श्री जवाहर सिंह, 2. रघुराज सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, 3. शैलेन्द्र कुमार पुत्र श्री रनवीर सिंह, 4. हर्षवर्धन पुत्र जगदेव सिंह, 5. पप्पू पुत्र श्री वीरेन्द्र सिंह, 6. सत्यनरायन पुत्र श्री रामप्रसाद, समस्त निवासीगण ग्राम-भाडरी तहसील सिरसागंज जिला फिरोजाबाद।
...सायलान/मुद्दैयान

बनाम

1. जनरल मैनेजर भारतीय रेलवे नई दिल्ली, 2. आई.डब्ल्यू रेलवे (इण्डियन वर्क्स) महेश कुमार सचिव रेलवे क्वाटर्स रेलवे कॉलोनी रेलवे स्टेशन शिकोहाबाद, 3. जूनियर इन्जीनियरिंग सचिवसिंह रेलवे क्वाटर्स रेलवे कॉलोनी रेलवे स्टेशन शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद, 4. हिमाशू शेखर ए.डी.ई.एच. रेलवे क्वाटर्स रेलवे कॉलोनी रेलवे स्टेशन जिला फिरोजाबाद, 5. रामनिवास मीना इण्डियन वर्क्स रेलवे क्वाटर्स रेलवे कॉलोनी रेलवे स्टेशन जिला फिरोजाबाद, 6. ठेकेदार दीपक कुमार निवासी तहसील व जिला हाथरस।
...विपक्षीगण

वाजै हो कि आम हरगाह को मुत्तला किया जाता है कि मुद्दा रजनीश कुमार आदि ने माननीय अदालत मे एक दरख्वास्त मुद्दलयहम के खिलाफ वास्ते इजायत दावा दायर करने आम रास्ता वाके रेलवे लाइन के सहारे ग्राम भांडरी तहसील सिरसागंज जिला फिरोजाबाद की बाबत गुजारनी हो अगर कोई शख्स दाना हाजा में फरीक कायम होना चाहता है तो वह शख्स खुद एका मार्फत अपने वकील फरीक कायमी की दरख्वास्त मुवर्खा **24.01.2025** तक मुआजजिज अदालत मे गुजार सकता है।

आम मुवर्खा 4 माह 1 सन 2025 अदालत की मुहर से जारी किया गया।

आज्ञा से
(बैंक) **मुंसरिम सिविल जज सी.डि. फिरोजाबाद।**

समन
न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय महोदय फिरोजाबाद।
गार्डियन एक्ट संख्या : 139 सन : 2023

1. श्रीमती शारदा देवी पत्नी स्व. श्री कोमल सिंह। 2. सतेन्द्र कुमार पुत्र कोमल सिंह ग्राम-अलहदादपुर थाना मटसैना तहसील व जिला फिरोजाबाद।
...प्रार्थिया/याचिया

बनाम

श्रीमती विरमा देवी पत्नी जगदीश निवासी चुरैला थाना बरनाहल जिला मैनपुरी। **...विपक्षिया**

याचिका अन्तर्गत धारा-7,8,25 संरक्षक एंव प्रतिपाल्य अधिनियम सपठित धारा 6 हिन्दू अप्राप्तवयता एवं सरंक्षकता अधिनियम 1956 :-

उक्त वादिनी ने आपके विरूद्ध वाद दायर किया है अतः आपकी चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हेतुक दर्शित करने के लिए **तारीख 09.01.2025 से 10 बजे** पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगे तो उस आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा। और यह उपधारित किया जायेगा कि आपकी वाद के लिए संरक्षक होने की सहमति है। यह आज **तारीख 01.01.2025** को मेर हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।

आज्ञा से मुंसरिम
प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय फिरोजाबाद।
(बैंक)

राष्ट्रीय सहारा

वर्गीकृत विज्ञापन बुकिंग केंद्र

दिल्ली

- **साईं एडवरटाइजिंग**
  ई-6, नियर गुरुद्वारा प्रताप नगर, दिल्ली। मो.नं. : 9811117748
- **वरुण एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  ए-6, मैन कान्ति नगर, आजाद नगर चौक, कृष्णानगर, दिल्ली। मो.नं. : 9818027231
- **ओसियन कम्युनिकेशन**
  341/3ए, शालीमार पार्क, एक्सटेंशन, शाहदरा, दिल्ली। मो.नं. : 9871007194
- **तहसीन एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  वी-52, स्ट्रीट नं.- 27, विजय पार्क, दिल्ली-110053, मो.नं. : 9899289136
- **कर्मा एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  यू.जी.-14, शिवलोक हाउस, द्वितीय, कॉमर्सियल कॉम्प्लेक्स, करमपुरा, नई दिल्ली। फोन नं. : 011-41427751
- **इकबाल एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  सी-656, द्वितीय तल, जहांगीरपुरी, नई दिल्ली। फोन नं. : 9811913196
- **आयुषी एडवरटाइजिंग एजेंसी**
  515, डी.डी.ए. जनता फ्लैट्स, पॉकेट-सी, ग्रुप-1, हस्तसाल, विकासपुरी, नई दिल्ली, मो.नं. : 9810701389
- **मां पीताम्बरा एडवरटाइजिंग**
  आई-1/ 21ए, बुद्ध विहार, फेस-1, दिल्ली- 110086, मो.नं. : 9911112238
- **एड मास्टर एडवरटाइजर**
  2778, पीपल महादेव, हौज काजी, दिल्ली- 110006 फोन नं. : 011-23280716, मो.नं. : 9810716157
- **टू प्रोग्रेस मीडिया एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  196, गली नं.- 6, मंडोली एक्सटेंशन, बैंक कालोनी रोड, नई दिल्ली-110093, मो.नं. : 9871414767
- **अंश एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  सी-3, गुरुद्वारा रोड, विकास नगर एक्सटेंशन, मैन संटे बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली। मो.नं. : 9953240249
- **त्रिमूर्ति एडवरटाइजिंग**
  जी-39, विशाल टॉवर, डिस्ट्रिक सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली। फोन नं. : 011-25530307

नोएडा

- **जय लक्ष्मी एडवरटाइजर**
  प्रथम तल कार्यालय, 55, कौशिक बिल्डिंग, मेट्रो पिलर नं. 223, मैन रोड होशियारपुर, निकट सी.टी. प्राइड बैंकट, सेक्टर-51, नोएडा मो.नं. : 9873807457/9810707457
- **यूनिक एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग ग्रुप**
  टी-12, तृतीय तल, मास्टर कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-5, नोएडा, मो.नं. : 8826977227
- **गो एड स्पोट**
  शॉप नं.-1, फर्स्ट फ्लोर, शर्मा मार्किट अपोजिट ई.एस.आई. हास्पिटल, सेक्टर-22, नोएडा मो.- 7011822319

गाजियाबाद

- **तिरुपति बालाजी एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग**
  प्लॉट नं. 516, , सेक्टर-12, फ्रेंड्स कॉपरेटिव सोसाइटी, नजदीक गेट नं. 2, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.) 201012, मो.नं. : 9818373200, 9871895198, 8130640000
- **अवन्तिका कम्युनिकेशन**
  24, सूरज मार्केट, ओम नगर, मोहन नगर, गाजियाबाद। मो.नं. : 9313368021/01204100324
- **आशा एडवरटाइजमेंट**
  गली नं. 4, हाउस नं. 72, शंकर विहार, अपोजिट रिलायंस पेट्रोल पम्प के सामने, गाजियाबाद। मो.नं. : 9971480036
- **राकेश कुमार एडवरटाइजिंग**
  शान्ति एन्क्लेव नियर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल अपोजिट सर्वानन्द बिल्डिंग मेटेरियल, टिब्रा रोड, मोदी नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) मो.नं. 07599052228, 09650288737

फरीदाबाद

- **सारांश एड एण्ड मार्केटिंग**
  56 प्रथम तल नीलम फ्लाईओवर मार्केटिंग एनआईटी फरीदाबाद। मो.नं. : 9811502088, 9818078183

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

अजमेर : सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजी गई चादर चढ़ाने के दौरान दरगाह के खादिम और दरगाह कमेटी के लोगों के साथ केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने प्रधानमंत्री की ओर से अजमेर दरगाह में चादर चढ़ाई

- दरगाह का वेब पोर्टल, तीर्थयात्रियों के लिए 'गरीब नवाज' ऐप लांच किया
- मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया

जयपुर (एसएनबी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को अजमेर दरगाह पर जारी उर्स के दौरान सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की मजार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजी गई चादर चढ़ाई। दरगाह पर उन्होंने प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ा, जिसमें सभी धर्मो के लोगों से सद्भावना के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया गया है।

मंत्री ने दरगाह का वेब पोर्टल, तीर्थयात्रियों के लिए 'गरीब नवाज' ऐप और 'उर्स' के संचालन के लिए एक संचालन मैनुअल भी लॉन्च किया। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को गरीब नवाज के नाम से भी जाना जाता है। रिजिजू ने चादर पेश करने के बाद कहा, आज मै प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चादर लेकर दरगाह आया हूं। मुझे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह आने का सौभाग्य मिला है। मैने शांति के लिए कामना की।' उन्होंने कहा, अजमेर दरगाह का संदेश पूरी दुनिया को जाता है। प्रधानमंत्री की भेजी चादर पेश करने के साथ ही मैने उनका संदेश भी पढ़ा।' प्रधानमंत्री हर साल दरगाह पर चादर भेजते रहे है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि हर संप्रदाय और हर धर्म के लोगों को एक साथ आकर देश, समाज व विश्व शांति के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यहां लाखों लोग आते है और उन्हें शांतिपूर्वक दुआ मांगने का मौका मिलना चाहिए, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को। उन्होंने कहा, 'इसके लिए एक व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए एक मैनुअल जारी किया गया है और मै इस व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अपने मंत्रालय की ओर से हर संभव मदद उपलब्ध कराने का प्रयास करूंगा।'

उन्होंने कहा, 'यहां आएं और महसूस करें कि दरगाह का हमारे जीवन पर कितना प्रभाव है।' इस अवसर पर दरगाह समिति के प्रतिनिधि, खादिम और अन्य हितधारक उपस्थित थे। मंत्री के दौरे के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। रिजिजू ने हवाई अड्डे पर कहा, 'उर्स के इस पावन अवसर पर हम चाहते है कि देश में अच्छा माहौल बने। किसी को भी ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे हमारे देश का सौहार्द प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि चाहे हिदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो, पारसी हो, बौद्ध हो या जैन हो, दरगाह में सभी का स्वागत होता है।

उन्होंने कहा, 'मै यहां किसी को कुछ दिखाने या बताने नहीं आया हूं, मै देश के लिए (प्रधानमंत्री) का संदेश लेकर आया हूं कि हमारे देश के सभी लोग अच्छे से रहें।' पिछले वर्ष नवंबर में अजमेर की एक अदालत ने एक याचिका स्वीकार की थी जिसमें दावा किया गया था कि दरगाह शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई है। अदालत ने अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को नोटिस जारी किए थे।

मुंह में संविधान और बगल में मनुस्मृति लेकर नहीं घूम सकती भाजपा : कांग्रेस

- कहा, गृहमंत्री द्वारा डा. अंबेडकर का अपमान किया जाना देश की 90 प्रतिशत आबादी के अधिकारों पर चोट है

नई दिल्ली (एसएनबी)। कांग्रेस ने शनिवार को भाजपा पर दलितों तथा आदिवासियों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया और कहा कि सत्तारुढ़ दल 'मुंह में संविधान और बगल में मनुस्मृति' लेकर नहीं घूम सकता। पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने कांग्रेस के 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' अभियान का पैम्फलेट जारी करते हुए दावा किया कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया जाना देश की 90 प्रतिशत आबादी के अधिकारों पर चोट है। उन्होंने कहा, आज हम 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' अभियान का पैम्फलेट जारी कर रहे है, ताकि ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ तथ्यात्मक तरीके से यह बताया जा सके कि कैसे देश की 90 प्रतिशत आबादी के खिलाफ भाजपा साजिश रच रही है। खेड़ा ने आरोप लगाया, बाबासाहेब अंबेडकर जी का अपमान या उनके खिलाफ साजिश इस देश के 90 प्रतिशत लोगों के अधिकारों का हनन है, उस पर चोट है।

गत 26 दिसम्बर को कर्नाटक के बेलगावी में हुई कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पार्टी ने तय किया कि पूरे देश में 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का समापन इस महीने 26 जनवरी को मध्य प्रदेश के महू में एक जनसभा के साथ होगा। महू बाबासाहेब की जन्मस्थली है। खेड़ा ने कहा, गत 17 दिसम्बर को संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने बाबासाहेब अंबेडकर जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हमें उम्मीद थी कि गृह मंत्री माफी मांगेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने गृहमंत्री का साथ दिया और अंबेडकर जी के अपमान में साझेदार बने। उन्होंने दावा किया, आरएसएस ने 30 नवम्बर 1949 को अपने मुखपत्र ऑर्गनाइजर में संविधान को 'अभारतीय' बताया था। जब अंबेडकर जी महिलाओं के समान अधिकार की बात करते थे, तो रामलीला मैदान में आरएसएस ने उनका पुतला जलाया था। आज न सिर्फ बाबासाहेब, बल्कि गांधी जी की विरासत पर भी हमला बोला जा रहा है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जिन महात्मा गांधी को पूरी दुनिया आदर्श मानती है, उनकी स्मृति को देश का सत्तारूढ दल ही धीरे-धीरे हटाने की साजिश रच रहा है। खेड़ा ने कहा, इसलिए कांग्रेस पार्टी बाबा साहेब अंबेडकर जी और महात्मा गांधी जी की विरासत को संजोकर आगे बढ रही है। उन्होंने कहा, यह देश संविधान से चलेगा।

हमारी सरकार ने पीथमपुर घटना के बारे में संज्ञान लिया है। हमारी सरकार जनकल्याणकारी, जनहितैषी तथा जन भावनाओं का आदर करती है।
—— डॉ. मोहन यादव, सीएम, मप्र

मुझ पर पाटी के शीर्ष नेतृत्व ने जो विश्वास जताया है मैं इसका आभारी हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपके सभी सपनों को पूरा करूंगा।
—— प्रवेश वर्मा, पूर्व भाजपा सांसद

दिल्ली के विकास की जगह केजरीवाल ने बनाया 'शीश महल' : अमित शाह

कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास 'सुषमा भवन' के उद्घाटन के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। *फोटो : एसएनबी*

सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के तौर पर अपने लगभग 10 साल के कार्यकाल में राजधानी की आधारभूत संचरनाओं को सुधारने के बजाय खुद के लिए शीश महल बनवाया। शाह ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक को इसका हिसाब देना होगा। शाह ने नई दिल्ली नगरपालिक परिषद द्वारा स्थापित कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास 'सुषमा भवन' के उद्घाटन के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने केजरीवाल (मुख्यमंत्री के तौर पर) के आधिकारिक आवास में इस्तेमाल की गई कई महंगी चीजों के नाम गिनवाए और कहा कि उन्होंने तो इनमें से कई चीजों के नाम तक नहीं सुने है।

शाह ने कहा कि जब केजरीवाल राजनीति में आए तो उन्होंने कसम खाई थी कि सरकारी कार या बंगला नहीं लेंगे और कहा था कि एक नए प्रकार की राजनीति का आगाज करेंगे। उन्होंने कहा लेकिन 'आप' नेता का एक, दो, तीन या चार बंगलों से मन नहीं भरा और दिल्लीवासियों के 45 करोड़ रुपए के खर्च से 50 हजार वर्ग गज जमीन पर 'शीश महल' बनवाया। भाजपा केजरीवाल पर निशाना साधने के लिए 'शीश महल' का मुद्दा उठा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्लीवासियों को पानी की आपूर्ति करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं बनाई लेकिन केजरीवाल के चार सदस्यीय परिवार के लिए 15 करोड़ का पानी संयंत्र लगाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब केजरीवाल मुख्यमंत्री आवास में रहते थे तब डिजाइनर मार्बल पर छह करोड़ रुपए, आधुनिक पर्दो पर छह करोड़, स्वचालित दरवाजों पर 70 लाख, कालीनों पर 50 लाख और स्मार्ट टीवी पर 64 लाख रुपए खर्च किए गए।

- गृह मंत्री ने कहा 50 हजार वर्ग गज पर 45 करोड़ का आलीशान मकान बनवाया
- नगर निगम द्वारा कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का उद्घाटन किया
- आप सरकार ने दिल्लीवासियों को पानी की आपूर्ति करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं बनाई

शाह ने केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सुझाव दिया था कि उन्हें दिल्ली के लोगों को 'शीश महल' के दर्शन कराने चाहिए ताकि वे देख सकें कि उनके मुख्यमंत्री किस तरह के घर में रहते है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने घोटालों के अलावा कुछ नहीं किया, चाहे शराब नीति घोटाला हो, मोहल्ला क्लीनिक घोटाला हो, सीसीटीवी कैमरे और बस खरीद में घोटाला हो। शाह ने दिवंगत भाजपा नेता सुषमा स्वराज की विरासत का भी जिक्र किया और उन्हें 'तेजतर्रार विपक्षी नेता' बताया और विभिन्न प्रमुख मंत्रालयों में उनकी सेवा के लिए उन्हें याद किया।

शाह ने इस बात पर जोर दिया कि विदेश और स्वास्थ्य मंत्रालयों में स्वराज के योगदान को भारत के संसदीय इतिहास में याद किया जाएगा, वहीं केजरीवाल की विरासत भ्रष्टाचार और स्वार्थ से कलंकित रहेगी। शाह ने कहा कि दिल्ली के लोग समझदार हैं और वे धोखा नहीं खाएंगे। केजरीवाल को उनके कामों के लिए करारा जवाब देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा राष्ट्रीय राजधानी में 'ईमानदार और जवाबदेह' सरकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही यहां की सत्ता पर काबिज होने की कोशिशें तेज होने की उम्मीद है। भाजपा और 'आप' दोनों ही अपने प्रचार अभियान में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव फरवरी में प्रस्तावित है।

रिठाला-कुंडली तक के नए कॉरिडोर की आज रखी जाएगी आधारशिला : आतिशी

- दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान को जोड़ने वाली आरआरटीएस परियोजना का होगा उद्घाटन
- मैजेंटा लाइन के जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क तक के विस्तारित खंड की होगी शुरुआत

नई दिल्ली (एसएनबी)। मुख्यमंत्री आतिशी ने घोषणा की है कि रिठाला से कुंडली तक दिल्ली मेट्रो के नए कॉरिडोर की रविवार को आधारशिला रखी जाएगी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान को जोड़ने वाली 'रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' (आरआरटीएस) परियोजना का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो की मैजेंटा लाइन के जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क तक के विस्तारित खंड की भी शुरुआत होगी।

संवाददाताओं को संबोधित कर मुख्यमंत्री आतिशी ने बताया कि दिल्ली सरकार ने आरआरटीएस परियोजना के लिए 1260 करोड़ रुपए दिए हैं। 'रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' परियोजना को केन्द्र के साथ-साथ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान सरकार संयुक्त रूप से वित्त पोषित कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेट्रो का रिठाला से कुंडली तक नया कॉरिडोर और आरआरटीएस परियोजना अंतरराज्यीय संपर्क को मजबूत करने और परिवहन की चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि मैजेंटा लाइन के विस्तार से पश्चिमी दिल्ली जाने में और आसानी होगी। यात्रा का समय कम होगा व आवागमन अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। आरआरटीएस परियोजना के तहत इसको वित्त पोषित करने वाले राज्यों के प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ा जाएगा। इस योजना के तहत तीन कॉरिडोर दिल्ली-अलवर कॉरिडोर, दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर और दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर को स्थापित करने की प्राथमिकता दी गई है।

दिल्ली वक्फ बोर्ड के सीईओ की नियुक्ति को एलजी की मंजूरी

नई दिल्ली (एसएनबी)। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अजीमुल हक की दिल्ली वक्फ बोर्ड के सीईओ के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी राजनिवास के अधिकारियों ने दी है। राजनिवास के अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल ने कानूनी प्रावधानों का पालन किए बिना इस मुद्दे से लापरवाह तरीके से निपटने के लिए आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना की है। उपराज्यपाल ने बयान में कहा कि दिल्ली वक्फ बोर्ड में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पद 28 नवम्बर, 2024 से रिक्त पड़ा है। हालांकि 'आप' सरकार ने एक महीने के बाद सीईओ का अतिरिक्त प्रभार एक अधिकारी को देने का प्रस्ताव भेजा। सरकार की इस उदासीनता के कारण बोर्ड के दैनिक कार्य जैसे इमामों और अन्य पदाधिकारियों को वेतन जारी करना रुक गया। उपराज्यपाल ने कहा कि सीईओ की अनुपस्थिति में वेतन न मिलने से इमाम/मुतवल्ली जैसे गरीब लोगों को होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए मैं इस प्रस्ताव को मंजूरी दे रहा हूं।

श्रमिकों, झुग्गी बस्ती समेत जरूरतमंदों को मिलेगा डीडीए की सस्ता घर योजना का लाभ

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की सस्ता घर योजना के तहत तैयार फ्लैट जरूरतमंदों को दिए जाएंगे। इसके लिए डीडीए शिविर आयोजित करेगा। उपराज्यपाल सचिवालय ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा कि डीडीए के शिविरों के आयोजन में सहयोग करें और 15 दिन में लाभ उठाने वालों की सूची उपराज्यपाल सचिवालय को मुहैया कराएं। दरअसल बीते सप्ताह ही इस योजना को उपराज्यपाल ने मंजूरी दी है। योजना के तहत खरीदारों को 25 फीसद छूट दी है।

- आवेदन के लिए शिविर आयोजित करेगा प्रशासन

उपराज्यपाल सचिवालय के अधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिव के निर्देश पर प्रशासन ऐसे लोगों के लिए शिविर लगाएगा,जो बेहद गरीब और बेघर हैं। इसमें प्रमुख रूप से कंस्ट्रक्शन क्षेत्र के मजदूरों, स्ट्रीट वेंडर्स, ऑटो/टैक्सी, महिलाओं, वीर नारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी, दिव्यांग जन, वीरता पुरस्कार एवं अर्जुन पुरस्कार विजेताओं को लाभ दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली भवन एवं अन्य सन्निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड, डीएमआरसी, एनसीआरटीसी, सीपीडब्ल्यूडी, एनएचएआई के निर्माण स्थलों पर कार्य कर रहे श्रमिकों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही कामगार, श्रमिक, झुग्गी बस्ती के लाभ उठा सकेंगे। दिल्ली अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभार्थियों को वित्तीय सहायता मुहैया कराएगा। डीडीए सुनिश्चित करेगा कि शिविरों में विभाग के नोडल अधिकारी उपस्थित रहें, जिससे आवेदकों को किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के तौर पर अपने लगभग 10 साल के कार्यकाल में राजधानी की आधारभूत संचरनाओं को सुधारने के बजाय खुद के लिए 'शीश महल' बनवाया। ——— अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

संक्षिप्त खबरें

जीएलडी ने मनाया वार्षिक उत्सव

नई दिल्ली। जीएलडी इंस्टीट्यूट ने अपना वार्षिक उत्सव का आयोजन बदरपुर इलाके के हरी नगर में किया गया। कार्यक्रम में नृत्य, गीत, स्टैंडअप कॉमेडी आदि विविध कार्यक्रम के साथ बच्चों ने प्रस्तुति दी। पुरस्कार वितरण समारोह भी किया गया। इसमें विकास मीणा इस वर्ष मिस्टर जीएलडी बने। इस मौके पर मुख्य अतिथि के जैतपुर के एसएचओ सुनील यादव तथा विशिष्ट अतिथि नारायणदत्त शर्मा, केके शुक्ल, मिथलेश सिंह, रविकांत लोहिया, सुभाष भाटी, डॉ. पुष्पेन्द्र राठौर, उमेश श्रीवास्तव आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के आयोजक अभय श्रीवास्तव प्रबंधक जीएलडी. इंस्टीट्यूट और अर्चना चंदन कुमार भाजपा महिला मोर्चा ने कार्यक्रम में मौजूद सभी का अभिनंदन किया।

शहीदों के सम्मान में पुलिस का कार्यक्रम

नई दिल्ली। कर्तव्य के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने के लिए दिल्ली पुलिस ने शनिवार को राष्ट्रीय पुलिस स्मारक चाणक्यपुरी में बैड डिस्प्ले, परेड और रिट्रीट समारोह आयोजित किया। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि दिल्ली पुलिस इस महीने के सभी सप्ताहांतों पर साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के रूप में एक समारोह आयोजित करेगी। इसके तहत सभी सीएपीएफ और दिल्ली पुलिस को सप्ताहांत के शाम के घंटों में समारोह आयोजित करने के लिए एक-एक महीने का समय आवंटित किया गया है। आज के कार्यक्रम के प्रतिभागियों में दिल्ली पुलिसकर्मियों के परिवार और स्मारक पर आने वाले आगंतुक शामिल थे।

उपराष्ट्रपति ने 50वां मोबाइल मेडिकल क्लीनिक किया लांच

नई दिल्ली (एसएनबी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने डीएम हेल्थकेयर का ग्लोबल सीएसआर संगठन ने लोगों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं देने के लिए दो संवर्धित मोबाइल मेडिकल क्लीनिक और टेली मेडिसिन सेवाओं को लांच किया। इसके साथ ही आस्टर वालंटियर्स के मोबाइल क्लिनिक्स की कुल संख्या दिल्ली समेत अब देशभर में 50 हो गई।

धनखड़ ने कहा कि इस पहल से आम हो या खास सभी को घर पर ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सहजता से मिलेंगी। आस्टर डीएम हेल्थकेयर की प्रबंध निदेशक अलीशा मूपेन, कंपनी के कॉरपोरेट गवर्नेंस टीजे विल्सन भी मौजूद थे। नई मोबाइल यूनिट्स अशोक लेलैंड सात मीटर लंबी चेसिस पर बनाई गई है। जो संवर्धित टेलीमेडिसिन सेवाओं और मरीजों के बैठने की जगह जैसी जरूरी सुविधाओं से युक्त हैं। महत्वपुर्ण सुविधाएं जो स्वास्थ्य सेवा पहुंच को काफी बढ़ाती है, उनमें रोगी प्रतीक्षा क्षेत्र और पंजीकरण डेस्क, महत्वपूर्ण डेटा संग्रह डेस्क, रेफ्रिजरेटेड स्टोरेज के साथ बेसिक मिनी लैब, सुरक्षित दवा भंडारण और वितरण सुविधा से लैस है।

बौद्ध विहार, वाल्मीकि मंदिर, कबीर मठ व चर्च पर केजरीवाल मेहरबान नहीं

■ कांग्रेस नेता उदित ने पूछा, मंदिर के पुजारियों की तरह उन्हें मानदेय क्यों नहीं

नई दिल्ली (एसएनबी)। कांग्रेस नेता डॉ. उदित राज ने शनिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों के लिए वेतनमान की घोषणा कर दी है। केजरीवाल ने बौद्ध विहार, वाल्मीकि मंदिर, रविदास मंदिर, कबीर मठ और चर्च के भिक्षुओं और पुजारियों के लिए क्यों नहीं? धार्मिक स्थल तोड़ने पर विवाद में मुख्यमंत्री आतिशी ने बौद्ध विहार के टूटने का मुद्दा उछाला, लेकिन भिक्षुओं के वेतन की घोषणा नहीं की। ये डॉ अंबेडकर का फोटो टांगकर दलितों का वोट लेने में आगे है, लेकिन देना कुछ नहीं है। राजधानी में लगभग 314 बौद्ध विहार हैं। लगभग 150 वाल्मीकि मंदिर हैं और रविदास मंदिर, कबीर मठ और चर्च के भी पुजारी हैं। इनके लिए क्यों नहीं मानदेय की घोषणा हुई?

संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. उदित राज ने कहा कि अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति नई बोतल में पुरानी शराब जैसी घोषणा है। अरविंद केजरीवाल ने 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले दलित छात्रों के लिए इसी तरह की उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति की घोषणा की थी, लेकिन केवल कुछ ही छात्र इसका लाभ उठा पाए। अब इसे एक नए नाम के साथ फिर से शुरू किया है। उन्हें यह बताना चाहिए कि 2020 की योजना के तहत अब तक केवल 25 लाख की छात्रवृत्ति क्यों वितरित की गई है, जबकि सरकार ने 2020-21 में इसके प्रचार पर लगभग पांच करोड़ रुपए खर्च किए हैं। डॉ. अंबेडकर का चित्र लगाकर वोट की ठगी कब तक चलेगी?

डॉ. उदित राज ने कहा कि क्या वजह है कि दलित समाज के तीन मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ा या उन्हें भाग जाने के लिए मजबूर किया। अरविंद केजरीवाल की दलित और आरक्षण विरोधी सोच कोई नई नहीं है। 2 अगस्त, 2008 को जेएनयू के ताप्ती छात्रावास में यूथ फॉर इक्विलिटी फोरम के मंच से आरक्षण के विरोध में बोला था। इन्होंने यूथ फॉर इक्विलिटी का नेतृत्व करके आरक्षण की खिलाफत की थी। संवाददाता सम्मेलन में भंते विनयशील महथेरो अध्यक्ष, दिल्ली प्रदेश भिक्षु महासंघ, रंजीत सिंह महासचिव, भारतीय बौद्ध महासभा, डोमा परिसंघ के राष्ट्रीय महासचिव, शाहिद अली, राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर सतीश सांसी व किरणजीत सिंह गेरी चेयरमैन, नेशनल दलित महापंचायत भी मौजूद थे।

झुग्गीवासियों को मिले फ्लैट अत्याधुनिक तकनीक से लैस

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अशोक विहार के जेलर बाग में बने 1678 शानदार फ्लैट जहां झुग्गीवासियों को दिये हैं वह अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। इन मकानों को बनाने वाले लायंस डा. रामगोपाल गोयल ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने बताया कि यह मकान 16 मंजिला बनाए गए है। इन फ्लैटों में 15 लिफ्ट, फायर फाइटिंग सिस्टम और आलर्म सिस्टम, चार कम्युनिटी हाल, चाइल्ड केयर सेंटर, हेल्थ सेंटर, आंगनवाड़ी, बैडमिंटन कोर्टयार्ड, 5 हजार वर्ग फीट का विशाल लॉन एवं चारों तरफ हरियाली है। इन फ्लैटों में एक बेडरूम, लिविंग रूम, बॉलकनी अटैच किचन बाथरूम एवं टायलेट बनाए गए है साथ ही व्यवस्थित तरीके से लाईट एवं सुंदर टाइलों का प्रयोग किया गया है इन सभी इमारतों में आरसीसी मटेरियल का प्रयोग किया है।

वादाखिलाफी के विरुद्ध महिलाओं का केजरीवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

पंजाब की महिलाओं के एक समूह ने आज आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी राज्य में महिलाओं को एक हजार रुपए की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के अपने वादे को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रही है। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना था कि अरविंद केजरीवाल ने तीन साल पहले हमसे किए गए वादे क्यीं नहीं पूरे किए। वह उन्हें कब पूरा करेंगे? हमने तीन वर्ष पहले 1000 रुपए के लिए फॉर्म भरा था। तीन

■ कहा, केजरीवाल ने पंजाब की महिलाओं को एक हजार रुपए देने का वादा पूरा नहीं किया

वर्ष से अधिक समय हो गया है, लेकिन हमें अब तक कोई पैसा नहीं मिला है।

प्रदर्शनकारियों में शामिल कांग्रेस विधायक अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की महिलाओं को एक हजार रुपए देने का वादा किया था लेकिन आज तक उन्हें कुछ नहीं मिला। अब वह दिल्ली की महिलाओं को 2100 रुपए देने का वादा कर रहे हैं। वडिंग ने कहा कि हम इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से दिल्ली की महिलाओं को बताना चाहते हैं कि ये सिर्फ खोखले

वादे हैं, जो कभी पूरे नहीं होते। कांग्रेस नेता आलोक शर्मा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की महिलाओं से जो वादे किए थे, वे अधूरे रह गए। हम यह सुनिश्चित करने के लिए पंजाब से आए हैं कि दिल्ली की महिलाओं के साथ ऐसा न हो।

महिला प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम यहां अपना हक मांगने आए हैं। हम पंजाब में 'आप' के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए झूठे वादों के लिए न्याय चाहते हैं। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तख्तियां थीं। इन पर लिखा था 'साड्डा हक, एत्थे रख' और 'क्या हुआ तेरा वादा, केजरीवाल क्या है तेरा इरादा।' विदित हो कि अरविंद केजरीवाल ने 12 दिसम्बर को 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' शुरू करने की घोषणा की थी। इस योजना का उद्देश्य दिल्ली की महिलाओं को 1000 रुपए की मासिक सहायता प्रदान करना है। उन्होंने वादा किया था कि चुनाव के बाद यह राशि बढ़ाकर 2100 रुपए कर दी जाएगी।

सुविधा : सफदरजंग अस्पताल में स्ट्रोक यूनिट जिंदगी से जूझ रहे मरीजों का बचेगा जीवन!

■ ज्ञानप्रकाश
नई दिल्ली। एसएनबी

देशभर में केंद्र सरकार के विस्तरों और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और बिस्तरों के मामले में सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार सफदरजंग अस्पताल में मस्तिष्काघात (ब्रेन स्ट्रोक) के मरीजों को अंतरराष्ट्रीय स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मयस्सर होंगी। न्यूरो इमरजेंसी यूनिट में आठ बेड वाली स्ट्रोक यूनिट मरीजों के लिए खोला गया है। यहां एक्यूटर स्ट्रोक के मरीजों को वर्ल्ड क्लास इलाज की सुविधा प्रदान की जाएंगी जो मरीजों के जीवन बचाने में महती भूमिका अदा करेगी।

पेशेंट केयर, बचेगी मरीजों की जान : सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डा. वंदना तलवार ने बताया कि इस यूनिट के खुलने से पेशेंट केयर में बड़ा बदलाव आने वाला है। यहां हेल्थकेयर एडवांसमेंट की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह मरीजों के लिए स्पेशलाइज्ड फेसिलिटी है जिसका स्ट्रोक के इलाज और रिकवरी पर बड़ा असर देखने को मिलेगा। इस यूनिट में छह बेड वाली हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) और न्यूरोलॉजी आईसीयू में दो स्ट्रोक बेड शामिल है।

मृत्युदर संभावना कम करेगी : न्यूरोलॉजी यूनिट के प्रमुख डा. बीके बजाज ने कहा कि स्ट्रोक ऐसी बीमारी है जिसकी मृत्यु दर काफी ज्यादा है। इसके अलावा अगर इस बीमारी का मरीज बच भी जाता है तो स्ट्रोक संबंधी मोरबिडिटी भी रहती है। यह समर्पित स्ट्रोक यूनिट एडवांस क्वालिटी की स्ट्रोक देखभाल प्रदान करेगी। इस यूनिट का खास

■ अस्पताल वही, लेकिन दिमागीघात यूनिट में मरीजों को मिलेगी वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य सुविधाएं

उद्देश्य है कि मरीजों में संक्रमण की दर को कम से कम किया जाए। जिससे मृत्यदर में भी कमी आएगी।

स्पेशल टीम : इस यूनिट में मल्टीपैरामीटर मॉनीटर के अलावा एक स्पेशल टीम हमेशा रहेगी जिसमें न्यूरोलॉजिस्ट, डेडिकेटेड स्ट्रोक नर्सिंग अधिकारी और पुनर्वास कर्मी शामिल होंगे। यह टीम न केवल इस यूनिट में बल्कि इमरजेंसी में मरीज के आते ही एक्टिव हो जाएगी और उसकी पूरी रिकवरी तक काम करेगी। न्यूरोलॉजी के सीएमओ और एसोसिएट प्रोफेसर डा. शिशिर चंदन के अनुसार इस यूनिट में एक्यूट स्ट्रोक के मरीजों को थ्रोम्बोलिसिस की सुविधा दी जाएगी, जो स्ट्रोक के इलाज में अभी तक की सबसे एडवांस प्रक्रिया है। बता दें कि सफदरजंग अस्पताल में शुरू की गई यह सुविधा देश के चुनिंदा सरकारी और निजी अस्पतालों में ही मिलती है।

जानें यह भी : इंटरवेंशनल कार्डियालॉजिस्ट डा. विवेका कुमार के अनुसार स्ट्रोक एक ऐसी शब्दावली है जिसका इस्तेमाल हम मस्तिष्क में संवहनी आघात के लिए करते है, जिसका मतलब है कि मस्तिष्क की धमनियां अवरुद्ध हो जाती है। ये धमनियां मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्ट्रोक दो तरह के होते है। इस्केमिक स्ट्रोक तब होता है जब रक्त का थक्का या थ्रोम्बस धमनी को ब्लॉक कर देता है। रक्तसावी स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क के अंदर रक्त वाहिका से अनियंत्रित रूप से खून बहने लगता है। इस तरह का स्ट्रोक ज्यादातर सिर में चोट लगने, हाई बीपी, नशीली दवाओं के सेवन या ब्रेन ट्यूमर के कारण होता है।

हंसराज कॉलेज के उत्थान में प्रो. रमा का योगदान अमिट : जिंदल

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज के 75 वर्षों के इतिहास में पहली महिला प्राचार्य प्रो. रमा के जीवन के 60 वर्ष पूर्ण होने पर हंसराज कॉलेज की विभिन्न समितियों द्वारा पुस्तक लोकार्पण, कवि सम्मेलन एवं राम की शक्ति पूजा नाटक के मंचन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कॉलेज के पूर्व छात्र नवीन जिंदल कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ ओज कवि हरिओम पंवार अडाणी समूह के सलाहकार और वरिष्ठ आईएएस आईसीपी केसरी , एपीएन न्यूज की निदेशक राजश्री राय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर प्रो. रमा की जीवन यात्रा को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन जिंदल ने कहा की प्रो. रमा की जीवन यात्रा अनुकरणीय है और हंसराज कॉलेज के उत्थान में उनका नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। सिनेमा पर केंद्रित उनकी दोनों पुस्तकों सिनेमा और राष्ट्रवाद तथा सिनेमा और साहित्य पर बोलते हुए उन्होंने कहा दोनों पुस्तकें गहरे शोध और अध्ययन का परिणाम है । वरिष्ठ ओज कवि हरिओम पंवार ने कहा की प्रो. रमा साहित्य संस्कृति और भारतीय मूल्यों की प्रतिनिध हस्ताक्षर है।

कॉलेज के पूर्व छात्र वरिष्ठ आईएएस एवं अडाणी समूह के सलाहकार आईसीपी केसरी ने कहा कि प्रो. रमा सिर्फ कुशल प्रशासक अपितु एक लोकप्रिय शिक्षिका है। सिनेमा पर उनकी पैनी नजर एक गंभीर अध्येता की भांति है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रभांशु ओझा व समन्वय डॉ. विकास सिंह ने किया। प्रिंस मलिक एवं विभिन्न समिति के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

एमसीडी की हेरिटेज से हुमायूं के मकबरे पर किया हेरिटेज वॉक

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

दिल्ली नगर निगम की हेरिटेज वॉक सीरीज के तहत एमसीडी के हेरिटेज सेल ने शनिवार को ऐतिहासिक हुमायूं के मकबरे पर हेरिटेज वॉक का आयोजन किया, जिसमें 40 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रमुख आकर्षण दारा शिकोह की कब्र की खोज की कहानी रही। इस दौरान एमसीडी के अपर आयुक्त अमित कुमार शर्मा समेत निगम के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। एमसीडी ने पिछले महीने हेरिटेज वॉक सीरीज की शुरुआत की थी। इसके तहत फिरोज शाह कोटला में सफरनामा मीनार-ए-जरीन और टॉउन हॉल, चांदनी चौक हेरिटेज वॉक का सफलतापूर्वक आयोजन किया था। यह दिल्ली की सांकृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए एमसीडी के प्रयासों का हिस्सा है। इस तरह के आयोजनों के जरिए हेरिटेज सेल का उद्देश्य शहर के ऐतिहासिक स्थलों और स्मारकों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ाना है।

सफाईकर्मियों को डीडीए की योजना का लाभ लेने को प्रेरित कर रहा निगम

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त (डेम्स) जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में शनिवार को निगम मुख्यालय में सफाई कर्मचारियों की यूनियन के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान सफाई कर्मचारियों की यूनियनों के पदाधिकारियों को दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जारी योजना में एससी/एसटी वर्ग को विशेष छूट पर फ्लैट के संबंध में अवगत कराया गया ताकि निगम के सफ़ाई कर्मचारी इस योजना का लाभ उठा सकें।

■ निगम मुख्यालय में सफाई कर्मचारियों की यूनियन के साथ हुई बैठक, क्षेत्रीय कैंपों का आयोजन करने का निर्देश दिया

अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के निर्देशानुसार डीडीए द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए विशेष छूट पर फ्लैटों के आवंटन के लिए एक योजना जारी की गई है। इसके अंतर्गत दिल्ली नगर निगम स्ट्रीट वेंडर्स, एससी/एसटी वर्ग और दिव्यांगजनों को डीडीए की जारी इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर रही है। इस संबंध में एमसीडी ने अपने सभी क्षेत्रीय उपायुक्तों को योजना के संबंध में लाभार्थियों को अवगत करवाने के लिए क्षेत्रीय कैंपों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं ताकि लाभार्थी इन कैंपों के माध्यम से लाभ उठा सकें। साथ ही निगम अपने सभी सफाई कर्मचारियों को भी डीडीए की इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

प्रो. मीना चिरांदा को मिलेगा सावित्रीबाई फुले अवार्ड

नई दिल्ली (एसएनबी)। अंतरराष्ट्रीय माता सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान जनवरी के अंतिम सप्ताह में शिक्षा की क्रांति की ज्योति जलाने वाली भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की 194वीं जयंती पर शिक्षा, साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता एवं समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य और उल्लेखनीय योगदान देने वाली 25 विशिष्ट विभूतियों को माता सावित्रीबाई फुले अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित करेगा।

यह जानकारी शनिवार को संस्थान के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन और महासचिव प्रो. केपी सिंह ने दी है । उन्होंने बताया है कि इस सम्मान के लिए ज्यूरी बोर्ड बनाया गया है। प्रोफेसर पीडी सहारे को ज्यूरी बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. हंसराज ने बताया है कि संस्थान की ओर से 25 महिलाओं व पुरुषों को सम्मानित किया जाएगा। इस बार यह अवार्ड कालिंदी कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर मीना चिरांदा को दिया जाएगा। प्रोफेसर मीना चिरांदा ने बालिकाओं की शिक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सम्मान स्वरूप उन्हें प्रशस्ति पत्र, शाल, स्मृति चिह्न और 11 हजार रुपये की धनराशि भेंट की जाएगी। इसके अतिरिक्त सामाजिक कार्यकर्ता एवं महिला अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करने वाली विशिष्ट महिलाओं व पुरुषों को भी सम्मानित किया जाएगा।

मांग : दिल्ली विश्वविद्यालय के पैनल में हों देशभर के हॉस्पिटल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली।

■ डीयू के शिक्षक शोधार्थी समन्वय समिति की मांग

दिल्ली विश्वविद्यालय में लगभग हजारों की संख्या में शिक्षक और कर्मचारी हैं जो नौकरी तो दिल्ली में करते हैं पर उनके माता-पिता या आश्रित दिल्ली में उनके साथ नहीं रहते है। दिल्ली विश्वविद्यालय में पिछले दिनों हेल्थ सेंटर की सुविधा से भी दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक कर्मचारी को महरूम कर दिया गया। ऐसे में जरूरी है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के आश्रितों उनके माता-पिता के लिए देश भर के अस्पतालों को दिल्ली विश्वविद्यालय के पैनल से जोड़ा जाए।

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक शोधार्थी समन्वय समिति के संयोजक अनिरुद्ध सुधांशु ने कहा कि मांग इतनी बड़ी नहीं है कि इसे माना नहीं जाए। दिल्ली के बहुत से बड़े अस्पताल अभी भी पैनल पर है जिनकी शाखाएं अन्य राज्यों में भी हैं। ऐसे में इनको पैनल में रख लिया जाए। जहां नहीं वहां के कुछ सुविधा संपन्न और अच्छे अस्पताल को भी जोड़ लिया जाए।दिल्ली विश्वविद्यालय के बहुत से शिक्षक इस बात से इत्तेफाक रखते है कि ऐसा होना चाहिए। शिक्षकों का मानना है कि इस तरह की सुविधा होनी चाहिए। हर व्यक्ति न तो जल्दी से दिल्ली पहुंच सकता है न ही उसे इलाज मुहैया हो पाती है। ऐसे में उनके घर जिले या राज्य में अस्पताल होगा तो उनके आश्रित तुरंत ही अपना इलाज करा सकेंगे।

कॉलेज का नाम वीर सावरकर के नाम पर रखने का फैसला सराहनीय : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एसएनबी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के नए कॉलेज का नाम भाजपा के विचारक वीर सावरकर के नाम पर रखने के फैसले के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति की सराहना की। उन्होंने इस फैसले का विरोध करने वालों पर 'औपनिवेशिक मानसिकता' रखने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज की आधारशिला रखी थी।

प्रधान ने कहा कि सावरकर एक महान राष्ट्रवादी थे लेकिन औपनिवेशिक मानसिकता वाले समाज के एक वर्ग को डीयू कॉलेज का नाम उनके नाम पर रखे जाने पर आपत्ति है। मै डीयू के कुलपति को सावरकर के नाम पर नया कॉलेज समर्पित करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। शिक्षा मंत्री यहां दिल्ली विश्वविद्यालय में 'सशक्त बेटी और ई-दृष्टि' नाम के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों को सशक्त बनाना है। इस पहल के तहत प्रधान ने

■ डीयू के इतिहास में पहली बार हुआ 'समर्पण' समारोह

■ डीयू फाउंडेशन के 'समर्पण समारोह' में शिक्षा मंत्री ने बांटे लैपटॉप और टैब

विश्वविद्यालय में अनाथ छात्राओं, माता-पिता की अकेली बेटियों और दृष्टिबाधित छात्राओं को लैपटॉप एवं टैबलेट वितरित किए। कार्यक्रम में एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन द्वारा दान की गई एक उन्नत जीवनरक्षक एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई गई और एक पुस्तक 'कॉमेमोरेटिव वॉल्यूम ऑफ डोनर क्रॉनिकल 2024' का विमोचन भी किया। यह पुस्तक विश्वविद्यालय में दानदाताओं के योगदान पर प्रकाश डालती है। सांसद मनोज तिवारी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की।

प्रधान बोले, अगले एक दो वर्षों में डीयू फाउंडेशन के कॉर्पस में 100 करोड़ रुपए आने चाहिए। वह स्वयं भी इसके लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, भारत सरकार शिक्षा पर खर्च बढ़ा रही है और आने वाले दिनों में इसे और भी बढ़ाया जाएगा। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने अध्यक्षयीय संबोधन में कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने का साधन शिक्षा है। कुलपति ने डीयू फाउंडेशन में दान देने वाले सभी दानियों का धन्यवाद भी किया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, डीयू फाउंडेशन के सीईओ प्रो. अनिल कुमार समेत विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, विभिन्न संस्थानों के प्रमुख, विभिन्न संकायों के डीन, अनेकों शिक्षक और परियोजना के लाभार्थी उपस्थित रहे। प्रधान द्वारा डीयू में अनावरण की गई सुसज्जित एम्बुलेंस एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन द्वारा दान की गई है।

मुंडका-कराला मार्ग पर जानलेवा साबित हो रहे गड्ढे

■ तेजपाल शर्मा
नई दिल्ली। एसएनबी

दिल्ली सरकार चुनावों से पहले नई-नई घोषणाएं कर रही है। फ्री की रेवड़ियां बांटने की बात कर रही है, लेकिन राजधानी के अधूरे विकास कार्य के बारे में किसी को सुध नहीं है। राजधानी को विश्वस्तरीय शहर बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि सड़कें बनाई जा रही हैं, लेकिन इन सभी दावों की पोल बाहरी दिल्ली मुंडका-कराला

■ गड्ढे के कारण बाइक सवार गिरा नाले में, आई गंभीर चोटें

■ खराब सड़क की वजह से डीटीसी की बस भी हुई बंद

मार्ग पर मदनपुर और रानीखेड़ा गांव के बीच की मुख्य सड़क खोल रही है। हालत यह है कि यहां पिछले दिनों हुई बारिश पानी एवं दूसरा गंदा पानी कई दिनों से सड़क पर भरा हुआ है। बाहरी दिल्ली के नागरिकों का कहना है कि एक बाइक सवार इस सड़क से गुजरते समय गड्ढे के कारण बाइक सहित

नाले में गिर गया था। गनीमत यह रही कि आसपास के लोगों ने समय रहते उसे नाले से निकाल लिया, नहीं तो उसकी जान भी जा सकती थी। हालांकि उसको नाले में गिरने से उसे गंभीर चोटें आई हैं। गड्ढों के कारण आए दिन यहां दुर्घटनाएं होती रहती हैं। दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन के अंतर्गत यह सड़क वार्ड संख्या 33 रानीखेड़ा में आती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की अनदेखी कर रही है।

चौगामा विकास समिति के महासचिव विजेंद्र सिंह डबास ने बताया कि दर्जनों पत्र इस सड़क की बाबत दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन उपायुक्त, जिलाधीश उत्तर पश्चिम जिला, एसडीएम रोहिणी, उपराज्यपाल, दिल्ली के मुख्य सचिव को भेजे गए हैं, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री और स्थानीय जनप्रतिनिधि को भी शिकायत की गई, लेकिन उन्होंने भी कोई रुचि नहीं दिखाई। यही वजह है कि सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। जलभराव के कारण आए दिन यहां दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

मदनपुर डबास से उदयवीर सिंह का आरोप है कि खराब सड़क के कारण पिछले चार माह से दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने अपनी बसें भी बंद कर रखी हैं। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में इससे खराब सड़क कोई नहीं है। सात किलोमीटर लंबाई की इस सड़क की मरम्मत पिछले आठ वर्षों से नहीं हुई है। रिकॉर्ड में पैच वर्क कर दिया जाता है, लेकिन साइट पर कुछ नहीं होता।

रानीखेड़ा से रिंकू का आरोप है कि अधिकारी ऑफिस समय में भी जागरूक लोगों के फोन तक नहीं उठाते। इतना ही नहीं जो पत्राचार किया जाता है, उसका जवाब तक नहीं दिया जाता। इससे यह साबित होता है कि दिल्ली नगर निगम व दिल्ली सरकार की अफसरशाही पूर्णतया निरंकुश हो गई है। रसूलपुर से राजेन्द्र प्रसाद का आरोप है कि इस सड़क को बनाने के लिए अरसे से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन न तो दिल्ली सरकार और न ही जनप्रतिधि के कानों पर जू रेंगती है। इसको लेकर स्थानीय निवासियों में भारी रोष है। चौगामा विकास समिति ने कहा है कि अगर एक पखवाड़े में इस सड़क को सुधारा नहीं गया तो समिति मुंडका अंडरपास पर एक दिन का सांकेतिक धरना देने को विवश होगी। उन्होंने सिविक सेंटर पर जाकर प्रदर्शन करने की भी बात कही है।

भारतीय रेलवे ने कटरा-बनिहाल रेलवे लाइन पर हाई-स्पीड ट्रेन का सफल ट्रायल किया। यह ट्रेन दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल और भारत के पहले केबल-स्टेड रेलवे पुल पर दौड़ी।

—— ओशन जैन @ocjain4

संक्षिप्त खबरें

भारत एआई में अग्रणी बनने को प्रतिबद्ध : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उद्यमी एवं इन्फोसिस के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विशाल सिक्का से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह वास्तव में एक ज्ञानवर्धक बातचीत थी। भारत नवाचार और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एआई में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री सिक्का के पोस्ट का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने एआई, भारत पर इसके प्रभाव और आने वाले समय के लिए कई अनिवार्यताओं पर मोदी के साथ अपनी विस्तृत और व्यापक चर्चा पर प्रकाश डाला। सिक्का ने कहा, ''मै बैठक से प्रेरित और विनम्र होकर लौटा, क्योंकि उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी का हम सब पर क्या प्रभाव पड़ता है, तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ इसका उपयोग किस प्रकार सभी का उत्थान कर सकता है।

'एसयूवी' झोपड़ी में घुसी, दो लोगों की मौत

बैतूल। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में तेज रफ्तार 'एसयूवी' कार सड़क किनारे बनी झोपड़ी में जा घुसी। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि घटना में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार रात जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर गोंदू मड़ई गांव में हुई। चिचोली थाना प्रभारी हरिओम पटेल ने बताया कि 'एसयूवी' कार चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कार एक झोपड़ी में जा घुसी। उन्होंने बताया कि 'एसयूवी' कार चालक माखन सिह (26) और झोपड़ी में रहने वाले दयाराम परते (45) की मौके पर ही मौत हो गई। पटेल ने बताया कि तीन अन्य लोग घायल हुए, जिनका उपचार अस्पताल में किया जा रहा है।

तेलंगाना : फैक्टरी में विस्फोट, एक की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के यदाद्रि-भुवनगिरि जिले में शनिवार को एक फैक्टरी में विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया, घायल व्यक्ति का अस्पताल में इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह विस्फोट विस्फोटक सामग्री बनाने वाले कारखाने में हुआ। पुलिस ने फैक्टरी के अधिकारियों के हवाले से बताया, विस्फोट के समय घटनास्थल पर चार लोग मौजूद थे। पुलिस ने बताया, विस्फोट स्थल पर तत्काल पहुंचना संभव नहीं था, क्योंकि वहां अत्यधिक विस्फोटक प्रकृति का मैग्नीशियम पदार्थ था। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि गहन जांच की जाएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

बीजापुर : पत्रकार हत्या मामले में 3 लोग हिरासत में

■ पत्रकारों ने हत्या के विरोध में एक दिन के बंद का आह्वान किया

बीजापुर (भाषा)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक पत्रकार की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीजापुर शहर में एक स्थानीय ठेकेदार के परिसर में बने सेप्टिक टैंक में शुक्रवार को 33 वर्षीय मुकेश चंद्राकर का शव बरामद किया गया था। मुकेश एक जनवरी की रात से लापता थे। जिले के पत्रकारों ने हत्या के विरोध में शनिवार को बीजापुर में एक दिन के बंद का आह्वान किया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया, हत्या के मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है तथा उनसे पूछताछ जारी है। हालांकि, पुलिस ने उनके नामों का खुलासा नहीं किया और कहा कि इस संबंध में अधिक जानकारी बाद में दी जाएगी। मुकेश चंद्राकर एनडीटीवी सहित कई समाचार चैनलों के लिए स्वतंत्र पत्रकार के रूप में काम करते थे तथा एक यूट्यूब चैनल 'बस्तर जंक्शन' भी चलाते थे जिस पर लगभग 1.59 लाख सब्सक्राइबर हैं। मुकेश ने अप्रैल 2021 में बीजापुर के टेकलगुडा नक्सली हमले के बाद माओवादियों की कैद से कोबरा कमांडो राकेश्वर सिह मन्हास को रिहा कराने में अहम भूमिका निभाई थी। इस घटना में 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे।

सेप्टिक टैंक से पत्रकार का शव बरामद : पुलिस अधिकारियों ने बताया, चंद्राकर एक जनवरी की रात लापता हो गए थे और उनके बड़े भाई युकेश चंद्राकर ने अगले दिन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मुकेश के मोबाइल नंबर के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि मुकेश चंद्राकर ठेकेदार के परिसर में मौजूद थे। पुलिस ने शुक्रवार को चट्टानपारा बस्ती में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के परिसर में सेप्टिक टैंक से मुकेश चंद्राकर का शव बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार पुलिस को संदेह है कि यह हत्या जिले में सड़क निर्माण कार्य में 'अनियमितताओं' की एक हालिया खबर से जुड़ी है जिसे मुकेश ने कवर किया था और सुरेश चंद्राकर उसी निर्माण कार्य में शामिल बताया जाता है। जिले के पत्रकारों ने हत्या के विरोध में शनिवार को शहर बंद का आह्वान किया है और शहर के अस्पताल चौक पर सांकेतिक चक्का जाम किया।

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग : पत्रकारों ने बताया, मुकेश की हत्या के बाद क्षेत्र के मीडिया वर्ग और जनता में गुस्सा है तथा वे दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मुकेश की हत्या की जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार रात राजधानी रायपुर के जयस्तंभ चौक पर पत्रकारों ने कैंडल मार्च निकाला और घटना पर दुख जताया। पत्रकारों ने राज्य सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कर्नाटक : भाजपा का कांग्रेस पर गोशाला योजना बंद करने का आरोप

बेंगलुरू (भाषा)। कर्नाटक में विपक्षी दल भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर राज्य में गायों की रक्षा के उद्देश्य से शुरू की गई 'गोशाला' योजना पर कथित रूप से रोक लगाने का आरोप लगाया है। पूर्व की भाजपा सरकार के दौरान शुरू की गई इस योजना के तहत राज्यभर में 35 गोशालाओं को मंजूरी दी गई थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार इस पहल को खत्म कर रही है।

भाजपा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गाय की रक्षा करना इस भूमि की संस्कृति की रक्षा करने जैसा है। कांग्रेस सरकार ने भाजपा द्वारा शुरू की गई उस योजना को नकार दिया है जिसमें सभी जिलों में एक गौशाला खोलने का प्रावधान था। मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कांग्रेस ने दावा किया कि पर्याप्त गायों की कमी के कारण गोशालाएं बंद की जा रही है। भाजपा ने कहा, गोशालाओं में गायों का न होना तो बस एक बहाना है।

भगोड़ा घोषित होने पर पेश नहीं होना 'अलग अपराध'

नई दिल्ली (भाषा)। सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि किसी मामले में भगोड़ा घोषित किए जाने के बाद भी पेश नहीं होना 'अलग अपराध' है और भगोड़ा घोषित के निर्देश को रद्द किये जाने के बाद भी इस अपराध की सुनवाई जारी रह सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जून 2023 के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर दो जनवरी को अपना फैसला सुनाया।

पीठ ने कानूनी प्रश्नों पर विचार किया, जिसमें यह भी शामिल था कि क्या सीआरपीसी के प्रावधानों के तहत किसी अभियुक्त को अपराधी घोषित करने का दर्जा तब भी बना रह सकता है, जब उसे उसी अपराध के संबंध में मुकदमे के दौरान बरी कर दिया जाता है। जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने कहा, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे है कि आईपीसी की धारा 174ए एक अलग, मूल अपराध है, जो सीआरपीसी की धारा 82 के तहत भगोड़ा घोषित किये जाने का आदेश वापस लिए जाने के बाद भी जारी रह सकता है।

एसपी कार्यालय पर हमले के बाद मणिपुर में भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात

■ सैबोल गांव से केंद्रीय बलों को हटाए जाने की मांग कर रहे थे ग्रामीण

■ मांगे न मानने पर ग्रामीणों ने एसपी कार्यालय पर कर दिया हमला

इंफाल (भाषा)। मणिपुर के कांगपोकपी में भीड़ द्वारा एसपी के कार्यालय पर शुक्रवार शाम हमला किए जाने के मद्देनजर जिले में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सैबोल गांव से केंद्रीय बलों को कथित रूप से नहीं हटाये जाने को लेकर भीड़ ने हमला किया जिसमें पुलिस अधीक्षक घायल हो गए। हमलावरों ने गांव में केंद्रीय बलों, खासकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की लगातार तैनाती पर शुक्रवार को अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए कार्यालय पर पथराव किया और अन्य चीजें भी फेंकीं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय के परिसर में रखे जिला पुलिस के वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक एम प्रभाकर के माथे पर कोई वस्तु लगी, जिससे वह घायल हो गए।

इंफाल में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इलाके में सुरक्षा बलों की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई है। उन्होंने कहा, ''स्थिति अब नियंत्रण में है और इस पर कड़ी नजर रखी जा रही है।'' पुलिस ने एक बयान में कहा कि प्रदर्शनकारियों ने पथराव करने के अलावा एसपी कार्यालय पर पेट्रोल बम से भी हमला किया। बयान में कहा गया, ''सुरक्षा बलों ने भीड़ पर जवाबी कार्रवाई की और उसे तितर-बितर करने के लिए आवश्यक बल प्रयोग किया जिसके बाद स्थिति नियंत्रण में लाई गई। इसमें बताया गया कि पुलिस अधीक्षक ''अब ठीक है और स्थिति से निपटने में संयुक्त सुरक्षा बलों का नेतृत्व कर रहे है। अधिकारियों ने बताया कि झड़पों के दौरान घायल हुए कुछ प्रदर्शनकारियों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुकी संगठन सैबोल गांव में 31 दिसंबर को सुरक्षा बलों द्वारा महिलाओं पर कथित रूप से लाठीचार्ज किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को जिले के लोइबोल खुनोउ इलाके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस ने बताया कि 7.62 मिमी स्नाइपर राइफल, लंबी दूरी की क्षमता वाला मोर्टार (जिसे स्थानीय रूप से पंपी कहा जाता है), मैगजीन के साथ नौ मिमी की तीन पिस्तौल, 12 बोर की बंदूक, एक एसबीबीएल बंदूक, 10 गोला-बारूद, तीन हथगोले, तीन पिकेट ग्रेनेड, आंसू गैस के दो ग्रेनेड और एक वायरलेस सेट बदामद किया गया। मई 2023 से मेइती और कुकी समुदायों के बीच जारी जातीय हिंसा की घटनाओं में 250 से अधिक लोग मारे गए है और हजारों लोग बेघर हुए है।

मंत्री प्रियंक खरगे के खिलाफ भाजपा ने किया प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

■ बीदर में सिविल ठेकेदार की हत्या का भाजपा कर रही विरोध

■ प्रदर्शनकारियों के लिए खरगे ने नारियल पानी और जूस की व्यवस्था की

कलबुर्गी (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बीदर के एक सिविल ठेकेदार की आत्महत्या के मामले में शनिवार को मंत्री प्रियंक खरगे के इस्तीफे की मांग को लेकर यहां विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालवडी नारायणस्वामी ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कड़ी सुरक्षा के बीच भाजपा नेता बड़ी संख्या में जगत सर्किल पर एकत्र हुए और हाथों में तख्तियां लेकर मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा द्वारा प्रियंक खरगे के आवास को घेरने की योजना के चलते, मंत्री ने एक अनोखे तरीके से उनका मुकाबला करने का फैसला किया। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एहतियात के तौर पर आवास के बाहर पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था।

खरगे के एक समर्थक ने बताया, ''हमने प्रदर्शन के कारण थकने वाले भाजपा नेताओं के लिए नारियल, कॉफी, चाय, बोतलबंद पेयजल की व्यवस्था की है। प्रियंक ने विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए संवाददाताओं से कहा कि न तो वह और न ही सरकार विपक्ष की मांग और दबाव की रणनीति के आगे झुकेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ कई मामले है, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामला भी शामिल है। येदियुरप्पा भाजपा के प्रदेश प्रमुख बी वाई विजयेंद्र और शिवमोग्गा के सांसद बी वाई राघवेंद्र के पिता है। कर्नाटक में सत्तारूढ कांग्रेस पर दबाव बढाते हुए भाजपा ने ठेकेदार की आत्महत्या की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने और खरगे के इस्तीफे की मांग दोहराई है।

सिविल ठेकेदार सचिन पंचाल ने 26 दिसंबर को बीदर जिले में चलती ट्रेन के आगे लेटकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पंचाल ने सुसाइड नोट में प्रियंक खरगे के करीबी राजू कपनूर पर आरोप लगाया कि उन्होंने उन्हें यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर किया। ठेकेदार ने आरोप लगाया कि उन्हें कपनूर को एक करोड़ रुपये देने के लिए जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं, जिन्होंने आरोपों को अस्वीकार कर दिया।

बीड में सरपंच की हत्या : दो फरार आरोपी पुणे से गिरफ्तार

■ गिरफ्तार आरोपरियों को सीआईडी को सौंपा गया

■ संतोष देशमुख हत्या के मामले में अब तक 6 लोग गिरफ्तार

मुंबई (भाषा)। पुलिस ने बीड के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में शामिल दो फरार आरोपियों को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सुदर्शन चंद्रभान घुले (26) और सुधीर सांगले (23) को गिरफ्तार कर उन्हें आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने पहले बताया था कि दोनों को धुले से गिरफ्तार किया गया है लेकिन बाद में बीड पुलिस ने स्पष्ट किया कि गिरफ्तारियां पुणे में की गईं। इसके साथ ही पुलिस ने हत्या में शामिल सात लोगों में से छह को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने पहले जयराम माणिक चांगे (21), महेश सखाराम केदार (21), प्रतीक घुले (24) और विष्णु चाटे (45) को गिरफ्तार किया था जबकि एक अन्य आरोपी अब भी फरार है। बीड जिले में केज तहसील स्थित मसाजोग गांव के सरपंच देशमुख को अगवा कर लिया गया था और नौ दिसंबर को उनकी हत्या कर दी गई थी। एक पवन चक्की कंपनी से कुछ लोगों द्वारा जबरन वसूली किए जाने का विरोध करने को लेकर देशमुख की हत्या की गई। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड को जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार किया गया है। फरार तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए कई पुलिस दलों को तैनात किया गया था। उन्हें पकड़ने के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया था। अधिकारी ने बताया कि जांच दल ने फरार लोगों का पता लगाने के लिए तीन लोगों से पूछताछ की, मुखबिरों की मदद ली और प्रौद्योगिकी मदद से दोनों आरोपियों को पकड़ा।

इस बीच, मारे गए सरपंच के भाई धनंजय देशमुख ने शनिवार को कहा कि मामले की जांच पारदर्शी होनी चाहिए और आरोपियों की मदद करने वाले लोगों के भी नाम उजागर किए जाने चाहिए। धनंजय देशमुख ने पत्रकारों से कहा, ''एक आरोपी अब भी फरार है, ऐसे कई लोग है जिन्होंने हत्या से पहले और बाद में इन लोगों की मदद की है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि यह एक संगठित अपराध है। इस मामले में आखिरी आरोपी के पकड़े जाने के बाद सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। मामले में शामिल लोगों की संख्या भी बढ जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपियों को पुणे से पकड़ा गया था। उन्होंने सवाल किया कि उनकी मदद कौन कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अभी तक सभी (आरोपी) पुणे में पकड़े गए है। इसका मतलब है कि वे सभी एक ही जगह पर थे।

परमाणु कार्यक्रम के वास्तुकार राजगोपाल चिदंबरम का 88 वर्ष की उम्र में निधन

■ परमाणु उर्जा के क्षेत्र में चिदंबरम ने बहुमूल्य योगदान दिया था

■ पीएम सहित परमाणु उर्जा विभाग ने चिदंबरम के निधन को अपूर्णनीय क्षति बताया

नई दिल्ली (एसएनबी)। देश में 1974 और 1998 के परमाणु परीक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतिष्ठित वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम का शुक्रवार देर रात निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के एक अधिकारी ने बताया कि परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़े रहे चिदंबरम ने मुंबई के जसलोक अस्पताल में देर रात तीन बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह चिदंबरम के निधन से बहुत दुखी है। मोदी ने कहा, ''वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक एवं सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें पूरा देश कृतज्ञता के साथ याद करेगा और उनके प्रयास भावी पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। डीएई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''हम अत्यंत दुख के साथ सूचित करते है कि प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शुक्रवार देर रात (चार जनवरी 2025) तीन

बजकर 20 मिनट पर निधन हो गया। भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं में डॉ. चिदंबरम के अद्वितीय योगदान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनके दूरदर्शी नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा।''

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिह ने चिदंबरम के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''आज सुबह प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाल चिदंबरम के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ, जिन्होंने भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग का नेतृत्व किया और सामरिक हथियारों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिंह ने कहा, ''भारत द्वारा किए गए दो परमाणु परीक्षणों में डॉ. चिदंबरम की भूमिका यादगार थी। उन्हें 17 साल तक भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार रहने का गौरव भी प्राप्त है। वर्ष 1936 में जन्मे चिदंबरम चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बेंगलुरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व छात्र थे। चिदंबरम ने भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (2001-2018), भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक (1990-1993), परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के सचिव, डीएई (1993-2000) समेत कई प्रतिष्ठित पदों पर सेवाएं दीं। उन्होंने 1994 से 1995 तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स' के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, ''राष्ट्र प्रतिभाशाली वैज्ञानिक चिदंबरम का अत्यंत ऋणी है और हम उनके उल्लेखनीय योगदान को हमेशा संजोकर रखेंगे।''परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव अजीत कुमार मोहंती ने चिदंबरम के निधन को एक अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा, ''डॉ. चिदंबरम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक ऐसे दिग्गज थे, जिनके योगदान ने भारत की परमाणु क्षमता और रणनीतिक आत्मनिर्भरता को बढाया। उनका नुकसान वैज्ञानिक समुदाय और राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। डीएई ने एक बयान में कहा, ''राष्ट्र एक सच्चे दूरदर्शी के निधन पर शोक मना रहा है। दुख की इस घड़ी में हम उनके परिवार और प्रियजन के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते है। बयान में कहा गया कि भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं में चिदंबरम के अद्वितीय योगदान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनके दूरदर्शी नेतृत्व को हमेशा याद रखा जाएगा।

पीथमपुर में 'भस्मीकरण' इकाई पर पथराव

धार (भाषा)। मध्यप्रदेश के धार जिले में यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट के निपटान के लिए पहुंची 'भस्मीकरण' इकाई पर स्थानीय लोगों ने पथराव किया। जिले के पीथमपुर इलाके में यूनियन कार्बाइड का 337 टन अपशिष्ट का निपटान करने का प्रस्ताव है। पीथमपुर थाने के निरीक्षक ओम प्रकाश अहीर ने बताया कि 100 से 150 लोगों की भीड़ ने इकाई के गेट पर पथराव किया। अहीर ने बताया कि घटना के पीछे के लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने के लिए जांच की जा रही है।

यह घटना पीथमपुर बचाओ समिति द्वारा निपटान योजना के खिलाफ बुलाए गए बंद के विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद हुई है। शुक्रवार को 500 से 600 लोगों की भीड़ रामकी ग्रुप के औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन प्राइवेट लिमिटेड परिसर में पहुंची थी लेकिन पुलिस ने समय रहते उन्हें तितर-बितर कर दिया। परिसर में कचरे को जलाया जाना था। जिला प्रशासन ने कुछ घंटों बाद इकाई के परिसर के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी।

कनफुसिया

विदेश मंत्री की अमेरिका यात्रा बेअसर

आज राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी को शपथग्रहण समारोह का न्यौता नहीं मिला। शपथग्रहण समारोह 20 जनवरी को होना है। कुछ लोग कहते हैं कि न्यौता कभी भी आ सकता है। लेकिन चर्चा यह भी है कि विदेश मंत्री

हाल में अमेरिका गये थे । वह गये तो किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए थे, लेकिन चर्चा निमंत्रण पत्र पर भी होनी थी। विदेश मंत्री वापस लौटे लेकिन अभी तक न्यौता मिलने की पुष्टि नहीं हुई। उल्टा सोशल मीडिया ने 2020 की खबर को परोस दिया है कि व्हाइट हाउस ने अपने ट्विटर हैंडल से भारतीय प्रधानमंत्री को अनफोलो कर दिया है। सबकी नजर निमंत्रण पत्र पर टिकी है।

कौन से दिल्ली की आप-दा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच जुबानी जंग शुरू हो गयी है । प्रधानमंत्री ने भाजपा का चुनाव अभियान शुरू करते हुए दिल्ली की आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग 10 वर्षो से आपदा झेल रहे हैं। इस आपदा अबकी बार खत्म करना है। अरविंद केजरीवाल ने उल्टा हमला किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए मोदी और अमित शाह आपदा हैं। इनके कारण दिल्ली में काम नहीं हुआ है। वह खुद 2200 करोड़ रुपये के मकान में रहते हैं और 10 हजार करोड़ रुपये के जहाज में चलते हैं। मामला यहीं नहीं था। भाजपा और आप के प्रवक्ता भी इसी मुद्दे पर भिड़े रहे।

दिलजीत दोसांझ और कंगना रनौत

पोपुलर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, जो बड़ा चर्चा का कारण बन गया । दरअसल दोसांझ की विचारधारा कट्टर पंजाबियों से मिलती है। वह कहते हैं ये देश किसी के बाप का नहीं है। उनके विद्रोही बयानों से भाजपा भी उनकी विरोधी है। उन्होंने किसान आंदोलन को भी समर्थन दिया था। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में कंगना रनौत कसीदे पढ़ रही है, किसानों के खिलाफ बयानबाजी कर आलोचना का शिकार बन रही है। वह जब से सांसद बनी हैं, तब से प्रधानमंत्री से मिलने से समय मांगा लेकिन प्रधानमंत्री ने उन्हें मिलने का समय नहीं दिया। दिलजीत से मुलाकात के बाद क्या पता मोदी जी कंगना को सभी समय दे दें।

टीवी डिबेट का रैली की तरह इस्तेमाल

राजनेता किसी भी दल का हो वह प्रचार प्रसार में कभी पीछे नहीं रहता। आखिर प्रचार प्रसार नहीं करेंगे तो राजनीति कैसे होगी। एक समय था जब नेताओं को

प्रचार प्रसार के लिये लोगों के दरवाजे तक जाना पड़ता था लेकिन अब तो सोशल मीडिया व टीवी मीडिया ने नेताओ का काम आसान कर दिया है। सोशल मीडिया पर तो नेता अपने पक्ष में सामग्री तैयार कराकर पोस्ट करते ही रहे हैं लेकिन अब तो टीवी पर होने वाली बहस को पब्लिक रैली की तरह इस्तेमाल करने लगे हैं और विडंबना तो यह है कि बड़े मीडिया चैनल खुद उन्हें इस तरह का मौका दे रहे हैं। हाल ही में देश के एक प्रमुख टीवी चैनल पर दिल्ली चुनाव पर चर्चा शुरु हुई तो एक पार्टी के नेता व दिल्ली सरकार के एक मंत्री टीवी बहस में ही पब्लिक से जोर जोर से नारे लगवाने लगे, मजेदार तो यह है कि यह नेता काफी देर तक नारे लगवाते रहे और टीवी एंकर नेताजी की इस हरकत को अनदेखा करती रही। नेता जी की मजबूरी तो समझ में आती है लेकिन टीवी चैनल की क्या मजबूरी थी, यह समझ से परे है।

दो पद रिक्त, किसकी किस्मत चमकेगी

जस्टिस सीटी रविकुमार के सेवानिवृत्त होने से सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के दो पद रिक्त हो गए हैं। जस्टिस संजीव खन्ना को न्यायपालिका की कमान संभाले हुए लगभग दो माह हो रहे हैं, उनकी अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट में अभी तक सिर्फ एक नियुक्ति की है। दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन को पदोन्नति दी गई। सीजेआई ने हाई कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार जरूरी कर दिया है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए इस तरह का कोई प्रबंध नहीं किया गया है। जस्टिस कुमार दलित वर्ग से आते थे। उनके रुखसत होने से सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति के न्यायाधीशों की तादाद घटकर दो रह गई है। महिला जज भी सिर्फ दो ही रह गई हैं। जस्टिस बेला त्रिवेदी भी इस साल जून में अवकाश ग्रहण कर लेंगी। ऐसे में कम से कम एक पद पर महिला जज की नियुक्ति की उम्मीद की जा रही है। वैसे, इस माह जस्टिस ऋषिकेश रॉय भी 65 वर्ष की उम्र पार कर जाएंगे।

कांग्रेस से ज्यादा शोक भाजपा ने मनाया !

एक केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के लिए कांग्रेस से ज्यादा शोक भाजपा ने मनाया। उक्त मंत्री ने कहा कि वह तो इस दौरान अपने नजदीकी रिश्तेदारों की शादी में भी नहीं गए। मंत्री ने बताया कि उन्हें इस बात की चिंता थी कि कहीं शादी में नए कपड़े पहनकर जाने और लड्डू खाने पर कोई फोटो सोशल मीडिया पर न आ जाए। दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में सरकार ने देश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया था। इसका फैसला कैबिनेट की जिस बैठक में लिया गया था, उसमें मंत्रियों को हर तरह के समारोह से दूर रखने के लिए कहा गया था।

राहुल का विदेश जाना भारी पड़ा !

जब देश में पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के सम्मान में शोक चल रहा था तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का विदेश जाना पार्टी को भी असहज कर गया। पार्टी के नेताओं से इस बारे में जवाब देते नहीं बना। विदेश में होने से शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की अंतिम अरदास और

अखंड पाठ में राहुल गांधी उपस्थित नहीं हो सके। संभवतः प्रियंका गांधी वाड्रा भी नए साल की छुट्टी मनाने के लिए दिल्ली से बाहर रही होगी इसलिए वह भी इन दोनों आयोजनों में नहीं पहुंची।

■ नारद जी

छत्तीसगढ़ में मुकेश चंद्राकर की मौत बताती है कि असली खतरा छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में काम कर रहे पत्रकारों को है। पत्रकारों की सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है और अक्सर ताकतवर लोग उनसे नाराज रहते हैं। छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि मुकेश के अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले ताकि जमीन से सच की आवाज उठाने वालों को हिम्मत मिल सके।

अशोक कुमार पांडेय, पत्रकार @Ashok_Kashmir

विमर्श

भारत डोगरा

टकराव से हटके आदर्श समाज की सोच

इतिहास के पृष्ठों में यह सवाल बार-बार उभरता रहा है कि किसी भी समय का कोई समाज आदर्श के कितना नजदीक या दूर रहा है, पर इसके बावजूद यह आदर्श समाज या देश कैसा होना चाहिए इसके बारे में मतभेद आज तक बने हुए हैं। अनेक बड़े स्वार्थ और ताकतें अपने हितों के अनुसार इस आदर्श समाज की सोच प्रस्तुत करते हैं और फिर अपने संसाधनों के भरपूर उपयोग से इस सोच का ही प्रचार-प्रसार करवाते हैं और अनुचित को उचित, गलत को सही सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। इसका एक उदाहरण तो यह सोच है कि किसी एक देश का विश्व पर या बड़े क्षेत्र पर दबदबा या आधिपत्य उस देश का आदर्श है। इस तरह की सोच से किसी का भी भला नहीं होगा और बहुत सी हिंसा नाहक होगी पर शक्तिशाली देशों के असरदार व्यक्ति ऐसी सोच को तरह-तरह की आकर्षक शब्दावली में प्रस्तुत करते हैं तो उनका बहुत महिमा-मंडन किया जाता है क्योंकि शक्तिशाली और संसाधन संपन्नों को ऐसी सोच की जरूरत है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूंजीवादी और साम्यवादी देशों में एक होड़ थी कि किस व्यवस्था को विश्व में अधिक लोग अपने आदर्श के रूप में देखें और अपनाएं। दोनों व्यवस्थाओं ने अपना खूब प्रचार किया पर अपनी भीतरी समस्याओं और विसंगतियों को दूर नहीं किया। अतः पूंजीवादी व्यवस्था में शोषण और विषमता, पर्यावरण विनाश और युद्ध को बढ़ाने की प्रवृत्ति बनी रही तो साम्यवादी व्यवस्थाओं में अपने ही लोगों पर अत्याचार हुए और इसका पर्याप्त विरोध भी वहां नहीं किया जा सका।

सोवियत संघ के विघटन के बाद चीन ने भी पूंजीवादी देशों से सहयोग का रास्ता ही अपनाया और ऐसा लगा और प्रचारित भी हुआ कि अब तो पूंजीवाद की ही जीत है पर इस तरह की बहुत अनुकूल स्थितियों के बाद सबसे शक्तिशाली देशों ने युद्ध की प्रवृत्ति को छोड़ा नहीं अपितु विनाशकारी युद्धों और हमलों में दुनिया को उलझा दिया। यहां तक कि इस कारण तीसरे महायुद्ध का खतरा भी सामने आ गया। आक्रामकता के साथ पूंजीवाद की स्व-विनाशकारी प्रवृत्तियां भी नजर आईं और अनुकूल स्थितियों के रहते हुए भी प्रमुख पूंजीवादी देशों (जैसे अमेरिका और ब्रिटेन) में बड़ी संख्या में लोग बुनियादी जरूरतों को जुटाने तक के लिए संघर्ष करते हुए पाए गए हैं, जबकि आज जर्मनी भी अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बारे में बहुत चिंतित हैं। अतः बहुत अनुकूल स्थितियां मिलने पर भी पूंजीवादी व्यवस्था आदर्श समाज की स्थापना व्यापक और दीर्घ स्तर पर करने में विफल है। कुछ छोटे देशों ने थोड़े समय के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं, पर ये बहुत टिक नहीं पाए हैं (नार्वे, स्वीडन आदि देशों के अनुभव) और न ही ये पूंजीवाद की कुछ व्यापक विसंगतियों से बच पाए हैं। दूसरी ओर, पर्यावरण और छोटे किसानों के हितों की रक्षा न कर पाने, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक विपक्ष को उचित मान्यता न देने के कारण साम्यवादी व्यवस्थाएं भी अपनी इस मान्यता को तेजी से खो रही हैं जो उन्होंने बहुत से न्यायप्रिय व्यक्तियों के बीच एक समय प्राप्त की थीं। इन निराशाओं के बावजूद मनुष्य की आदर्श व्यवस्था के लिए तलाश जारी रहेगी और अधिक सार्थक परिणाम के लिए उसे पहले की गलतियों से सीखते हुए ही आगे बढ़ना होगा। मौजूदा समय विशेष कठिनाइयों का समय है क्योंकि अनेक पर्यावरणीय समस्याएं एक साथ विकट होती जा रही हैं, युद्ध अधिक खतरनाक होते जा रहे हैं और हथियार अधिक विनाशकारी होते जा रहे हैं। यह समय बहुत सावधानी से सही मार्ग खोजने का है, और उसी राह पर आगे बढ़ने का है।

इस स्थिति में यदि आदर्श समाज को इस तरह परिभाषित कर सकें जो सरल होते हुए भी तर्कसंगत हो और जिसे बहुत से लोग आसानी से समझ कर अपना सकें तो यह बहुत उपयोगी होगा। आदर्श समाज वह समाज है जो न्याय और समता, अमन-शांति और लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक संबंधों की प्रगाढ़ता, ईमानदारी, महिला-सम्मान, भेदभाव की समाप्ति और सभी जीवन-रूपों के लिए करुणा पर आधारित है। इन सभी जीवन-मूल्यों को स्थानीय स्थितियों के आधार पर अपनाना चाहिए और इस तरह आदर्श समाज का रूप विश्व में विभिन्न स्थानों पर कुछ अलग जरूर होगा पर फिर भी चूंकि बुनियादी जीवन-मूल्य एक ही हैं, तो इसमें बहुत समानता भी होगी। यह सोच एक स्तर पर सरल और सीधी-सादी है और यह ऐसा गुण है जिसके आधार पर इसे बहुत से लोग आसानी से अपना सकते हैं। पर अपने समाज की विशेष स्थितियों में जब लोग यह तय करने के लिए एकत्र होंगे कि न्याय और समता की राह क्या है, अमन-शांति की राह क्या है, तो इस बारे में बहुत से अलग-अलग विचार सामने आएंगे। इस तरह जो पहली नजर में सीधा-सरल लगता है, उसमें अनेक विवाद भी आ सकते हैं। फिर भी यदि इन जीवन-मूल्यों को सही भावना से अपनाया गया है तो कोई बड़ी कठिनाई नहीं आएगी। विवादों का समाधान हो जाएगा। अमन-शांति और लोकतंत्र की सोच को जिन्होंने भली-भांति अपना लिया है, वे थोड़ा-बहुत लड़-झगड़ कर भी अंत में इन बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित आदर्श समाज अपनी स्थानीय स्थितियों के अनुसार बना ही लेंगे।

यदि इस तरह के प्रयास विश्व के विभिन्न देशों में होते रहेंगे तो विभिन्न देशों में इस तरह के जीवन-मूल्यों पर आधारित सोच आगे आ सकेगी और उसे विभिन्न देशों में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो सकेगा। इस तरह विभिन्न देशों में युद्ध और टकराव की संभावना को रोकने में मदद मिलेगी जो इस समय विश्व की बड़ी जरूरत है। इस व्यापक प्रयास से जुड़ने का पहला कदम तो यही है कि इन विभिन्न सिद्धांतों के आधार पर यानी न्याय, समता, अमन-शांति, पर्यावरण रक्षा, सभी जीवों के प्रति करुणा आदि के आधार पर हम अपने आसपास के परिवेश को देखने-समझने लगें, और गंभीर रचनात्मकता से सोचने लगें कि कहां, क्या, किस सुधार की जरूरत है। इस तरह के नजरिए से अपने आसपास के समाज को देखना और समझना ही इस दिशा में पहला कदम है, और अपने आप में सामाजिक प्रगति भी है। यह रचनात्मक प्रयास हो सकता है, और शिक्षा व्यवस्था में इसे महत्त्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए। बड़ी बात है कि हम अपने परिवेश को, समाज को उसके जड़ रूप में ही न देखते रहें, बल्कि इस ओर अधिक ध्यान दें कि न्याय की दृष्टि से बेहतर संबंधों, अमन-शांति की दृष्टि से इसे किस तरह बेहतर किया जा सकता है। यदि नई पीढ़ी यह सोचते-विचारते हुए, इस बारे में अपनी समझ बनाते हुए अपना जीवन जीएगी तो निश्चय ही एक बेहतर दुनिया बनाने में बहुत मदद मिलेगी। दुर्भाग्यवश शिक्षा सुधारों में प्रायः इस तरह की सोच को अधिक महत्त्व नहीं दिया गया है, पर यदि यह हो सके तो यह एक महत्त्वपूर्ण कदम सही दिशा में होगा।

मौजूदा समय विशेष कठिनाइयों का समय है क्योंकि अनेक पर्यावरणीय समस्याएं एक साथ विकट होती जा रही हैं, युद्ध अधिक खतरनाक होते जा रहे हैं और हथियार अधिक विनाशकारी होते जा रहे हैं। यह समय बहुत सावधानी से सही मार्ग खोजने का है, और उसी राह पर आगे बढ़ने का है। इस स्थिति में यदि आदर्श समाज को इस तरह परिभाषित कर सकें जो सरल होते हुए भी तर्कसंगत हो और जिसे बहुत से लोग आसानी से समझ कर अपना सकें तो यह बहुत उपयोगी होगा। आदर्श समाज वह समाज है जो न्याय और समता, अमन-शांति और लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक संबंधों की प्रगाढ़ता, ईमानदारी, महिला-सम्मान, भेदभाव की समाप्ति और सभी जीवन-रूपों के लिए करुणा पर आधारित है। इन सभी जीवन-मूल्यों को स्थानीय स्थितियों के आधार पर अपनाना चाहिए और इस तरह आदर्श समाज का रूप विश्व में विभिन्न स्थानों पर कुछ अलग जरूर होगा पर फिर भी चूंकि बुनियादी जीवन-मूल्य एक ही हैं, तो इसमें बहुत समानता भी होगी। यह सोच एक स्तर पर सरल और सीधी-सादी है और यह ऐसा गुण है जिसके आधार पर इसे बहुत से लोग आसानी से अपना सकते हैं। पर अपने समाज की विशेष स्थितियों में जब लोग यह तय करने के लिए एकत्र होंगे कि न्याय और समता की राह क्या है, अमन-शांति की राह क्या है, तो इस बारे में अलग-अलग विचार सामने आएंगे

घर चले न चले 'सरिया' चलेगा

मीडिया

सुधीश पचौरी

जब हीरो 'आइकन' यानी 'देवमूर्ति' बन जाता है, तब क्या करता है? हमारा जवाब है कि 'सेल्समैन' जरूर बन जाता है। इन दिनों आते एक विज्ञापन को एक 'सुपर स्टार' खास ब्रांड का 'सरिया' बेचता है। आप कहेंगे कि सरिया भी क्या बेचने की चीज है?

हमारा मानना है कि मीडिया है ही बेचने का माध्यम और रोज बनते भारत को सरिया आदि की जरूरत होगी ही। इसीलिए उसे बेचने वाले विज्ञापन अधिक आते हैं। यहां हम ऐसे विज्ञापन को 'डिकंस्ट्रक्ट' करना चाहेंगे। विज्ञापन में एक सुपर स्टार, हीरो-हीरोइन के जोड़े को 'सरिया' बेचता है। उस जोड़े को खास ब्रांड का सरिया बेचते हुए हमें समझाता है कि हम भी उस सरिए को अपने घर में लगाएं जिससे कि वह कभी न टूटे। पहला सीन कुछ इस तरह शुरू होता है: एक मित्र (सुपर स्टार) के घर में एक 'हीरोइन' सोफे पर बैठी होती है। वह अपने पति (हीरो) से नाराज नजर आती है। इतने में हीरो पति आता है तो कहती है कि मैंने इसे (पति) को बर्फ लाने को कहा था कि ये पहाड़ पर चला गया...हीरो (पति) कहता है कि उसका मन पहाड़ों में उड़ने को करता है...यह मर्दवादी पति-पत्नी के बोलने तक 'बदतमीजी' कहता है...उनके झगड़े को देख 'सुपर स्टार' अपने घर की एक अलमारी को खोल उसमें रखे लोहे के एक खास ब्रांड के 'सरिए' को निकाल कर कहता है कि तुम लोगों की शादी चले न चले लेकिन इस 'सरिये' से बना घर जरूर चलेगा...'सरिए' की मजबूती देखते ही नाराज 'पति-पत्नी' दोनों ही खुश हो जाते हैं।

ध्यान से देखें तो विज्ञापन सिर्फ लोहे के खास ब्रांड के 'सरिए' को ही नहीं बेचता, कुछ 'अतिरिक्त संदेश' भी बेचता है, और वह है कि 'घर टूटने या न टूटने की कोई गारंटी नहीं लेकिन इस 'सरिए' से बने घर के 'अटूट' होने की गारंटी है...समझाता है कि अगर यह जोड़ा अपने 'घर' को बनाने के लिए इस खास ब्रांड का 'सरिया' लगवाए तो पति-पत्नी के 'संबंध' भले टूट जाएं लेकिन सरिए से बना 'घर' नहीं टूटेगा...यहां 'घर' शब्द के दो अर्थ हैं। एक का अर्थ 'पारिवारिक संबंध' हैं तो दूसरे का 'ईंट पत्थर' से बना मकान है और संदेश है कि संबंध टूट सकते हैं लेकिन इस 'सरिये' वाला मकान 'अटूट' है। सब जानते हैं 'घर' तब चलता है जब 'पति-पत्नी' के बीच गहरा प्रेम और विश्वास हो, जहां वे एक दूसरे की 'केअर' करें, एक दूसरे का खयाल रखें...लेकिन विज्ञापन कहता है कि पति-पत्नी के ऐसे संबंध तो एक बार टूट सकते हैं लेकिन इस सरिये से बना घर नहीं टूटेगा! शायद इसलिए विज्ञापन कहता है कि परिवार चले न चले लेकिन टिकाऊ घर बनाना है, तो उस खास ब्रांड का 'सरिया' जरूर लगाएं...।

मतलब कि अब परिवार 'टिकाऊ' नहीं है। सिर्फ एक खास ब्रांड का 'सरिया' ही 'टिकाऊ' है क्योंकि उसे एक बड़ा सुपर स्टार बेच रहा होता है...विज्ञापन इसी तरह काम करते हैं। पहले समस्या बताते हैं फिर उसे अपने ब्रांड से दूर करते हैं। फिर अपने ब्रांड की 'कैचलाइन' देते हैं...इस टिप्पणी से हम किसी एक या दूसरे ब्रांड के 'सरिए' का न पक्ष ले रहे हैं, न उसका विपक्ष बना रहे हैं। हम यह भी मानते हैं कि फ्री मारकेट संचालित आज की 'कंपटीटिव इकनॉमी' के दौर में हर किसी को मीडिया के जरिए अपने ब्रांड का विज्ञापन करने का हक है।

हम यह भी जानते हैं कि जब तक 'फ्री मारकेट' है, फ्री मीडिया है तब तक विज्ञापन आएंगे ही और वे अपने संदेशों से किसी न किसी ब्रांड की, कोई न कोई नई खूबी को बता कर उसे बेचेंगे ही। इतना ही नहीं, विज्ञापन किसी न किसी चीज के गुणों के प्रति हमें सजग करते हैं...और हमें 'जागरूक उपभोक्ता' बनने में मदद करते हैं...लेकिन विज्ञापनों की इन खूबियों के साथ विज्ञापन के 'निहितार्थ' भी होते हैं जिनकी अक्सर 'उपेक्षा' कर दी जाती है जबकि उनको भी पढ़ा जाना चाहिए। अब हम इस विज्ञापन के संदेश को 'डिकंस्ट्रक्ट' करें जो कहता है कि आप का 'घर' (परिवार) चले न चले, लेकिन इस 'सरिए' से बना आपका 'घर' जरूर चलेगा...इसका अर्थ हुआ कि 'घर' को चलाना है तो उसे इस ब्रांड के 'सरिए' से बनवाएं...यानी घर-परिवार एक खास ब्रांड के लोहे के 'सरिए' पर 'निर्भर' हो गया। 'सरिया' बड़ा हो गया और परिवार छोटा हो गया। सरिया अटूट हो गया और परिवार 'टूट्य' हो गया। वस्तु बड़ी हो गई, इंसान छोटा। विज्ञापन वस्तु की सत्ता को बड़ा करता है। मानव संबंधों की सत्ता को दोयम। यह विज्ञापन सवाल को अनुत्तरित ही छोड़ देता है कि जब घर का परिवार ही न होगा, घर वाले ही न होंगे तो घर में कौन रहेगा?

हम यह भी जानते हैं कि जब तक 'फ्री मारकेट' है, फ्री मीडिया है तब तक विज्ञापन आएंगे ही और अपने संदेशों से किसी न किसी ब्रांड की, कोई न कोई नई खूबी को बता कर उसे बेचेंगे ही। इतना ही नहीं, विज्ञापन किसी न किसी चीज के गुणों के प्रति हमें सजग करते हैं...और हमें 'जागरूक उपभोक्ता' बनने में मदद करते हैं...

अमेरिका में आतंकी हमलों के संकेत

वैश्विकी

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में नया साल हादसों के साथ शुरू हुआ। इसे आतंकवाद, हिंसा और प्रतिरोध की घटनाओं के रूप में भी जब समझ जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के पहले अमेरिका में अजीबो-गरीब घटनाएं हो रही हैं। यह भी हो सकता है कि एक सुनियोजित योजना के तहत हो रहा हो। कुछ शक्तियां ट्रंप पर निश्चित नीतियां अपनाने के लिए दबाव बना रही हैं।

नव वर्ष की पहली घटना न्यू ऑरलियन्स में हुई जिसे निश्चित रूप से जेहादी आतंकवाद कहा जा सकता है। दूसरी घटना लास वेगास में ट्रंप होटल के मुख्य द्वार पर वाहन विस्फोट के जरिए अंजाम दी गई। न्यू ऑरलियन्स का हमलावर शमसुद्दीन जब्बार अमेरिकी सेवा में सूचना प्रौद्योगिकी सहायक के रूप में सेवाएं दे चुका था। सेना में उसका कार्यकाल करीब एक दशक का था। दूसरी ओर ट्रंप होटल की घटना का हमलावर मैथ्यू लिवेहसबर्गर वर्तमान में भी सेना में कार्य था। यह दोनों ही अपनी सेवाओं के लिए विभिन्न मेडल से सम्मानित किया जा चुके थे। इन हमलों की गंभीरता के बावजूद अमेरिका में इनके कारणों की गंभीरता और ईमानदारी से समीक्षा नहीं की जा रही है। ये घटनाएं अमेरिका की युद्ध परस्त नीतियों और फिलिस्तीन में मानव त्रासदी को नजरअंदाज करने का नतीजा हो सकती हैं इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वास्तव में पिछले वर्ष फरवरी महीने में एक-एक कार्यरत वायु सैनिक बुसनेल ने वाशिंगटन में इस्राइल के दूतावास के सामने आत्मदाह का अपनी जान दे दी थी। आग की लपटों से झुलसते हुए वह फिलिस्तीन की आजादी के पक्ष में नारे लगा रहा था।

अपने इस अतिवादी कदम के पहले उसने कहा था कि वह फिलिस्तीन के नरसंहार में शामिल नहीं हो सकता। यह अमेरिकी सरकार के लिए खतरे की घंटी थी। लेकिन अमेरिका के राजनीतिक तंत्र और मीडिया ने बुसनेल के बलिदान के प्रति आंखें मूंद ली। यदि एक सैनिक फिलिस्तीन में हजारों बच्चों और महिलाओं की मौत से क्षुब्ध हो सकता है तो आम नागरिक के दिलो-दिमाग पर कितना असर हो रहा है, इस पर गौर नहीं किया गया। इतना ही नहीं अमेरिका के शहरों में पंद्रह महीनों से चल रहे युद्ध-विरोधी प्रदर्शनों को भी नजरअंदाज किया गया।

आंकड़ों के लिहाज से गाजा, लेबनान और सीरिया में जनहानि दुनिया में पहले की घटनाओं दे शायद कम रही है, लेकिन यह पहली बार है कि सोशल मीडिया की पूरी निगरानी में यह मानव त्रासदी सामने आ रही है। हर रोज करोड़ों लोग निर्दोष बच्चों और महिलाओं के क्षत-विक्षत शव देख रहे हैं। पूरा गाजा खंडहर में तब्दील हो चुका है। एक सैन्य विशेषज्ञ के अनुसार फिलिस्तीन में जितने बम गिराए गए हैं उससे हुई तबाही 5-6 परमाणु बम जितनी है। आत्मरक्षा के नाम पर मौत के तांडव से आमजन आहत है। साथ ही वह बेबस है। इसी परिप्रेक्ष्य में अमेरिका में हुई घटनाओं को समझा जाना चाहिए।

अमेरिका और पश्चिमी देशों में फिर से जेहादी आतंकवाद के खतरे का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, लेकिन यह आत्म-चिंतन नहीं हो रहा है कि अफगानिस्तान, इराक, लीबिया, सीरिया और लेबनान में मजहबी कट्टरवाद को किसने बढ़ावा दिया। इन देशों में क्यों एकतरफा और मनमाने तरीके से सैन्य हस्तक्षेप किया गया। अभी हाल में बांग्लादेश और सीरिया में धर्मनिरपेक्ष सरकारों को सत्ता से बेदखल किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें अमेरिका और पश्चिमी देशों की निश्चित भूमिका थी।

सीरिया में बशर अल-असद के स्थान पर जिहादी नेता अबू मोहम्मद अल जोलानी सत्ता पर काबिज है। पश्चिमी देशों की मीडिया इन दिनों उसकी छवि सुधारने में लगी हुई है। लेकिन आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा कि पश्चिमी देशों ने कैसे भस्मासुर को तैयार किया है। कुछ ऐसे ही हालात पड़ोसी बांग्लादेश में दिखाई देते हैं। शेख हसीना के स्थान पर सेना और इस्लामी तत्वों की कठपुतली के रूप में मोहम्मद युनूस सत्तारूढ़ है। वहां इस्लामी तत्वों का तांडव चल रहा है जिसका शिकार मुख्य रूप से हिन्दू अल्पसंख्यक बन रहे हैं। तात्कालिक रूप से बांग्लादेश का घटनाक्रम पश्चिमी देशों के भू-रणनीतिक हितों के अनुकूल हो लेकिन इसके दूरगामी परिणाम भयावह होंगे। केवल भारत ही नहीं बल्कि अन्य देशों पर भी इसका असर हो सकता है?

हर रोज करोड़ों लोग निर्दोष बच्चों और महिलाओं के क्षत-विक्षत शव देख रहे हैं। पूरा गाजा खंडहर में तब्दील हो चुका है। एक सैन्य विशेषज्ञ के अनुसार फिलिस्तीन में जितने बम गिराए गए हैं उससे हुई तबाही 5-6 परमाणु बम जितनी है

जीवन कौशल की नीति बनाएं

सामयिक

प्रियंका सौरभ

कक्षा 5 और 8 में छात्रों के लिए नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करना भारत की शिक्षा प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत शुरू की गई इस नीति का उद्देश्य छात्रों की असफलता को रोक कर शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना था। हालांकि, सीखने के परिणामों में गिरावट की चिंताओं के साथ, संशोधन अकादमिक सुधार पर जोर देकर पहुंच और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने से सुनिश्चित होता है कि छात्र शिक्षा प्राप्त करना जारी रखें, भले ही अकादमिक रूप से संघर्ष करते हों, जिससे सार्वभौमिक पहुंच के सिद्धांत को बल मिलता है। जिन छात्रों को असफलता के कारण निष्कासित कर दिया जाता था, उन्हें अब परीक्षा फिर से देने और सुधारात्मक सहायता प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

इस संदर्भ में सैनिक स्कूलों में हाल में लागू की गई योग्यता-आधारित परीक्षाओं को देखा जा सकता है, जो व्यावहारिक ज्ञान का आकलन करती हैं, जिससे छात्र तथ्यों को याद करने की बजाय मूल अवधारणाओं को समझने में सक्षम होते हैं। नीति यह सुनिश्चित करके समग्र विकास को बढ़ावा देती है कि असफल छात्रों को शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक, दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत ध्यान मिले। दिल्ली सरकार के स्कूलों में संघर्षरत छात्रों को समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक सुधार के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक समर्थन भी मिलता है। शिक्षक अब सीखने के अंतराल की पहचान करने और उसे दूर करने के लिए जिम्मेदार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे प्रत्येक छात्र की प्रगति में अधिक निवेश करें।

कक्षा शिक्षक अब प्रगति रिकॉर्ड बनाए रखते हैं, और विषयों में संघर्ष करने वाले छात्रों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करते हैं, जिससे लक्षित हस्तक्षेप रणनीतियां बनती हैं। पास होने के लिए कई मौके देकर नीति विफलता के कलंक को कम करती है, छात्रों को लगे रहने और सुधार करने के लिए प्रेरित करती है। जो छात्र पहले असफल हुए थे, वे कलंक के जोखिम में थे, लेकिन अब उन्हें दूसरा मौका दिया गया है, जिससे ड्रॉपआउट दर कम हुई है। नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने से बेहतर सीखने के परिणामों के साथ सार्वभौमिक पहुंच का संतुलन बना रहता है। जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देकर, यह शिक्षण और मूल्यांकन में सुधार ला सकता है। हालांकि, इस बदलाव को सफल बनाने के लिए शिक्षकों के बेहतर प्रशिक्षण, सुधारात्मक सहायता और छात्रों के आधारभूत कौशल को मजबूत करने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

देश में शिक्षा की निम्न गुणवत्ता के मूल कारणों को संबोधित करने की बजाय पूरा ध्यान पास-फेल प्रणाली को फिर से लागू करने पर है। समय की मांग है कि सभी पक्षों को अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए और समय आ गया है कि शेष मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रयास किए जाएं। परिणामस्वरूप, नीति में नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए उपयुक्त समायोजन के साथ संशोधन किया जाना चाहिए, या इसे एक नये और अधिक संतुलित दृष्टिकोण से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। मुख्य लक्ष्य बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना और उन्हें जीवन कौशल प्रदान करना हो।

बेमिसाल हैं विजेताओं की उपलब्धियां

खेल रत्न

योगेश कुमार गोयल

वर्ष 2024 के लिए खेल मंत्रालय द्वारा 'राष्ट्रीय खेल पुरस्कार' की घोषणा कर दी गई है। इस वर्ष 4 खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा जबकि 32 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवार्ड लाइफटाइम पुरस्कार दिया जाएगा।

बेहतर कोचिंग के लिए बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन, फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलाको सहित कुल पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिलेगा। 17 जनवरी को सभी विजेताओं को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में सम्मानित करेंगी। इस बार के खेल पुरस्कार उस समय काफी चर्चा में आए थे, जब निशानेबाज मनु भाकर के पिता द्वारा मनु का चयन खेल रत्न पुरस्कार के लिए नहीं होने की बात कहे जाने के बाद बवाल मचा था। हालांकि उस समय तक खेल पुरस्कार के लिए समिति द्वारा नामों को अंतिम रूप ही नहीं दिया गया था। खेल मंत्रालय द्वारा जिन 4 खिलाड़ियों को 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' दिया गया है, उनमें पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर, विश्व शतरंज चैंपियनशिप के विजेता भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपियन प्रवीण कुमार शामिल हैं।

खेल रत्न पुरस्कार की शुरुआत 1991-92 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर की गई थी और शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद यह पुरस्कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। इस पुरस्कार का नाम 2021 में मौजूदा केंद्र सरकार ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर करने का निर्णय लिया था, जिसके बाद से ही इसे 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' के नाम से जाना जाता है। यह भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। इस सम्मान के तहत पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ी को 25 लाख रुपये की राशि के साथ एक ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। खेल रत्न पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों को पहले 7.5 लाख रुपये मिलते थे, जिसे 2020 में बढ़ा कर 25 लाख किया गया था। भारत के लिए ओलंपिक इतिहास में पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने 2001 में 18 वर्ष की आयु में यह पुरस्कार अपने नाम किया था और वह खेल रत्न पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब शतरंज चैंपियन डी गुकेश ने यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वह न केवल आनंद के बाद खेल रत्न पुरस्कार पाने वाले दूसरे शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं, बल्कि यह पुरस्कार जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए हैं।

मनु ने पेरिस ओलंपिक में ऐसा कमाल कर दिखाया था, जो ओलंपिक के इतिहास में भारत का कोई भी खिलाड़ी नहीं कर पाया था। 'मिरेकल गर्ल' मनु ने एक ही ओलंपिक में दो पदक जीत कर इतिहास रच दिया था। अपने जोश और जज्बे के साथ दो कांस्य पदक जीत कर मनु ने भारत में शूटिंग के सुनहरे दौर को वापस लाने में बड़ी भूमिका निभाई। उत्तर प्रदेश की जेवर विधानसभा क्षेत्र के छोटे से गांव गोविंदगढ़ में जन्मे ऊंची कूद के पैरा खिलाड़ी 21 वर्षीय प्रवीण कुमार ने 6 सितम्बर को पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी 64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत कर देश का सीना गर्व से चौड़ा किया था। 2023 की विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का वह व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी था। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की थी। 2.08 मीटर की ऊंचाई लांघने के साथ ही प्रवीण ने टी 64 स्पर्धा में अपने कॅरिअर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर गोल्ड जीतते हुए क्षेत्रीय तथा एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया और उनका नाम पैरालंपिक के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया था।

29 मई, 2006 को चेन्नई में जन्मे शतरंज इतिहास के सबसे युवा विश्व चैंपियन डी गुकेश सबसे कम उम्र में खेल रत्न पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह शतरंज के इतिहास में विश्व चैंपियन का खिताब जीतने वाले भी सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बने थे। जानदार फ्लिक और शानदार डिफेंस के लिए विख्यात पेनल्टी कॉर्नर स्पेशलिस्ट हरमनप्रीत सिंह को ओलंपिक में भारत को पदक दिलाने के लिए खेल रत्न पुरस्कार दिया गया है। हालांकि भारत हॉकी में लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीतने में सफल हुआ लेकिन पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलियाई टीम को 52 साल बाद हराने में सफल हुआ। भारत ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलियाई टीम को 1972 में हरा कर पदक जीता था और लंबे अंतराल के बाद हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराने में सफल हुआ। भारत ने टोक्यो में 41 वर्षों बाद जर्मनी को हरा कर हॉकी में कांस्य पदक जीता था और 2024 के ओलंपिक में भी यह कारनामा दोहराने में सफल हुआ जिसके हीरो हरमनप्रीत सिंह थे। पेरिस ओलंपिक में भारत को हॉकी में मिली जीत इसलिए भी महत्त्वपूर्ण थी क्योंकि भारत को 1980 के मॉस्को ओलंपिक के बाद से अब तक दो बार ही ओलंपिक में पदक जीतने का मौका मिला है।

इस बार के खेल पुरस्कार उस समय काफी चर्चा में आ गए थे जब निशानेबाज मनु भाकर के पिता द्वारा मनु का चयन खेल रत्न पुरस्कार के लिए नहीं होने की बात कहे जाने के बाद बवाल मचा था। हालांकि उस समय तक खेल पुरस्कार के लिए समिति द्वारा नामों को अंतिम रूप ही नहीं दिया गया था। खेल मंत्रालय द्वारा जिन 4 खिलाड़ियों को 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' दिया गया है, उनमें पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर, विश्व शतरंज चैंपियनशिप के विजेता भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपियन प्रवीण कुमार शामिल हैं

हमें गर्व है हम भारतीय हैं

राष्ट्रीय सहारा

सहारा इण्डिया मास कम्युनिकेशन के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक जिया कादरी द्वारा सहारा इंडिया मास कम्युनिकेशन प्रेस, सी-2,3,4, सेक्टर-11, नोएडा में मुद्रित तथा 705-706, सातवां तल, नवरंग हाउस, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित।
। समूह संपादक - डॉ. विजय राय। स्थानीय संपादक - रत्नेश मिश्र* ।
दूरभाष - दिल्ली कार्यालय - 23352368, 23352369, 23352371, 23352372, फैक्स - 23352370, दूरभाष - नोएडा प्रेस 0120-2444755, 2444756 फैक्स - 2550750

वर्ष-34, अंक 139 — आर.एन.आई. सं. 53469/91, पंजीकरण संख्या UP/BR /GZB- 38/2024-2026 — *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों के लिए उत्तरदायी

वैदिक ब्राह्मण शाकाहारियों (बौद्ध, जैन) को पसंद नहीं करते थे। बाद में आजीविका की तलाश में वे बाहर निकले तो शाकाहारी बन गए और उन्होंने स्तूपों और देवसरों के स्थान पर मंदिरों का निर्माण कराया। बौद्ध और जैन धर्म के उपदेशों को भुला दिया जिन्हें बहुत बाद में ब्रिटिश ने खोज कर निकाला।
देवदत्त पटनायक, धर्म मर्मज्ञ @devduttmyth

नूतन वर्ष

संजीव ठाकुर

निराशा और चिंता सबसे बड़े बाधक

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं। निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में न आने दें अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती। अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रख कर जीवन के पथ में अग्रसर हों। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं ऊर्जा लगा कर हम उसे प्राप्त कर सकें। कठिन कार्य से घबरा कर पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़ कर अवरोध नहीं। अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा, उत्साह के साथ बढ़ें, सफलता कदमों पर होगी।

हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हट कर खड़ा दिखाई देता है जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं, और आज के संदर्भ में उसे सेलिब्रिटी कहते हैं, तो निस्संदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं, सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ सामाजिकता, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्चस्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं।

मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट न करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो उसकी सफलता मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बना कर जैविक और रासायनिक हथियार बना कर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है कि सफलता के नक्शे और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

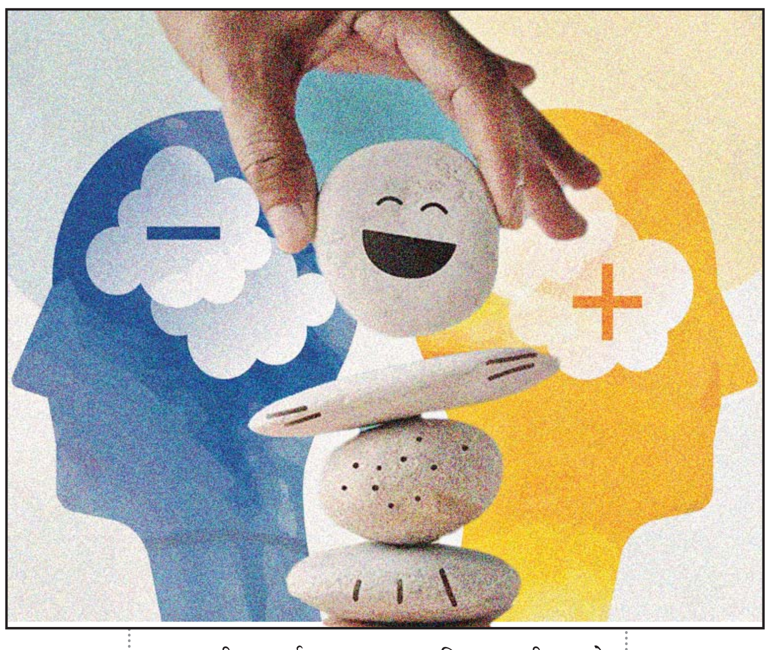

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ी होकर मानव कल्याण के लिए भी होनी चाहिए। इसमें संदेह नहीं कि विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य, करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है। और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रख कर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है, जिनमें कबीर, रैदास, संत, ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मान कर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणामस्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी न बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थायी एवं समाजोपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थायी सफलता के सामने महत्त्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थायी सफलता के पीछे मानवीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थायी एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है, और न ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थायी नहीं होती। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्यविहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्त्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थायी तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चल कर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बना कर रखता है अन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता। ■

> मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट न करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो उसकी सफलता मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है

अब नहीं दिखेगी 'काक दृष्टि'

माधव

स्मरण शेष : कार्टूनिस्ट काक

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के पुरा गांव में 16 मार्च, 1940 को जन्मे कार्टूनिस्ट काक का हृदयाघात से निधन हो गया। काक हिन्दीभाषी प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, दैनिक जागरण, राजस्थान पत्रिका इत्यादि से जुड़े रह कर कार्टून जगत में अपनी अप्रतिम जगह बनाई। व्यंग्य की अपनी अनोखी शैली के चलते काक राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय और जटिल राजनीतिक विषयों को बहुत सरलता से आम आदमी से जोड़कर अपने कार्टून में प्रस्तुत करते थे। पहला कार्टून छपने के डेढ़ साल बाद खान अब्दुल गफ्फार खान/सीमांत गांधी भारत आए। तमाम राजनेताओं ने उनका स्वागत किया। हरीश चंद्र शुक्ल ने पेंसिल उठाई और कार्टून बनाया जिसमें सीमांत गांधी की बड़ी छवि बनाते हुए उनका स्वागत करते नेताओं को छोटा-छोटा दिखाया गया था। यह कार्टून गजब था और संपादक पारखी नरेंद्र मोहन ने इस कार्टून को सात जुलाई, 1967 को पहले पन्ने पर प्रकाशित किया।

सात जुलाई, 1967 से 20 दिसम्बर, 2024 तक यानी कुल सत्तावन सालों में हर रोज कार्टून बनाने का संकल्प यथावत जारी रहा। अचरज की बात यह कि प्रति दिन कार्टून बनाने के सिलसिले को कोरोना वायरस भी नहीं रोक सका। स्वतंत्रता सेनानी शोभ शुक्ल की पांचवीं संतान हरीश चंद्र शुक्ल जब सातवीं कक्षा में थे तब उनके द्वारा पेंसिल से खो-खो करते बंदर के बनाए गए चित्र, जो चित्र कम कार्टून ज्यादा था, को कला अध्यापक द्वारा सराहा गया जो प्रेरणा का कारण बना। सातवीं कक्षा में बनाया गया 'बंदर' और उसकी शरारतें, कारस्तानियां हरीश के मस्तिष्क में इतने गहरे पैठ गईं कि काक बनने पर भी वह बंदर स्मृति से विस्मृत नहीं हुआ, बल्कि और ज्यादा शिद्दत से उभरा। काक के कार्टूनों का प्रिय पात्र, जो गली का फक्कड बुड्ढा है, देश-दुनिया की हर घटना पर अपनी बात, जो आम आदमी के मन की बात होती है, कहने में गुरेज नहीं करता। उस बुड्ढे को जरा गौर से देखिएगा। उसके चेहरे में कहीं न कहीं बंदर का अक्स दिखाई देता है। हालांकि कहा जाता है कि यह उनके गांव के नाई का कैरीकेचर है जिसे काक ने अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में चुना। 1965-66 में उत्तर प्रदेश में चंदरभानु गुप्त मुख्यमंत्री थे। हरीश चंद्र शुक्ला ने उन पर कार्टून स्कैच किया और कानपुर से प्रकाशित होने वाले अखबार 'राम राज्य' में भेज दिया। राम राज्य अखबार में यह हरीश चंद्र शुक्ल का पहला कार्टून छपा। संयोग देखिए, सात जुलाई, 1967, कार्टूनों की दुनिया में ऐतिहासिक दिन बन गया, उसी दिन हरीश चंद्र शुक्ल के बड़े बेटे शुभव शुक्ल के जन्म के साथ-साथ देश के जाने माने कार्टूनिस्ट 'काक' का नामकरण हुआ। उस दिन से हरीश चंद्र शुक्ल नेपथ्य में चले गए और दुनिया उन्हें इसी नाम से पहचानने लगी। स्वयं काक इसी नाम से पुकारे जाने के हामी थे। कोई उनके सामने हो और हरीश जी नमस्कार, शुक्ल जी प्रणाम कहे तो वह कोई उत्तर न देकर सीधे सवाल पूछते थे कि यह हरीश चंद्र शुक्ल कहां मिले आपको?

सात जुलाई, 1967 को दैनिक जागरण के पहले पन्ने पर छपे अपने कार्टून के उपरांत काक ने कार्टूनों की दुनिया में ऊंची उड़ान भर दी। एक से एक नुकीला, चुभता हुआ, गुदगुदाता हुआ कार्टून हिन्दी के तमाम अखबारों में दिखने लगा। कानपुर से दैनिक जागरण, आज, जयपुर में राजस्थान पत्रिका, चंडीगढ़ में हिन्दी ट्रिब्यून तक में काक के कार्टून उड़ान भर रहे थे। अपनी बात को बेहद सलीके से अपने प्रिय पात्र बुड्ढे के जरिये कहने वाले काक ने देश के किसी भी बड़े नेता को नहीं छोड़ा जिसका कार्टून न बनाया हो। रघुवीर सहाय की पहल पर काक ने दिनमान के लिए कार्टून बनाने शुरू किए। कई बार उनके कार्टून को ही रघुवीर सहाय ने कवर पेज बना दिया। यह काक की 'काक दृष्टि का ही कमाल था कि रघुवीर सहाय के समय से दिनमान में छपने शुरू हुए कार्टून कन्हैया लाल नंदन, सतीश झा, धनश्याम पंकज के कार्यकाल में भी यथावत छपते रहे। कलकत्ता से रविवार का प्रकाशन शुरू हुआ। रविवार के लिए भी काक अपरिहार्य हो गए। 1967 से 1983 तक कुल 15 बरस तक हर रोज कार्टून बनाने और हर रोज किसी न किसी पत्र-पत्रिका में कार्टून प्रकाशित होने के फलस्वरूप कार्टूनिस्ट काक प्रतिष्ठित हो चुके थे। सेवा निवृत्ति के ढाई दशक बाद भी कार्टून बनाना उनकी दिनचर्या का आवश्यक हिस्सा रहा। काक कहते थे 'जब तक उनकी सांसें हैं, वह कार्टून बनाते रहेंगे।' ■

'नई कहानी' के आधार स्तंभ

6 जनवरी : कमलेश्वर जयंती

हिन्दी साहित्य में कथाकार कमलेश्वर का शुमार उन साहित्यकारों में होता है, जिन्होंने कहानी को नई दिशा प्रदान की। कहानी और नई कहानी का जब भी मूल्यांकन होगा, कमलेश्वर के बिना कोई बात पूरी नहीं हो पाएगी। 6 जनवरी, 1932 को उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में जन्मे कमलेश्वर का जब साहित्य में आगाज हुआ तो जैनेन्द्र, यशपाल और अज्ञेय जैसे बड़े कथाकार उरूज पर थे। श्रेष्ठ होते हुए भी हालांकि, तीनों की कहानियां एक दूसरे से बिल्कुल जुदा थीं। जाहिर है कि कमलेश्वर को इन्हीं मुख्तलिफ धाराओं के बीच ही हिन्दी कथा साहित्य में अपना स्थान बनाना था। उन्होंने इन प्रचलित धाराओं के बरअक्स नई धारा को जन्म दिया। 'नई कहानी' का ढांचा गढ़ा और 'नई कहानी' की इस परिकल्पना में कथाकार मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव आगे चलकर उनके साझेदार हुए। कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव और मोहन राकेश की तिकड़ी ने हिन्दी कथा साहित्य की दिशा बदल कर रख दी।

'राजा निरबंसिया', 'कस्बे का आदमी' और 'जॉर्ज पंचम की नाक' जैसी कमलेश्वर की कहानियों ने कथा साहित्य में नये युग का सूत्रपात किया। पहले 'नई कहानियां' और उसके बाद 'सारिका' कथा साहित्य को समर्पित लघु पत्रिकाओं के जरिए कमलेश्वर ने कहानी के क्षितिज पर हलचल मचा दी। संपादक भैरव प्रसाद गुप्त से 'नई कहानियां' पत्रिका का संपादन संभालते ही उन्होंने पत्रिका में नये कहानीकारों को लेकर तीन नवलेखन अंक निकाले। जिसमें दूधनाथ सिंह, रवीन्द्र कालिया, ज्ञानरंजन, कामतानाथ, काशीनाथ सिंह, श्रीकांत वर्मा आदि की शुरु आती कहानियां प्रकाशित हुईं जो बाद में चोटी के कथाकार साबित हुए। कमलेश्वर ने न सिर्फ़ युवा कथाकारों को मौका दिया, बल्कि नई और पुरानी पीढ़ी को जोड़ने में भी मुख्य भूमिका निभाई। नई पीढ़ी को कथा के संस्कार दिए। हिन्दी साहित्य में 'नई कहानी' आंदोलन के अलावा 'समांतर कहानी' आंदोलन भी कमलेश्वर की ही देन है। 'समांतर कहानी' को उन्होंने आम आदमी के आस-पास की कहानियां करार दिया। बहरहाल 'समांतर कहानी आंदोलन' से भी आगे चल कर कई अच्छे कहानीकार निकले। जितेन्द्र भाटिया, रमेश उपाध्याय, मधुकर सिंह, इब्राहीम शरीफ, गंगाप्रसाद विमल, से.रा. यात्री, मृदुला गर्ग, निरुपमा सेवती, मणि मधुकर, आलम शाह खान आदि 'समांतर कहानी' आंदोलन की ही देन हैं। 'नई कहानी' का आकलन करें तो इन कहानियों में सर्जनात्मक कोशिश है। जीवंत अनुभव को तराश कर कहानी गढ़ी गई। कमलेश्वर 'नई कहानी' के ध्वजवाहक रहे। इन्हें लेकर उन्होंने खूब आरोप-प्रत्यारोप भी झेले। आलोचक शिवदानिसंह चौहान ने जब 'नई कहानी' की छीछालेदर करते हुए कहा,'राकेश, कमलेश्वर या राजेन्द्र यादव ने जो अच्छी कहानियां लिखी हैं, वे नई से अधिक शुद्ध फार्मूलाबद्ध कहानियां ही हैं, जो नये मसनूई परिभाषा सूत्रों के अनुसार लिखी गई हैं।' तब कमलेश्वर ही थे, जो खुल कर 'नई कहानी' के पक्ष में आए। उन्होंने 'नई कहानी' और नये कहानीकारों का पक्ष लेते हुए 'प्रेत बोलते हैं' शीर्षक से संपादकीय लिख चौहान का मुंहतोड़ जवाब दिया। यह संपादकीय आज भी साहित्यिक हल्के में शिद्द से याद किया जाता है। बहरहाल, इन विवादों से लोहा लेते हुए उन्होंने नये कहानीकारों को लेकर 'नई कहानियां' के एक के बाद एक तीन नव लेखन अंक निकाले। छठवें दशक के मध्य में जब हिन्दी कहानी में सेक्स-कुंठा और अश्लीलता का जोर बढ़ा तो उन्होंने कहानी में आई इस प्रवृत्ति पर तीखा प्रहार किया। 'धर्मयुग' में तीन किस्तों में प्रकाशित अपने लेख 'अय्याश प्रेतों का विद्रोह' में उन्होंने ऐसे कहानीकारों की धज्जियां उड़ाकर रख दीं। यही वह दौर था जब आंचलिक कहानियों ने हिन्दी साहित्य में एक नये युग का सूत्रपात किया। शेरवुड एंडरसन की गद्य कृति 'विन्सबर्ग ओहियो' की आंचलिक कहानियों की तरह हिन्दी में भी आंचलिक कहानियां नई इबारत लिख रहीं थीं। आंचलिक कहानियों के बारे में कमलेश्वर की राय थी, 'हमारी आंचलिक कहानियों में बाजारवाद का जवाब है। अपने अंतःकरण के सच को अभिव्यक्त करने की अनूठी कला इनके पास है। अंचल की कहानियों में वैश्विक सोच और प्रतिरोध का स्वर दोनों हैं।' साहित्य लेखन के अलावा कमलेश्वर ने पत्रकारिता, स्तंभ लेखन, सिनेमा, टेलीविजन के लिए पटकथा-संवाद लेखन, कॉमेन्ट्री, सरकारी नौकरी आदि सब कुछ किया। लेकिन बार-बार कथा साहित्य की लौटे। उन्हें 'पद्मभूषण सम्मान' के अलावा उपन्यास 'कितने पाकिस्तान' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कहानी पर कमलेश्वर कितना यकीन करते थे, यह उन्हीं की जुबानी,'कहानी जिंदगी को बदल तो नहीं सकती, लेकिन विचार के ऐसे बिन्दु तक जरूर ले जाती है, जहां पाठक की सोच में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। कहानी दरअसल, जनतांत्रिक मूल्यों की ऐसी साझी विरासत है, जो मानव समाज को आपस में बांधकर रखने में मददगार सिद्ध हो सकती है। क्योंकि, सारी पुरातन सभ्यताओं की लोक चेतना लगभग समान या सह अस्तित्ववादी है।'

प्रस्तुति : जाहिद खान ■

राग रंग | आलोक पराड़कर

साल का सुरीला आगाज

लोग नये साल को होटलों की पार्टियों में मनाते हैं, पर्यटक या धार्मिक स्थलों पर जाते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं, लेकिन अहमदाबाद में नये साल का सुरीला आगाज सप्तक के कार्यक्रमों के साथ होता है। दिग्गज और उभरते कलाकारों की उपस्थिति में यह हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत का देश का सबसे अधिक दिनों तक चलने वाला समारोह है। 13 दिनों के आयोजन में अनुशासित दर्शकों को बड़ी संख्या में मध्य रात्रि तक सुर-ताल का आनंद लेते देखना हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के भविष्य के प्रति आश्वस्त भी करती है। सप्तक स्कूल ऑफ म्यूजिक द्वारा एल.डी. आर्ट्स कॉलेज परिसर में 1 जनवरी से शुरू होकर 13 जनवरी तक चलने वाले संगीत समारोह का यह 45वां वर्ष है। सप्तक की स्थापना 1980 में प्रख्यात सितार वादक पं. रविशंकर और प्रख्यात तबला वादक पं. किशन महाराज की प्रेरणा से हुई। संस्थापक नंदन मेहता तबला वादक थे और पं. किशन महाराज के शिष्य थे। उनकी पत्नी सितार वादिका मंजू मेहता के गुरुपं. रविशंकर थे। नंदन मेहता के 2010 में निधन के बाद मंजू मेहता पर ही पूरे आयोजन का दारोमदार था। बीते अगस्त में मंजू मेहता का 79 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। अब बेटियों-सितार वादिका पूर्वी और तबला वादिका हेतल पर इसकी जिम्मेदारी है।

समारोह का यह वर्ष दिवंगत मंजू मेहता और प्रख्यात तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन की स्मृति को समर्पित किया गया। पहली संध्या में आईं विख्यात गायिका बेगम परवीन सुल्ताना ने कहा कि मंजू मेहता अच्छी कलाकार होने के साथ ही अच्छी इंसान और इस समारोह की कुशल संयोजिका थीं। उन्होंने सप्तक में परिवार जैसा माहौल बनाया। गुजरात में शास्त्रीय संगीत के प्रचार-प्रसार के लिए मेहता दंपति ने जो मेहनत की, वह काबिले तारीफ है। उस्ताद जाकिर हुसैन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी जगह हमेशा खाली रहेगी। उनके जैसा दूसरा कलाकार नहीं होगा। बेगम परवीन सुल्ताना ने इस मौके पर 'मालुहा मांड' राग सुनाया जो उनके पति और गुरु उस्ताद दिलशाद खान द्वारा विकसित है। मांड के इस प्रकार को वे खूब सुनाती रही हैं। तबले पर मुकुंदराज देव और हारमोनियम पर श्रीनिवास आचार्य की संगत में उन्होंने झपताल में बंदिश के उपरांत तीनताल में तराना सुनाया। अपनी आवाज को तीन सप्तक से अधिक ले जाने की खूबी के कारण वे संगीत रसिकों की प्रिय रही हैं, जिसका उदाहरण इस उम्र में भी बरकरार रख लेती हैं। समारोह में उन्होंने राग-वसंत भी सुनाया और कबीर के भजन के बाद 'भवानी दयानी' भी। मंजू मेहता के भाई प्रख्यात मोहन वीणा वादक पं. विश्वमोहन भट्ट के लिए यह अधिक ही भावुक कर देने वाला क्षण था। वे अपने साथ वह गिटार भी ले आए थे जिन्होंने उनके जीवन की दिशा बदल दी और जिसे उनकी बहन मंजू मेहता ने उनके लिए खरीदा था। पं. विश्वमोहन भट्ट ने इस मौके पर बताया कि 1968 में मंजू बहन जब मृणालिनी साराभाई के दल में जर्मनी की यात्रा पर गईं तो वहां उन्हें जो भी पैसे मिले थे, उन्होंने वह सारा पैसा मुझ छोटे भाई के लिए इस गिटार को खरीदने में लगा दिया। इसी गिटार ने मेरा जीवन बदल दिया क्योंकि इसे मैंने मोहनवीणा का रूप दिया।

इस भावपूर्ण माहौल में पं. विश्वमोहन भट्ट ने अपने सात्विक वीणा वादक पुत्र सलिल भट्ट के साथ खुद का बनाया राग-'विश्वकौंस' सुनाया।

पाश्चात्य वाद्य के इन भारतीय रूपों पर पिता-पुत्र का संवाद कनाडा से आए कैसियस खान और कोलकाता के ज्योतिर्मय राय चौधरी की तबला संगति में मोहक बन गया। राग किरवानी में मधुरता और तैयारी का सुंदर समन्वय करते हुए मोहन एवं सात्विक वीणा के हारमनाइजेशन प्रभावों ने भी गहरी छाप छोड़ी। मंजू मेहता द्वारा लाए गए गिटार को सहेजते हुए सलिल भट्ट ने कैसियस खान की मदद से अपनी बुआ का चित्र भी इस पर हमेशा के लिए दर्ज कर दिया है। समारोह के कार्यक्रमों का आरंभ एक जनवरी को मंजू मेहता की शिष्य-शिष्याओं द्वारा प्रस्तुत राग-'कलावती' की रचना से हुआ। सितार वादक पूर्वायन चटर्जी ने तबला वादक शुभ महाराज की संगत में राग-'कौसी कान्हड़ा' सुनाया। दो जनवरी को रूपक कुलकर्णी ने बांसुरी पर राग-'बागेश्री' की मधुर प्रस्तुति की। उनके साथ तन्मय बोस तबले पर थे। वरिष्ठ गायक पं. उल्हास कशालकर ने राग-'नायकी कान्हड़ा' सुनाया। उनके साथ तबले पर योगेश शम्सी थे। तीसरी संध्या में विराज अमर ने राग-'गावती' और 'तिलक श्याम' का गायन किया तो शुभेंदु राव ने सितार पर राग-'जोगेश्वरी' सुनाया। विख्यात वायलिन वादिका एन. राजम की पुत्री संगीता शंकर एवं संगीता शंकर की बेटी रागिनी शंकर ने राग-'आभोगी कान्हड़ा' में सुंदर जुगलबंदी की। तबले पर अभिषेक मिश्र थे। ■

कैनवस | जय त्रिपाठी

संभावनाओं का विस्तार 'डेमियन हर्स्ट'

पिछले कुछ वर्षों में इस सदी के कलाकारों ने अपनी मौलिकता एवं वैचारिक कृतियों के साथ वैश्विक कला जगत में अपना स्थान बनाया है, ऐसे काम करके जो कई मायनों में कई युगों को समेटे हुए हैं, लेकिन हमेशा रूप की सुंदरता को प्रतिध्वनित करते हैं क्योंकि अब, यह सच भी है कि कला व्यक्तिपरक है। किसी भी कलाकार या काम के बारे में आपकी और मेरी राय अलग-अलग हो सकती है, और हम सभी को अपनी राय रखने का अधिकार है। हालांकि इस बात पर हम सहमत हो सकते हैं कि इनमें से कोई भी कलाकार उस कठोर आलोचना के योग्य है, जो उन्हें मिली। फिर भी इन कलाकारों ने आलोचनाओं के बावजूद काम जारी रखा। ये कलाकार खुद पर और अपनी क्षमताओं पर इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने इन विचारहीन टिप्पणियों को अनदेखा कर दिया। कुल मिला कर वैश्विक कला में आज के प्रसिद्ध कलाकारों में एक डेमियन हर्स्ट ने समकालीन कला की गतिशील दुनिया में विश्व भर के कला प्रेमियों की कल्पना को सम्मोहन किया है। यह कलाकार अपने विशिष्ट दृष्टिकोण और नवीन तकनीकों के साथ आधुनिक कलात्मक अभिव्यक्ति में अग्रणी हैं।

वर्ष 1965 को ब्रिस्टल में जन्मे ब्रिटिश डेमियन हर्स्ट जिनका पूरा नाम डेमियन स्टीवन हर्स्ट है, जो उन रचनात्मक कृतियों के लिए वैश्विक कला जगत में जाने जाते हैं, जो जागृत करती हैं। उनमें से एक कलाकृति है 'द फिजिकल इम्पॉसिबिलिटी ऑफ डेथ इन द माइंड ऑफ समवन लिविंग', जो संभवतः कला में मृत्यु के विषय पर बेहतरीन समकालीन कृतियों में से तीव्र वैचारिक कला दृष्टि है। इस कृति में जानलेवा मृत शार्क को फॉर्मेल्डिहाइड से भरे टैंक में रखा गया है। लंदन की साची गैलरी में पहली बार प्रदर्शित इस बड़े इंस्टॉलेशन में लगभग 50,000 डॉलर का खर्च आया था। संरक्षण को दर्शाती इस कलाकृति ने कला में संभावनाओं की सीमाओं को ऐसा विस्तार दिया है जो बहुत कुछ विचार करने को प्रेरित करती हैं। इस कलाकार ने वर्ष 2017 में 'ट्रेजर्स फ्रॉम द व्रेक ऑफ द अनिबलिवेबल' शीर्षक से जहाज के मलबे को उभार कर ऐसी प्रदर्शनी की रही, जलपरियों और राक्षसों पर आधारित विशाल शो था।

हर्स्ट अपनी कला के माध्यम से प्रायः पारंपरिक कला, जीवन और मृत्यु के बहाने सीमाओं को तोड़ते हुए वैचारिकता से प्रभावित करते हैं। अपने काम की अक्सर विभाजनकारी प्रवृत्ति के बावजूद विश्व भर में कला में उनकी भूमिका को लेकर भी हर्स्ट महत्त्वपूर्ण कलाकार बने हुए हैं। उन्होंने 1980-90 के दशक में यंग ब्रिटिश आर्टिस्ट आंदोलन के प्रमुख सदस्य के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की। नश्वरता और मानवीय अनुभव के विषयों में गहराई से उतरने की उनकी क्षमता से समकालीन कला पर उनका प्रभाव पारंपरिक मानदंडों को चुनौती देता है। कला और कला बाजार के बीच की अनिश्चता में भी उनका प्रभाव गहरा है।

जीवन और मृत्यु के जैसे वैचारिक विषयों पर काम करने वाले इस कलाकार ने एक बार अपने शो के सफल होने पर महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की थी, 'मैंने बस सोचा कि 'हे भगवान, मुझे आश्चर्य है कि क्या मैं चेरी के फूल भी बना सकता हूं।' जो 'वेल पेंटिंग्स से विकसित, पोस्ट-इंप्रेशनिस्ट फ्रांसीसी कलाकार पियरे बोनार्ड से प्रेरित रंगीन बिंदुओं से प्रभावित था। इसमें विशेष बात यह थी कि कलाकार ने स्वयं से ब्रश उठा कर इन चित्रों का चित्रण किया था क्यों कि डेमियन हर्स्ट वर्षों से अपने स्टूडियो में सहायकों पर निर्भर थे। हालांकि हर्स्ट ने इस पर काम करना जारी रखा और ऐसी शैली पर पहुंचे जो अमूर्त और प्रतिनिधित्वात्मक के बीच प्रतीत होती थी। कलाकृतियों के निर्माण की प्रक्रिया में यह कलाकार जो भी सीरीज बनाता है, उसका दस्तावेजीकरण करता है, और फिर तय करता है कि खोज के साथ-साथ क्या करना चाहता है।

'डेड हेड' शीर्षक जैसी कृति में मुस्कुराता हर्स्ट अपने सिर को एक लाश की बगल में रखते हुए दिखाई देता है, जो उसके शरीर से अलग हो गई है और जिसे कफन में लपेटा गया है। अतः उन्हें वैचारिक कलाकार के रूप में पहचान मिली। हालांकि वे समकालीन कला जगत में चित्रकार, मूर्तिकार रूप में भी जाने जाते हैं, लेकिन उनकी कलात्मक कला पारंपरिक चित्रकला से परे है। प्रायः विभिन्न माध्यमों जैसे मूर्तिकला, स्थापन कला को अपने रचनात्मक निर्माण का माध्यम बनाते हैं। स्पष्ट करना आवश्यक है कि वे मुख्य रूप से अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। डेमियन स्टीवन हर्स्ट अपनी कला यात्रा के दौरान विभिन्न शैलियों में आगे बढ़ते रहे हैं जिनमें काम की विविधता और नई कलात्मक संभावनाओं की निरंतर खोज के कारण उनकी पहचान है। समकालीन कला में उनका योगदान किसी भी एक शैली से कहीं आगे तक फैला हुआ है। ■

तिरुवनंतपुरम : शनिवार को 63वें केरल राज्य स्कूल कला महोत्सव के दौरान प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

नई दिल्ली : भारत मंडपम में शुरू हुए ग्रामीण भारत महोत्सव के उद्घाटन के बाद कारीगरों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

नई दिल्ली : शनिवार को भारत मंडपम में शुरू हुए ग्रामीण भारत महोत्सव में शामिल महिलाएं।

प्रयागराज : महाकुंभ मेला 2025 से पहले जुलूस में भाग लेते श्री निरंजनी अखाड़े के नगा साधु।

देहरादून : दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह की जयंती से पहले निकाले गए नगर कीर्तन जुलूस में प्राचीन सिख मार्शल आर्ट 'गतका' का प्रदर्शन करते सिख श्रद्धालु।

अमृतसर : सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह की 358वीं जयंती पर नगर कीर्तन निकालते सिख श्रद्धालु।

अजमेर : सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चादर चढ़ाने के लिए पहुंचे केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू।

वेटिकन चर्च में शिक्षकों और अभिभावकों के कैथोलिक संघों के कार्यक्रम में पोप फ्रांसिस।

संगरूर जिले में स्थित खनौरी सीमा पर शनिवार को आयोजित किसान महापंचायत में एकत्रित किसान।

ठंडी और धुंध भरी सुबह को अमृतसर के पास बॉर्डर आउट पोस्ट पुलमोरन में पहरा देते सीमा सुरक्षा बल के जवान।

जब तक जीना है तब तक सीखना है। अनुभव ही जीवन में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।
-अरुण गोविल @arungovil12

संक्षिप्त खबरें

इक्वाडोर के कई प्रांतों में आपातकाल की घोषणा

क्विटो। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने बढ़ती आंतरिक अशांति और सशस्त्र संघर्ष के बीच देश के सात प्रांतों तथा तीन नगर पालिकाओं में 60 दिनों के आपातकाल की घोषणा कर दी है। प्रभावित प्रांतों में गुआयास, लॉस रियोस, मनाबी, सांता एलेना, एल ओरो, ओरेलाना, सुकुम्बियोस के साथ-साथ क्विटो, ला ट्रोनकल और कैमिलो पोंस एनरिका के मेट्रोपॉलिटन जिले शामिल हैं। नोबोआ ने बढ़ती अपराध दर और संगठित सशस्त्र समूहों की बढ़ती मौजूदगी को आपातकाल के मुख्य कारण बताया गया है।

चीन : बाजार में आग लगने से आठ लोगों की मौत

बीजिंग (एपी)। चीन के उत्तरी क्षेत्र में शनिवार को बाजार में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। शिन्हुआ ने कियाओक्सी जिले के एक अधिकारी के हवाले से अपनी खबर में बताया कि झांगजियाकौ शहर के लिगुआंग बाजार में शनिवार दोपहर आग लग गई और स्थानीय समयानुसार अपराह्न दो बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। खबर के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। इस बाजार में लोग मुख्यतः खाद्य पदार्थों की खरीदारी करने आते हैं।

मैक्सिको डिपोर्टेशन हब के रूप में काम करेगा : शीनबाम

वॉशिंगटन। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने हाल ही में एक बड़ा और अप्रत्याशित फैसला लेते हुए यह घोषणा की है कि वह अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मैक्सिको का उपयोग डिपोर्टेशन हब के रूप में करने की अनुमति देंगी। इस हब का इस्तेमाल केवल मैक्सिकन प्रवासियों के लिए नहीं बल्कि अन्य देशों से आए गैर-मैक्सिकन प्रवासियों को भी निर्वासित करने के लिए किया जाएगा। मैक्सिको की राष्ट्रपति ने अचानक अपने पहले के रुख को बदलते हुए कहा, हम उन्हें यहां स्वीकार करेंगे। हम उन्हें सही तरीके से स्वीकार करेंगे और हमारे पास एक योजना है।

छह भारतीय-अमेरिकियों ने ली प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में शपथ

वॉशिंगटन (भाषा)। छह भारतीय-अमेरिकी नेताओं ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। यह पहली बार है जब एक साथ इतनी बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकियों ने प्रतिनिधि सभा के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। शपथ लेने वालों में डॉ. अमी बेरी, सुहास सुब्रमण्यन, श्री थानेदार, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति और प्रमिला जयपाल शामिल है।

सांसद डॉ. अमी बेरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, जब 12 साल पहले मैंने पहली बार शपथ ली थी तब मै भारतीय-अमेरिकी समुदाय का एकमात्र सांसद था और अमेरिकी इतिहास में तीसरा। अब हम छह है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षो में अमेरिकी संसद में हमारे समुदाय के लोगों की संख्या बढ़ेगी। बेरा ने कैलिफोर्निया से प्रतिनिधि के रूपा में लगातार सातवीं बार शपथ ली है।

■ शपथ लेने वालों में डॉ. अमी बेरी, सुहास सुब्रमण्यन, श्री थानेदार, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति और प्रमिला जयपाल शामिल

उन्होंने सभी छह भारतीय-अमेरिकी सांसदों की एक तस्वीर भी पोस्ट की। वहीं खन्ना, कृष्णमूर्ति और जयपाल तीनों ने लगातार पांचवीं बार शपथ ली है। प्रतिनिधि सभा के सदस्य के तौर पर सुहास सुब्रमण्यन ने पहली बार शपथ ली। सुब्रमण्यन ने अपने परिवार और 'हाउस स्पीकर' माइक जॉनसन के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, काम का पहला दिन। अमेरिकी संसद में शपथ लेने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मिशिगन के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेसी थानेदार, कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले रो खन्ना और इलिनोइस के आठवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले राजा कृष्णमूर्ति ने भी शपथ ली। वॉशिंगटन राज्य के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली पहली भारतीय अमेरिकी महिला हैं।

हिलेरी, सोरोस और मेस्सी को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम

वॉशिंगटन (भाषा)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन, फैशन डिजाइनर राल्फ लॉरेन, फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेस्सी, पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत एश्टन कार्टर और विवादास्पद निवेशक जॉर्ज सोरोस के अलावा 14 लोगों को प्रतिष्ठित 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' के लिए नामित किया है।

बाइडन शनिवार दोपहर को अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में पुरस्कार विजेताओं को अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से सम्मानित किया। 'व्हाइट हाउस' ने कहा कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने अमेरिका की समृद्धि, मूल्यों या सुरक्षा, वैश्विक शांति या अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक, सार्वजनिक या निजी प्रयासों में अनुकरणीय योगदान दिया है। बाइडन का मानना है कि महान नेता विश्वास बनाए रखते है, सभी को समान अवसर देते है और शालीनता को सबसे ऊपर रखते है। व्हाइट हाउस ने कहा कि पुरस्कार के लिए चुने गए क्लिंटन, लॉरेन, मेस्सी, कार्टर और सोरोस सहित ये 19 व्यक्ति ऐसे महान नेता है, जिन्होंने अमेरिका और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाया है।

म्यामांर में स्वतंत्रता दिवस पर छह हजार कैदी रिहा

बैंकॉक (एपी)। म्यामांर की सैन्य सरकार ने शनिवार को ब्रिटेन से आजादी की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर सामूहिक माफी के तहत 6 हजार से अधिक कैदियों को रिहा कर दिया है और अन्य कैदियों की सजा कम कर दी है।

जेल में बंद सैकड़ों राजनीतिक बंदियों में से कुछ कैदियों को इसके तहत माफी मिली है। सैन्य शासन के विरोध पर इन लोगों को जेल भेजा गया था। हालांकि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि रिहा कैदियों में आंग सान सू की शामिल हैं या नहीं। सेना ने सत्ता पर कब्जा करने के बाद से सू की को लगभग गुमनामी में रखा है। सू की (79) 27 साल के कारावास की सजा काट रही है।

■ लोकतंत्र समर्थक आंग सान सू की की रिहाई के फिलहाल संकेत नहीं

फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को बेदखल कर सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सैन्य शासन को बड़े पैमाने पर अहिंसक प्रतिरोध का सामना करना पड़ा जो बाद में व्यापक सशस्त्र संघर्ष बन गया है। सरकारी एमआरटीवी टेलीविजन ने बताया कि सैन्य सरकार के प्रमुख जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने म्यामांर के 5,864 कैदियों के साथ-साथ 180 विदेशियों को भी माफी दी है, जिन्हें निर्वासित किया जाएगा। म्यामांर में छुट्टियों और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर बड़े पैमाने पर कैदियों की रिहाई आम बात है। रिहाई की शर्तो में चेतावनी दी गई है कि यदि मुक्त किए गए बंदी दोबारा कानून का उल्लंघन करते है, तो उन्हें किसी भी नई सजा के अलावा अपनी मूल सजा की शेष अवधि भी काटनी होगी।

एक अलग रिपोर्ट में कहा गया कि मिन आंग ह्लाइंग ने 144 कैदियों की आजीवन कारावास की सजा को 15 साल की कैद में तब्दील कर दिया। सैन्य सरकार के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन टुन ने कहा कि रिहा किए जा रहे लोगों में लगभग 600 कैदी शामिल है, जिन पर म्यामांर की दंड संहिता की धारा 505 (ए) के तहत मुकदमा चलाया गया था। म्यामांर की दंड संहिता की धारा 505 (ए) के तहत सार्वजनिक अशांति या भय पैदा करने वाली टिप्पणियां प्रसारित करना या झूठी खबरें फैलाना अपराध है।

देश छोड़ने और तीन साल निर्वासन का था प्रस्ताव

लाहौर (भाषा)। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया है कि उन्हें तीन साल के निर्वासन पर देश छोड़ने का मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। पूर्व क्रिकेटर खान (72) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, जब मै अटक जेल में था तो मुझे तीन साल के निर्वासन पर देश छोड़ने की पेशकश की गई थी, लेकिन मै पाकिस्तान में ही रहूंगा और मरूंगा।

■ जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने किया दावा

खान ने रावलपिंडी की अडियाला जेल में कहा कि उन्हें इस्लामाबाद में बानी गाला निवास में स्थानांतरित करने के लिए परोक्ष रूप से संपर्क किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री अगस्त 2023 से अडियाला जेल में कैद है। खान ने हालांकि एक्स पर जारी पोस्ट में दावा किया कि उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा, मेरा रुख स्पष्ट है। पहले हिरासत में लिये गए मेरे कार्यकर्ताओं और नेताओं को रिहा करें। उसके बाद ही मै अपनी व्यक्तिगत स्थिति पर चर्चा करने पर विचार करूंगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक ने कहा कि उनका मानना है कि पाकिस्तान के फैसले देश के भीतर ही लिये जाने चाहिए। उन्होंने कहा, हालांकि, जब बुनियादी मानवाधिकारों की बात आती है, तो स्वाभाविक रूप से वैश्विक स्तर पर आवाजें उठेंगी। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं इसी उद्देश्य से अस्तित्व में है।

ट्रंप को सुनाई जाएगी सजा लेकिन नहीं जाना पड़ेगा जेल

हश मनी केस

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी केस में 10 जनवरी को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें एक पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप रहने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। हालांकि जज ने संकेत दिया की ट्रंप को जेल या अन्य दंड का सामना नहीं करना पड़ेगा। न्यूयॉर्क के न्यायाधीश जुआन मर्चेन ने संकेत दिया कि वह ट्रंप को जेल की सजा नहीं सुनाएंगे और न ही उन्हें पर जुर्माना लगाएंगे, बल्कि उन्हें 'बिना शर्त बरी' करेंगे।

न्यायाधीश जुआन मर्चेन ने अपने आदेश में लिखा कि निर्वाचित राष्ट्रपति सुनवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल रूप से पेश हो सकते हैं। बता दें डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं। निर्वाचित राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर जज के आदेश को अवैध राजनीतिक हमला बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि मामला धांधली के अलावा कुछ नहीं है। मर्चेन ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत के कारण मामले को खारिज करने के ट्रंप के प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए सजा के लिए अपनी योजना की घोषणा की। ट्रंप के बचाव पक्ष के वकीलों ने तर्क दिया था कि राष्ट्रपति पद के दौरान उनके ऊपर मामले का लटका रहना उनके शासन करने की क्षमता को बाधित करेगा। मर्चेन ने उस तर्क को खारिज करते हुए लिखा कि जूरी के फैसले को दरकिनार करना कानून के शासन को अथाह तरीकों से कमजोर करेगा। सजा सुनाए जाने के बाद ट्रंप के लिए अपील का रास्ता साफ हो जाएगा। मर्चेन ने अपने फैसले में माना कि ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपील करने का इरादा रखते हैं। बता दें ट्रंप पर एक पोर्न स्टार को किए गए भुगतान को कानूनी खर्च के रूप में अकाउंट बुक्स में दिखाकर कानून का उल्लंघन करने का आरोप था। भुगतान ट्रंप के वकील के माध्यम से स्टॉर्मी डेनियल को किया गया था ताकि वह रिपब्लिबकन नेता के साथ अपने यौन संबंध के बारे में खामोश रहें। राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के खिलाफ़ चुनाव लड़ने वाली उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और उनके समर्थकों ने इसे एक प्रमुख मुद्दा बनाया, लेकिन मतदाताओं ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

■ न्यूयॉर्क के न्यायाधीश जुआन मर्चेन ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत के कारण मामले को खारिज करने के ट्रंप के प्रस्ताव को किया अस्वीकार

जॉनसन फिर चुने गए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष

वॉशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका में माइक जॉनसन फिर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष चुने गए हैं। जॉनसन ने मामूली रिपब्लिकन बहुमत के साथ अमेरिकी सदन के अध्यक्ष पद का फिर से चुनाव जीत लिया। अंतिम वोट मिलान 218 से 216 था।

सभी 215 डेमोक्रेट्स ने अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्री के लिए मतदान किया और केंटुकी के रिपब्लिकन कांग्रेसी थॉमस मैसी ने एक अन्य उम्मीदवार जीओपी व्हिप टॉम एम्मर के लिए मतदान किया। दो अन्य रिपब्लिकन दक्षिणी कैरोलिना के राल्फ नॉर्मन और टेक्सास के कीथ सेल्फ ने अध्यक्ष के लिए अन्य उम्मीदवारों को वोट दिया था और जॉनसन के साथ आखिरी मिनट की बातचीत के बाद वोट बदल दिए थे। हालांकि पहले कई रिपब्लिकन सांसदों ने जॉनसन के पुनः चुनाव के विरोध में आवाज उठाई थी। मैसी जिन्होंने अपना नहीं वोट दिया ने हाल ही में कहा कि जॉनसन हाउस स्पीकर के पद के लिए उपयुक्त नहीं है और यदि वह पद पर बने रहते है तो यह अंततः रिपब्लिकन पार्टी को अपना मामूली बहुमत खोने का कारण बनेगा। उन्होंने पहले जॉनसन को अध्यक्ष पद से हटाने के प्रतिनिधि मार्जोरी टेलर ग्रीन के प्रयासों का समर्थन किया था। कैलिफोर्निया के पूर्व रिपब्लिकन अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी को तीन अक्टूबर 2023 को पार्टी के रूढ़िवादियों के विरोध के कारण बाहर कर दिया गया जिससे सदन निष्क्रिय हो गया।

गाजा : इस्त्राइली हमलों में 24 लोगों की मौत

गाजा (वार्ता)। गाजा पट्टी पर इस्त्राइली युद्धक विमानों के हवाई हमले में 24 फिलिस्तीनी मारे गए। इस्त्राइली सेना ने चेतावनी दी कि वह उत्तरी गाजा में एक अस्पताल पर बमबारी करेगी। स्थानीय सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

गाजा की नागरिक सुरक्षा विभाग ने कहा कि हवाई हमलों ने गाजा शहर के पूर्व में अल-शुजाइया पड़ोस के अल-सैयद अली क्षेत्र में फिलिस्तीनियों के एक समूह को निशाना बनाया जिसमें चार बच्चों और एक महिला सहित सात लोगों की मौत हो गई। इससे पहले दिन में गाजा शहर के पश्चिम में अल-शिफा अस्पताल के प्रवेश द्वार के पास हवाई हमले में पांच लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। इस बीच अल-अहली अरब अस्पताल ने पुष्टि की कि उसे गाजा शहर के पश्चिम में अल-नस्त्र स्ट्रीट पर हवाई हमले में मारे गए पांच लोगों के शव मिले है। चिकित्साकर्मियों ने कहा कि मेडिकल टीमों ने बाद में अल-ीटौन और अल-सबरा पड़ोस में हवाई हमलों के बाद तीन बच्चों सहित पांच और शव बरामद किए। मध्य गाजा में अल-जवैदा शहर में नागरिक कार पर हमला होने से दो लोगों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि उनके अवशेषों को दीर अल-बलाह के अल-अक्सा अस्पताल ले जाया गया।

गाजा में जंग थमने की उम्मीदें दोहा में अप्रत्यक्ष वार्ता शुरू

गाजा (आईएएनएस)। गाजा पट्टी में पूर्ण युद्धविराम हासिल करने के मकसद से कतर की राजधानी दोहा में इस्त्राइल और हमास के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता फिर से शुरू हो गई है। फिलिस्तीनी ग्रुप ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि की है। हमास ने कहा, कतर की राजधानी दोहा में अप्रत्यक्ष वार्ता फिर से शुरू हो रही है। हम एक ऐसे समझौते की दिशा में काम करना जारी रखेंगे जो हमारे लोगों की आकांक्षाओं और लक्ष्यों को पूरा करेगा।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने कहा कि वार्ता के नवीनतम दौर में हमारा ध्यान व्यापक और स्थाई युद्धविराम हासिल करने, गाजा से इस्त्राइली सेना की वापसी और विस्थापित फिलिस्तीनियों की उनके घरों में सुरक्षित और जल्द वापसी पर केंद्रित रहेगा। इससे पहले इस्त्राइल ने कहा कि उसने युद्धविराम वार्ता के लिए एक प्रतिनिधिमंडल दोहा भेजा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसकी पुष्टि की थी कि मोसाद, शिन बेट और आईडीएफ (इस्त्राइल रक्षा बल) के पेशेवर अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल वार्ता जारी रखने के लिए दोहा की यात्रा करेगा। इस सप्ताह की शुरुआत में, इस्त्राइल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने दावा किया था कि हमास ने एक हफ्ते के युद्ध विराम का प्रस्ताव रखा है। फिलिस्तीनी ग्रुप का कहना है कि इस दौरान वह गाजा में मौजूद बंधकों के ठिकानों का पता लगाएगा और उन लोगों की सूची प्रदान करेगा जिन्हें रिहा किया जा सकता है। इस्त्राइल ने आधिकारिक तौर पर इस प्रस्ताव पर कोई टिप्पणी नहीं की। बता दें कतर, मिस्त्र और संयुक्त राज्य अमेरिका, दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं। 7 अक्टूबर 2023 इस्त्राइल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है।

उत्तर-पश्चिम जापान में भारी बर्फबारी

टोक्यो (आईएएनएस)। जापान की मौसम एजेंसी ने शनिवार को कहा कि उत्तर से पश्चिम जापान के पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। एजेंसी ने नए साल की छुट्टियों से लौट रहे लोगों से यातायात में होने वाली मुश्किल के लिए तैयार रहने की अपील की। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के अनुसार, शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे तक छह घंटों में निगाटा प्रांत के इटोइगावा शहर में 17 सेंटीमीटर और होक्काइडो के चिप्पुबेस्तु शहर में 14 सेंटीमीटर बर्फ जम चुकी थी।

■ मौसम विज्ञान एजेंसी ने रविवार को भी भारी बर्फबारी का जताया पूर्वानुमान

जेएमए ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे तक, आओमोरी प्रांत के हकोदा पर्वत श्रृंखला के सुकायु में 392 सेंटीमीटर बर्फ जम चुकी थी, जो इस समय के औसत से दोगुनी है, जबकि उसी प्रांत के गोशोगावारा शहर में 107 सेंटीमीटर बर्फ जम चुकी थी, जो औसत से तीन गुनी से भी अधिक है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने जेएमए के हवाले से बताया कि रविवार सुबह तक 24 घंटों में होक्काइडो में 40 सेंटीमीटर और तोहोकू क्षेत्र में 30 सेंटीमीटर बर्फ गिरने की उम्मीद है। शुक्रवार को एजेंसी ने चेतावनी दी थी कि सर्दियों के दबाव पैटर्न और ठंडी हवा के कारण शनिवार तक उत्तरी और पूर्वी जापान में भारी बर्फबारी होने की उम्मीद है, खासकर जापान सागर के तट के पहाड़ी इलाकों में। देश की मौसम एजेंसी के अनुसार, शनिवार सुबह तक 24 घंटे में तोहोकू क्षेत्र में 50 सेंटीमीटर, होक्काइडो और निगाटा प्रांत में 40 सेंटीमीटर, कांटो-कोशिन क्षेत्र में 35 सेंटीमीटर और होकूरिकू और टोकाई क्षेत्रों में 30 सेंटीमीटर तक बर्फबारी होने की उम्मीद है। मौसम अधिकारियों ने लोगों से यातायात में व्यवधान के लिए तैयार रहने को कहा था। साथ ही बिजली के तारों और पेड़ों पर जमने वाली बर्फ के साथ-साथ बर्फ से ढके इलाकों में हिमस्खलन के प्रति सावधानी बरतने की अपील भी की थी। जेएमए ने कहा कि रविवार तक जापान के उत्तरी से पश्चिमी तट तक जापान सागर के तट पर हवाएं तेज हो सकती हैं, कुछ इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। मंगलवार को उत्तरी जापान में भारी बर्फबारी हुई, जिसके कारण दर्जनों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, क्योंकि कई लोग नए साल की छुट्टियों के लिए यात्रा कर रहे थे।

जापान में दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला का निधन

टोक्यो (आईएएनएस)। दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला के रूप में पहचानी जाने वाली 116 वर्षीय टोमिको इटूका का निधन हो गया है। उनका जन्म 23 मई, 1908 को ओसाका में हुआ था। ह्योगो प्रान्त की नगर सरकार ने बताया कि इटूका का इस हफ्ते की शुरुआत में पश्चिमी जापान के आशिया शहर के नर्सिंग होम में निधन हो गया, जहां वह रहती थीं।

जापानी दैनिक द मेनिची की रिपोर्ट के अनुसार, नर्सिंग होम में टोमिको इटूका अपने पसंदीदा लैक्टिक एसिड ड्रिंक का आनंद लेती थीं और अक्सर कर्मचारियों को धन्यवाद कहती थीं। आशिया के मेयर रयोसुके ताकाशिमा ने कहा, अपने लंबे जीवन के माध्यम से, उन्होंने हमें बहुत साहस और आशा दी। मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। दिसंबर 2023 में ओसाका प्रान्त के काशीवारा में 116 वर्षीय फुसा तात्सुमी की मृत्यु के बाद इटूका जापान में सबसे बुजुर्ग जीवित शख्स बनी थी। फुसा तात्सुमी का जन्म 25 अप्रैल, 1907 को हुआ था और उन्होंने अपने अंतिम दिन काशीवारा के नर्सिंग होम में बिस्तर पर बिताए थे। फुकुओका में 119 वर्षीय महिला की मृत्यु के बाद अप्रैल 2022 में तात्सुमी जापान में सबसे बुजुर्ग जीवित व्यक्ति बन गई थीं। सितंबर 2024 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा इटूका को दुनिया के सबसे बुजुर्ग जीवित व्यक्ति के रूप में मान्यता दी गई। उन्हें स्पेन के कैटेलोनिया के ओलोट की 117 वर्षीय मारिया ब्रान्यास मोरेरा की मृत्यु के बाद यह मान्यता मिली थी।

■ टोमिको इटूका का जन्म 23 मई 1908 को ओसाका में हुआ था

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार मोरेरा का जन्म 4 मार्च, 1907 को हुआ था। जापान में औसत जीवन अवधि 2020 में महिलाओं के लिए 87.71 वर्ष और पुरुषों के लिए 81.56 वर्ष थी। कोरोनावायरस से बढ़ती मौतों के कारण 2021 और 2022 में औसत जीवन अवधि में कमी आई है। सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि कोविड-19 महामारी से मौतों में कमी के कारण जापानी लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा तीन साल में पहली बार 2023 में बढ़ी। जापान में महिलाओं की औसत जीवन अवधि 2022 से 0.05 बढकर 87.14 वर्ष हो गई है, जबकि पुरुषों के लिए यह 0.04 बढकर 81.09 वर्ष हो गई है।

जम्मू कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा मिले : कर्ण सिंह

नई दिल्ली (भाषा)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सदर-ए-रियासत डॉक्टर कर्ण सिंह ने जम्मू कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा दिए जाने की वकालत करते हुए कहा है कि मौजूदा स्थिति 'स्वीकार्य नहीं है'। सिंह ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना किसी के 'गले नहीं उतरता, न डोगरों के न कश्मीरियों के'।हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में, तीन बार के राज्यसभा सदस्य और पूर्ववर्ती राज्य के सदर-ए-रियासत सिंह ने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद हुए बदलावों पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर का संवैधानिक दर्जा बदले जाने से पहले पूरी बहस इस बात पर हुआ करती थी कि राज्य को कितनी स्वायत्तता दी जाए। उन्होंने कहा, '370 हटाए जाने के बाद बात पूरी तरह बदल गई। अमेरिका में भारत के राजदूत रह चुके सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर तो भारत का "माथा और मुकुट है... अब मुकुट छोड़कर हिमाचल और हरियाणा से भी नीचे आ गए है। इसे दुरुस्त करने की जरूरत है। मुझे विश्वास है कि सरकार ये जल्द से जल्द करेगी। राज्य का दर्जा बहाल करने के बारे में पूछे जाने पर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने दृढता से जवाब दिया, 'निश्चित रूप से, पूर्ण राज्य का दर्जा।'

■ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह से पहले सीएम उमर अब्दुल्ला ने पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने का मुद्दा उठाया था

उन्होंने हिमाचल प्रदेश के समान अधिवास कानूनों की भी वकालत की, जो स्थानीय लोगों को भूमि स्वामित्व तक सीमित करते है। उन्होंने कहा, 'ये अधिवास कानून है जो हम चाहते है।' सिंह ने दशकों पहले राज्य के तीन हिस्सों में विभाजन का प्रस्ताव रखा था, जिसमें जम्मू को हिमाचल प्रदेश में विलय करना, लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाना और कश्मीर को राज्य के रूप में जारी रखना शामिल था। यह स्वीकार करते हुए कि यह प्रस्ताव अब प्रासंगिक नहीं है, सिह ने कहा, 'हर कोई मेरे पास आया और उस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। आज हालात अलग हैं। जम्मू की अब अपनी अलग पहचान है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास अभी ऐसा कोई क्रांतिकारी प्रस्ताव है, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब एकमात्र क्रांतिकारी सुझाव राज्य के लोगों के हितों की रक्षा के लिए राज्य का दर्जा बहाल हो, अधिवास कानून लागू हो तथा जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों के बीच उचित संतुलन बनाने का एक ईमानदार प्रयास हो।'

राहुल काम करते हुए सीख रहे हैं, प्रियंका 'प्रतिभाशाली लड़की'

नई दिल्ली (भाषा)। वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्ण सिह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी काम करते हुए सीख रहे है और बेहतर हो रहे है। उन्होंने प्रियंका गांधी वाद्रा की भी प्रशंसा करते हुए उन्हें 'प्रतिभाशाली लड़की' कहा। हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार के बाद कठिन सवालों का सामना कर रहे राहुल गांधी के बारे में सिह ने कहा, राहुल बहुत अच्छे युवक है। मै उन्हें बहुत पसंद करता हूं।

सिंह ने कहा, राहुल गांधी उनके नियमित संपर्क में रहते थे, लेकिन हाल में वह ज्यादा संपर्क में नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उनमें सुधार हो रहा है। मुझे लगता है कि वह काम करते हुए सीख रहे है। राहुल प्रधानमंत्री बनेंगे या नहीं, यह कयास का विषय है, लेकिन उनमें काफी क्षमता है और उनके पास खुद को तैयार करने का समय है। सिह ने कहा, वह प्रियंका गांधी वाद्रा को तब से जानते है जब वह बच्ची थीं। उन्होंने प्रियंका की प्रशंसा करते हुए कहा, वह काफी प्रतिभाशाली लड़की है। उनमें जीवंतता है। वह वाकई प्रतिभाशाली है।

जब मैं छठीं या सातवीं कक्षा में थी तब मेरा शारीरिक विकास रुक गया था। स्कूल में मेरे खिलाफ शरारत होती थी। मैं बहुत दुखी रहती थी। मैं परेशानी होकर हर छोटी-छोटी बात पर रोती रहती थी। यह पुरस्कार उन लोगों को जवाब है कि मैं भी कुछ कर सकती हूं और बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकती हूं। मैंने अपने कई साथी खिलाड़ियों को देखा है जो पुरस्कार जीत रहे हैं और उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। इसलिए राष्ट्रीय पुरस्कारों में से एक प्राप्त करना बहुत प्रतिष्ठित है। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। सभी पदक और पुरस्कार मेरे लिए उपहार की तरह हैं। **-नित्या श्री सुमति सिवन, पैरा एथलीट**

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय खेलों की मशाल बागेश्वर पहुंची

पिथौरागढ़। 38वें राष्ट्रीय खेलों की मशाल 'तेजस्विनी' शनिवार को बागेश्वर पहुंची जहां जिला खेल अधिकारियों और खेल प्रेमियों ने इसका स्वागत किया। उत्तराखंड इस महीने के अंत में पहली बार राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी कर रहा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 26 दिसम्बर को हल्द्वानी से खेलों की मशाल रैली को हरी झंडी दिखाई जो 13 जिलों के 99 स्थानों का दौरा करने के बाद 25 जनवरी को देहरादून पहुंचेगी। मशाल 27 दिसम्बर को हल्द्वानी के गौलापार स्टेडियम पहुंची थी। राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी तक देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इसके शुभंकर, गान, लोगो, टैगलाइन और जर्सी का अनावरण किया था। राज्य की खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि मशाल रैली का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को खेलों से जोड़ना है। उन्होंने कहा, 'देहरादून से शुरू हुई तेजस्विनी की यात्रा राज्य भर में कुल 3823 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद राज्य की राजधानी में समाप्त होगी।'

बीसीसीआई सचिव बनेंगे सैकिया, भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा

मुंबई। देवजीत सैकिया ने शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया जबकि प्रभतेज भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया। ये दोनों अधिकारी अपनी भूमिकाओं में नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार हैं। छत्तीसगढ राज्य क्रिकेट संघ के भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया है क्योंकि आशीष शेलार के जाने से यह पद खाली हो गया था। शेलार ने हाल ही में महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। दूसरी ओर सैकिया एक दिसंबर को जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का चेयरमैन बनने के बाद से बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। शाह के पद छोड़ने के बाद बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बोनी ने सैकिया को अंतरिम सचिव के रूप में नामित किया था। बोर्ड की वेबसाइट पर चुनाव कार्यक्रम के अनुसार नामांकन आवेदन शनिवार शाम चार बजे तक दाखिल किए जा सकते थे और सिर्फ सैकिया और भाटिया ने ही अपना नामांकन दाखिल किया है।

सेंथिल, रेवती भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष जूनियर खिलाड़ी सेंथिल कुमार और माया राजेश्वरन रेवती यहां डीएलटीए परिसर में छह जनवरी से शुरू हो रहे आईटीएफ जे300 प्रतियोगिता में क्रमशः लड़के और लड़कियों के वर्ग में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। पिछले सत्र में आईटीएफ जूनियर सर्किट पर कई टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाले सेंथिल के अलावा भारत के शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल हितेश चौहान (तीसरी रैंकिंग), अर्णव पापरकर (चौथी रैंकिंग) और वरूण वर्मा (पांचवीं रैंकिंग) भी लड़कों के वर्ग के मुख्य ड्रॉ में हिस्सा लेंगे। विदेशी खिलाड़ियों में दुनिया के 87वें नंबर के निकता बिलोजेर्त्सेव और तुकी के दुनिया के 111वें नंबर के खिलाड़ी हेदर केम गोकपिनर भी खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे। लड़कियों के वर्ग में घरेलू खिलाड़ियों के अलाव बुल्गारिया की दुनिया की 51वें नंबर की खिलाड़ी योआना कोन्स्टेनटिनोवा, दुनिया की 71वें नंबर की खिलाड़ी फ्रांस की एलिजाह इनिसान और उनकी हमवतन डेपहनी एमपेत्सी पेरिकार्ड (73) आकर्षक का केंद्र होंगी। अदा कुमरू (74) और पेत्रा कोंजिकुसिक (75) लड़कियों के वर्ग में शीर्ष 100 में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं।

क्वार्टर फाइनल में ओपेल्का से हारे नोवाक जोकोविच

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी में लगे नोवाक जोकोविच को शनिवार को यहां ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में रीली ओपेल्का से 7-6 (6), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच साल का अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे थे। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी 24 बार का ग्रैंड स्लैम चैंपियन है। इनमें से 10 खिताब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जीते हैं जो 12 जनवरी से मेलबर्न शुरू होगा। सेमीफाइनल में ओपेल्का का मुकाबला जियोवानी मपेत्शी पेरिकार्ड से होगा, जिन्होंने जैकब मेन्सिक को 7-5, 7-6 (5) से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। लेहेका ने निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया। थॉम्पसन के हट जाने के बाद दिमित्रोव अंतिम चार में पहुंचे।

सिडनी : आस्ट्रेलिया के खिलाफ आतिशी पारी खेलते भारत के ऋषभ पंत।

बुमराह की पीठ में ऐंठन, चिकित्सकों की निगरानी में हैं

सिडनी (भाषा)। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा शनिवार को कहा कि कप्तान जसप्रीत बुमराह की पीठ में ऐंठन है और भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में लक्ष्य का बचाव करते समय मेडिकल स्टाफ से इस स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धता को लेकर जानकारी का इंतजार कर रही है।

बुमराह चोट के कारण एहतियाती स्कैन (जांच) कराने के बाद ड्रेसिंग रूम में लौट आए। उन्हें यहां लंच के बाद केवल एक ओवर गेंदबाजी करने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इस टेस्ट में बुमराह की गेंदबाजी भारत के लिए काफी अहम होगी क्योंकि टीम ने अपनी दूसरी पारी में 141 रन पर छह विकेट गंवा दिये है और उसकी कुल बढत सिर्फ 145 रन की है।

कृष्णा ने दूसरे दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'उनकी पीठ में ऐंठन थी। वह स्कैन के लिए गए थे। मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। जब मेडिकल टीम हमें कोई जानकारी देगी तभी इस बारे में कुछ पता चलेगा।'

बुमराह कुल मिलाकर तीन घंटे और 20 मिनट तक मैदान से दूर रहे, लेकिन उनकी वापसी से ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी से पहले भारतीय खेमे की चिंताएं कम हो सकती हैं। बुमराह की अनुपस्थिति में विराट कोहली ने टीम का नेतृत्व किया। बुमराह इससे पहले पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण 2022 और 2023 के बीच लगभग एक साल तक क्रिकेट से बाहर रहे थे।

श्रृंखला में पहले ही 32 विकेट ले चुके बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 10 ओवरों में 33 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने सुबह के सत्र में मार्नस लाबुशेन का विकेट लिया था। लंच के बाद अपने स्पैल में एक ओवर फेंकने के बाद बुमराह को कुछ असुविधा महसूस हुई। उन्होंने कोहली से बात की और मैदान से बाहर चले गए और फिर आधिकारिक प्रसारकों ने उन्हें टीम के सुरक्षा संपर्क अधिकारी और टीम डॉक्टर के साथ मैदान से बाहर जाते हुए दिखाया।

'फॉक्स स्पोर्ट्स' के दृश्यों में उन्हें एक एसयूवी में स्टेडियम से बाहर निकलते हुए दिखाया गया।

- लंच के केवल एक ओवर की गेंदबाजी के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा बुमराह को
- स्कैन कराने के बाद ड्रेसिंग रूम में लौटे भारतीय गेंदबाज
- तीन घंटा 20 मिनट तक मैदान पर नहीं रहे
- विराट कोहली ने उनकी गैरमौजूदगी में टीम की कमान संभाली

पहली पारी में चार रन की बढ़त के बाद दूसरी पारी में भारत के छह विकेट पर 141 रन

पंत के आक्रामक अर्धशतक से अंतिम टेस्ट रोमांचक मोड़ पर

सिडनी (भाषा)। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर इजहार करते हुए 33 गेंद पर 61 रन बनाए जिससे भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां खेला जा रहा पांचवा और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच दूसरे दिन रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। पहली पारी में 185 रन बनाने वाले भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 181 रन पर ढेर करके चार रन की मामूली बढत हासिल की। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 141 रन बनाए और इस तरह से उसकी कुल बढत 145 रन की हो गई है।

पांचवां टेस्ट

- ऋषभ पंत ने केवल 33 गेंदों पर चार छक्को की बदौलत बनाये 61 रन
- प्रसिद्ध कृष्णा ने चार और मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट अपने नाम किये
- दूसरे दिन गिरे 15 विकेट

पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। इसका सबूत दूसरे दिन गिरे 15 विकेट हैं जो सभी तेज गेंदबाजों ने हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी नजर आ रहा है लेकिन जिस तरह की परिस्थितियां हैं उन्हें देखते हुए उसके लिए लक्ष्य तक पहुंचना आसान नहीं होगा। पंत ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके दिखाया कि इस विकेट पर रन बन सकते हैं। उनकी तूफानी पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। मिशेल स्टार्क की लगातार गेंद पर लगाए गए उनके छक्के दर्शनीय थे।

उनकी इस पारी में भारत को दूसरी पारी में शर्मसार होने से बचा दिया क्योंकि सीम और उछाल लेती पिच पर अन्य भारतीय बल्लेबाज संघर्ष करते हुए नजर आए।

भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी हालांकि ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को नहीं चलने दिया। भारतीय कप्तान बुमराह (33 रन देकर दो विकेट) के एहतियाती तौर पर स्कैन के लिए चले जाने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा (42 रन देकर चार विकेट), मोहम्मद सिराज (51 रन देकर तीन विकेट) और नितीश रेड्डी (32 रन देकर दो विकेट) ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली।

इस मुश्किल विकेट पर विराट कोहली (06) और शीर्ष क्रम के उनके साथी बल्लेबाजों के लिए स्कॉट बोलैंड (42 रन देकर चार विकेट) का सामना करना मुश्किल रहा। कोहली ने श्रृंखला में लगातार आठवीं बार ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर अपना विकेट गंवाया। मैच का तीसरे दिन समाप्त होना लगभग तय लग रहा है लेकिन अगर

विकेट लेकर खुश प्रसिद्ध कृष्णा।

भारत को लक्ष्य का बचाव करना है तो बुमराह का पूरी तरह से फिट होना जरूरी है। अगर बुमराह फिट हो जाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के लिए 175 रन का लक्ष्य हासिल करना भी मुश्किल हो जाएगा। कोहली ने बोलैंड की गेंद पर स्लिप में कैच दिया जिससे 123 टेस्ट मैच खेलने वाले बल्लेबाज का भविष्य संदिग्ध लगता है। बोलैंड ने इससे पहले केएल राहुल (13) और यशस्वी जायसवाल (22) को भी पेवेलियन की राह दिखाई थी। पंत ने हालांकि अपने आक्रामक अंदाज से ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों को बैक फुट पर भेज दिया था। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को मजबूर होकर सीमा रेखा के पास क्षेत्ररक्षक लगाने पड़े। कमिंस ने ही पंत को विकेट के पीछे कैच करा कर अपनी टीम को राहत दिलाई।

इससे पहले बुमराह लंच के बाद एक ओवर करके स्कैन के लिए चले गए। उनकी अनुपस्थिति में कोहली ने टीम की कमान संभाली और गेंदबाजी में आवश्यक बदलाव करके ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों पर दबाव डाला। प्रसिद्ध ने लंच से पहले स्टीव स्मिथ (33) को आउट किया था जो ऑस्ट्रेलिया की पारी का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। दूसरे सत्र में उन्होंने कोण लेती गेंद पर एलेक्स कैरी (21) को आउट किया। कैरी सहज होकर खेल रहे थे लेकिन जब प्रसिद्ध ने अपनी लेंथ हासिल कर ली तो उन्हें खेलना मुश्किल था।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे ब्यू वेबस्टर ने अपना चयन सही साबित करते हुए सर्वाधिक 57 रन बनाए। ऐसे में रेड्डी ने गेंदबाजी ने कमाल दिखाया और अपने दूसरे स्पैल में कमिंस और स्टार्क के विकेट लिए। प्रसिद्ध ने वेबस्टर को आउट करके रही सही कसर पूरी कर दी।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 185

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी :

सैम कोन्स्टास का जायसवाल बो सिराज	23
उस्मान ख्वाजा का राहुल बो बुमराह	02
मार्नस लाबुशेन का पंत बो बुमराह	02
स्टीव स्मिथ का राहुल बो कृष्णा	33
ट्रेविस हेड का राहुल बो सिराज	04
ब्यू वेबस्टर का जायसवाल बो कृष्णा	57
एलेक्स कैरी बो कृष्णा	21
पैट कमिंस का कोहली बो रेड्डी	10
मिचेल स्टार्क का राहुल बो रेड्डी	01
नाथन लियोन नाबाद	07
स्कॉट बोलैंड बो सिराज	09
अतिरिक्त :	**12**
योग : (51 ओवर में सभी आउट)	**181**

विकेट पतन : 1/9, 2/15, 3/15, 4/39, 5/96, 6/137, 7/162, 8/164, 9/166, 10/181

गेंदबाजी : बुमराह 10-1-33-2, सिराज 16-02-51-3, कृष्णा 15-03-42-3, रेड्डी 7-0-32-2, जडेजा 3-0-12-0

भारत दूसरी पारी :

यशस्वी जायसवाल बो बोलैंड	22
लोकेश राहुल बो बोलैंड	13
शुभमन गिल का कैरी बो वेबस्टर	13
विराट कोहली का स्मिथ बो बोलैंड	06
ऋषभ पंत का कैरी बो कमिंस	61
रविंद्र जडेजा नाबाद	08
नीतिश कुमार रेड्डी का कमिंस बो बोलैंड	04
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	06
अतिरिक्त :	**08**
कुल : (32 ओवर में छह विकेट पर)	**141**

विकेट पतन : 1/42, 2/47, 3/59, 4/78, 5/124, 6/129

गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-36-0, कमिंस 11-4-31-1, बोलैंड 13-3-42-4, वेबस्टर 4-1-24-1

कहीं जा नहीं रहा हूं, सिर्फ इस टेस्ट से बाहर हुआ हूं : रोहित शर्मा

सिडनी भाषा)। भारत के सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने संन्यास को लेकर लग रही अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं और आस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से 'बाहर रहने' का कारण खराब फॉर्म था।

खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित ने सिडनी टेस्ट से आराम लिया है और उनकी जगह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी कर रहे हैं। इससे टेस्ट क्रिकेट में रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें लगने लगी हैं।

रोहित ने कहा, 'मैंने संन्यास नहीं लिया है। मैं बाहर हुआ हूं। मैंने कोच और चयनकर्ताओं से यही बात की कि मैं रन नहीं बना पा रहा हूं, फॉर्म में नहीं हूं और इस महत्वपूर्ण मैच में हमें ऐसा खिलाड़ी चाहिये जो फॉर्म में है।' उन्होंने कहा, 'हम बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में टीम में ऐसे खिलाड़ी ज्यादा नहीं होने चाहिये जो फॉर्म में नहीं हैं। यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। मैं कहीं जा नहीं रहा हूं।' सैंतीस वर्ष के रोहित ने कहा कि टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं ने उनके फैसले का समर्थन किया।

उन्होंने कहा, 'मैं कोच और चयनकर्ताओं से कहना चाहता था कि मेरे दिमाग में यह चल रहा है । उन्होंने मेरे फैसले का समर्थन किया । उन्होंने कहा कि तुम इतने साल से खेल रहे हो और तुम्हे पता है कि तुम क्या कर रहे हो।' रोहित ने कहा, 'मेरे लिए यह कठिन फैसला था। लेकिन अगर सब कुछ सामने रखें तो यह फैसला तर्कसंगत था। मैं बहुत आगे की नहीं सोचूंगा।'

रोहित की गैर मौजूदगी में शुभमन गिल को भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने पास रखने के लिए उसे सिडनी टेस्ट हर हालत में जीतना होगा। रोहित ने 2024 में टेस्ट क्रिकेट में 14 मैचों की 26 पारियों में सिर्फ 619 रन बनाये।

कॉन्स्टास के खिलाफ भारतीयों का रवैया पसंद नहीं आया : मैकडॉनल्ड

सिडनी (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि सैम कॉन्स्टास के खिलाफ वह भारतीय खिलाड़ियों के रवैये को पसंद नहीं करते हैं।

गौरतलब है कि गावस्कर बार्डर ट्रॉफी की मौजूदा सीरीज के पांचवे और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन के खेल के आखिरी क्षणों में कॉन्स्टास और भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह के बीच बहस हो गई थी। इस बहस के दो गेंदों के बाद बुमराह ने ख्वाजा को दिन की आखिरी गेंद पर आउट कर दिया था। विकेट लेने के बाद बुमराह दौड़ कर कॉन्स्टास के पास गये और उन्हें घूरा जिसके बाद टीम के अन्य सदस्यों ने जश्न मनाया। मैकडॉनल्ड ने कहा, 'जिस तरह भारत ने उस विकेट का जश्न मनाया वह काफी डराने वाला था। हालांकि यह खेल के नियमों के दायरे में था।'

बंगाल टाइगर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को हराया

राउरकेला (भाषा)। जुगराज सिंह के दो गोल की मदद से श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 4-1 से हराकर हॉकी इंडिया लीग की अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। जुगराज ने 17वें और 38वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागे जबकि सुखजीत सिंह ने पहले और अभिषेक ने 47वें मिनट में फील्ड गोल किये। बंगाल टाइगर्स की यह लगातार तीसरी जीत है। दिल्ली के लिए एकमात्र गोल जेरेथ फर्लोंग ने 53वें मिनट में किया।

रियान रिकेलटन ने जमाया दोहरा शतक

केपटाउन (एपी)। रियान रिकेलटन के पहले दोहरे शतक (259) और काइल वेरेने तथा तेम्बा वावुमा के शतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे और आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 615 रन बना लिये। मेजबान टीम पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच चुकी है। लंच के समय मेजबान टीम पांच विकेट पर 429 रन पर थी। लेकिन इसके बाद उसने पांच विकेट और खो दिये। जवाब में पाकिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 64 रन बना लिये।

लंच के समय रिकेलटन 213 रन बनाकर खेल रहे थे। बाद में वह 259 रन पर आउट हुए। 343 गेंदों की इस पारी में उन्होंने 29 चौके और तीन छक्के लगाये। इस पारी में कप्तान तेम्बा वावुमा ने 179 गेंदों पर 106 रन और काइल वेरेने ने 147 गेंदों पर 100 रन की शतकीय पारी खेली। वेरेन की पारी में पांच छक्के शामिल हैं।

रिकेलटन

ओडिशा पर एफसी गोवा का चार का वार

इंडियन सुपर लीग

भुवनेश्वर (एएफपी)। एफसी गोवा ने ओडिशा एफसी के खिलाफ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में अपना अपराजित प्रदर्शन जारी रखा है, जब गौर्स ने शनिवार को कलिंगा स्टेडियम में खेले गए आईएसएल 2024-25 मुकाबले में मेजबान ओडिशा एफसी को 4-2 से हरा दिया। एफसी गोवा की जीत में 23 वर्षीय मिडफील्डर ब्राइसन फर्नांडिज ने 8वें व 53वें, राइट-विंगर उदांता सिंह ने 452वें और ओडिशा एफसी के राइट-बैक अमेय रानावाडे (आत्मघाती गोल) ने 56वें मिनट में गोल किए।

गौर्स की शानदार जीत से स्पेनिश कोच मैनोलो मार्कुएज निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे। एफसी गोवा 13 मैचों में सात जीत, चार ड्रॉ और दो हार से 25 अंक लेकर तालिका में फिर से तीसरे स्थान पर आ गई है। वहीं, जगरनट्स के खराब डिफेंसिव प्रदर्शन के कारण मिली हार से स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा जरूर नाखुश होंगे।

मैच का दृश्य।

जमशेदपुर ने बेंगलुरु को हराया

उधर जमशेदपुर एफसी ने अपने घरेलू मैदान जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बेंगलुरु एफसी को 2-1 से हरा दिया। रेड माइनर्स की रोमांचक जीत में आस्ट्रेलियाई स्ट्राइकर जर्डन मरे ने 84वें और लेफ्ट-बैक मोहम्मद ओवैस ने 90वें मिनट में गोल किए। जॉर्डन मरे को बराबरी का गोल करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। ब्लूज द्वारा बढ़त गंवाकर हारने से स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा निश्चित रूप से निराश होंगे। इस जीत से मुख्य कोच खालिद जमील जरूर खुश होंगे।

पाकिस्तान के साइम अयूब छह सप्ताह के लिए क्रिकेट से बाहर

कराची (भाषा)। पाकिस्तान के सभी प्रारूपों के युवा सलामी बल्लेबाज साइम अयूब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के दौरान टखने की चोट के कारण छह सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गये। इस चोट के कारण वह अगले महीने शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं।

वह केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे और अंतिम टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को कहा कि उनका एमआरआई और अन्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने साइम को छह सप्ताह के आराम की सलाह दी है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को बाउंड्री पर फील्डिंग करते समय साइम के टखने में चोट लग गई थी। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, 'उनके दाहिने टखने में फ्रैक्चर है जिसे ठीक होने में कम से कम छह सप्ताह लगेंगे।' इस चोट के कारण वह इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला और 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फरवरी में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के साथ होने वाली त्रिकोणीय सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। साइम की जगह टेस्ट टीम में सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक और वनडे में फखर जमां की वापसी हो सकती है।

- त्रिकोणीय सीरीज में भी नहीं खेल पाएंगे

www.rashtriyasahara.com
राष्ट्रीय सहारा

पैसा वसूल

कम पूंजी में कैसे लें प्रॉपर्टी में निवेश का फायदा

प्रापर्टी में निवेश करके अच्छा मुनाफा अर्जित करना हर किसी का सपना होता है। लेकिन प्रत्यक्ष तौर पर प्रापर्टी में निवेश करके मुनाफा कमाने की क्षमता हर किसी में नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में प्रापर्टी में निवेश करके मुनाफा अर्जित करने का जो विकल्प सामने आया है वह है 'अप्रत्यक्ष प्रापर्टी निवेश' का। जी... हां... आप अप्रत्यक्ष तौर पर भी प्रापर्टी में निवेश करके बढ़िया रिटर्न हासिल कर सकते हैं साथ ही इस निवेश में पूंजी भी ज्यादा नहीं लगती

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट- रियल एस्टेट

प्रॉपर्टी में निवेश करके लाभ कमाने के लिए ज्यादा पूंजी की जरूरत होती है। अगर किसी के पास दो-चार लाख रुपये होते हैं और वह प्रापर्टी में निवेश करके लाभ कमाना चाहता है तो उसके लिए यह संभव नहीं है। लेकिन एक तरीका ऐसा भी है जिसको अपनाकर आप कम पूंजी में भी प्रापर्टी में निवेश करके बेहतरीन मुनाफा अर्जित कर सकते हैं। आज से कुछ वर्षों पहले तक संपत्ति में निवेश को अक्सर मकान, फ्लैट या जमीन खरीदने तक ही सीमित समझा जाता है। लेकिन हर निवेशक के पास इतनी बड़ी पूंजी नहीं होती, और प्रत्यक्ष संपत्ति निवेश में जोखिम भी ज्यादा होता है। ऐसे में संपत्ति में अप्रत्यक्ष तौर पर निवेश एक आसान और लाभकारी विकल्प बनकर उभरा है। इसमें रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी), संपत्ति क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों, बांड या संपत्ति सूचकांक में निवेश किया जाता है। यह तरीका निवेशकों को छोटी पूंजी के साथ संपत्ति बाजार में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही, यह तरीका मुनाफा या डिविडेंड के रूप में निवेशकों को बढ़िया रिटर्न भी मुहैया कराता है।

संपत्ति में अप्रत्यक्ष निवेश के फायदे

अप्रत्यक्ष संपत्ति निवेश के कई फायदे हैं। सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें शुरुआती पूंजी कम लगती है। जहां प्रत्यक्ष संपत्ति में लाखों रुपये की जरूरत होती है, वहीं रीट (आरईआईटी) या संपत्ति शेयरों में ₹5000 से भी कम में निवेश शुरू किया जा सकता है। इसके अलावा, इसमें तरलता अधिक होती है। शेयरों को बाजार में आसानी से खरीदा-बेचा जा सकता है, जबकि प्रॉपर्टी बेचने में अधिक समय और लागत लगती है। इससे निवेशक अपने वित्तीय लक्ष्यों को बेहतर तरीके से प्रबंधित कर सकते है। इसके अलावा, संपत्ति निवेश में जोखिम को कम करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाना भी संभव हो जाता है।

रखरखाव के खर्च की कोई चिंता नहीं

अक्सर देखा जाता है कि संपत्ति के रखरखाव या मेनटेनेंस के नाम पर काफी रकम हर साल खर्च हो जाती है लेकिन 'अप्रत्यक्ष संपत्ति निवेश' का विकल्प उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो प्रापर्टी के प्रबंधन और रखरखाव से बचना चाहते है। अप्रत्यक्ष निवेश में संपत्ति के रखरखाव की जिम्मेदारी पेशेवर कंपनियों पर होती है, जिससे निवेशकों को दैनिक झंझटों से राहत मिलती है। इसके अलावा, अप्रत्यक्ष निवेश से आप अपने पोर्टफोलियो को विविधता भी दे सकते है। विभिन्न क्षेत्रों और संपत्ति परियोजनाओं में निवेश कर आप अपने जोखिम को संतुलित कर सकते है। यह तरीका संपत्ति बाजार की अस्थिरता से बचाव का भी एक अच्छा माध्यम है। साथ ही, नए निवेशकों के लिए यह सीखने का एक बेहतर अवसर भी देता है, क्योंकि वे छोटी राशि के साथ बाजार की संरचना को समझ सकते हैं।

सावधानी और जोखिम प्रबंधन जरूरी

हालांकि, अप्रत्यक्ष तौर पर संपत्ति में निवेश पर भी जोखिम है। स्टॉक मार्केट की अस्थिरता के कारण निवेशकों को नुकसान भी हो सकता है। इसलिए बाजार का पूरा अध्ययन और विशेषज्ञ की सलाह लेना अनिवार्य है। निवेशक को यह समझने की जरूरत है कि अप्रत्यक्ष निवेश उन्हें सीधे संपत्ति खरीदने जैसा अनुभव तो नहीं देगा, लेकिन यह जोखिम और पूंजी की समस्या को काफी हद तक हल करता है। व्यक्तिगत वित्त के दृष्टिकोण से यह उन निवेशकों के लिए आदर्श है, जो सीमित संसाधनों के साथ शुरुआत करना चाहते हैं। इस प्रक्रिया में, अपने निवेश उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए लंबी अवधि के लक्ष्यों को प्राथमिकता देना चाहिए।

संपत्ति निवेश का संतुलित दृष्टिकोण

निवेश की दुनिया में, संतुलित पोर्टफोलियो बनाना सफलता की कुंजी है। जहां प्रत्यक्ष संपत्ति निवेश बड़े मुनाफे का अवसर देता है, वहीं अप्रत्यक्ष निवेश जोखिम को कम करने में मदद करता है। छोटी पूंजी, कम जोखिम और अधिक तरलता के साथ संपत्ति बाजार का हिस्सा बनने का यह स्मार्ट विकल्प है। नए निवेशकों के लिए, यह एक उत्कृष्ट मार्ग है। साथ ही, अनुभवी निवेशक इसे अपने पोर्टफोलियो में संतुलन बनाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। यदि आप संपत्ति निवेश के अप्रत्यक्ष रास्ते को अपनाने पर विचार कर रहे है, तो विशेषज्ञ की सलाह लें और अपनी वित्तीय योजना को सुरक्षित और संतुलित बनाएं। ■

NRI के लिए बेहतरीन निवेश योजना है PIS

सरकार ने अनिवासी भारतीयों के लिए एक खास निवेश योजना पेश की है। इस योजना के तहत अनिवासी भारतीय को पूर्व निर्धारित बैंक शाखा में एक विशेष प्रकार का खाता खोलना होता है और बाद में इसी खाते के जरिए वे भारतीय शेयर या बांड बाजार में निवेश कर सकते हैं। आइए आज हम इस विशेष योजना के बारे में विस्तार से जानने की कोशिश करते हैं

बलवंत जैन

एक्सपर्ट- टैक्स एंड इन्वेस्टमेंट

ऐसे भारतीय नागरिक जो फेमा नियमों के तहत अनिवासी बन गए हैं या जो भारतीय मूल के व्यक्ति (पीओआई) हैं उनके लिए आरबीआई ने स्टाक एक्सचेंजों के माध्यम से शेयरों और परिवर्तनीय डिबेंचर में निवेश करने के लिए एक खास योजना बनाई है जिसे पीआईएस (पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट स्कीम) कहा जाता है। इस योजना में निवेश करने के बहुत सारे फायदे एनआरआई को मिलते हैं।

पीआईएस में निवेश के लिए कहां खोलें खाता

भारतीय कंपनियों के शेयर और परिवर्तनीय डिबेंचर खरीदने और बेचने के लिए एनआरआई के पास बैंक की निर्दिष्ट शाखा में अपना खाता होना चाहिए। निवेश प्रत्यावर्तन या गैर प्रत्यावर्तन के आधार पर किया जा सकता है। प्रत्यावर्तन के आधार निवेश करने के लिए आपको एक एनआरई (गैर निवासी एक्स्टर्नल खाता) और पीआईएस खाता खोलना होगा। इसी तरह गैर प्रत्यावर्तन के आधार पर निवेश करने के लिए आपको एक एनआरओ (गैर निवासी साधारण) पीआईएस खाता खोलना होगा। इन बैंक खातों का उपयोग केवल शेयरों की खरीद और बिक्री के वित्तीय लेनदेन के सीमित उद्देश्यों के लिए ही किया जा सकता है। एनआरई पीआईएस खाते में जमा की जा सकने वाली राशि आम तौर पर वही होती है जो आपके नियमित एनआरई खाते के जमा की जा सकती है। इस योजना के तहत लेन-देन केवल पंजीकृत शेयर ब्रोकर के माध्यम से ही किया जा सकता है। इस योजना के तहत सभी लेन-देन के बारे में नामित शाखा नियमित रूप से सूचित रखा जाना चाहिए। एक समय पर आपको स्टाक एक्सचेंजों के माध्यम से शेयर/परिवर्तनीय बांड खरीदने और बेचने के उद्देश्य से केवल एक एनआरई पीआईएस और एक एनआरओ पीआईएस खाता रखने की अनुमति है, परंतु निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद इस योजना के तहत अपनी अधिकृत शाखा को बदला जा सकता है।

व्यक्तिगत निवेश की सीमा

हालांकि पीआईएस के तहत आप कितना निवेश कर सकते है, उसकी कोई सीमा नहीं है, लेकिन पीआईएस के तहत आपको शेयरों के मामले में किसी भी भारतीय कंपनी की पूंजी का केवल 5% तक खरीदने और रखने की अनुमति है। इसी तरह परिवर्तनीय डिबेंचर के मामले में आपको प्रत्यावर्तन और गैर प्रत्यावर्तन के आधार पर कुल मिलाकर डिबेंचर की प्रत्येक श्रृंखला का केवल 5% तक निवेश करने की अनुमति है। हालांकि सभी एनआरआई द्वारा कुल मिलाकर निवेश 10% से अधिक नहीं हो सकता।

कंपनी बढ़ा सकती है निवेश सीमा

कम्पनी से सम्बंधित सीमा को व्यक्तिगत एनआरआई निवेशक द्वारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए, लेकिन 10% की सीमा की निगरानी संबंधित कंपनी द्वारा की जानी चाहिए। कंपनी अपने सदस्यों द्वारा पारित विशेष प्रस्ताव द्वारा बिना आरबीआई की अनुमति के 10% की सीमा को 24% तक बढ़ा सकती है। इसके बाद की सीमा को बढ़ाने करने के लिए कंपनी को आरबीआई की अनुमति लेनी होगी।

ट्रांसफर नहीं कर सकते शेयर

पीआईएस के तहत खरीदे गए शेयर/डिबेंचर केवल भारतीय स्टॉक एक्सचेंज पर पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से ही बेचे जा सकते है और ओफ मार्केट सौदे के तहत नहीं बेचा जा सकता। ओफ मार्केट सौदे के लिए आपको आरबीआई से मंजूरी लेनी होगी। इसी तरह पीआईएस के तहत किए गए निवेश को आरबीआई की मंजूरी के बिना उपहार में नहीं दिया जा सकता है। इसके अलावा किसी अन्य तरीके से भी हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। लेकिन अगर आप कंपनी कानून के प्रावधानों के तहत परिभाषित अपने सम्बंधी को उपहार में देना चाहते हैं तो ऐसे में अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

पीआईएस ट्रांजेक्शन में कुछ प्रतिबंध

पीआईएस के तहत आपको केवल डिलीवरी के आधार पर ही निवेश करने की अनुमति है और डे ट्रेडिंग की अनुमति नहीं है। इस योजना के तहत एनआरआई शॉर्ट सेलिंग नहीं कर सकते है। केवल गैर-प्रत्यावर्तन आधार परआपको फयूचर एवं आप्शन के सौदे करने की अनुमति है । इसी तरह आपको करेंसी विभाग में किसी भी प्रकार के सौदे करने की भी अनुमति नहीं है। इस योजना के तहत खरीदी गई प्रतिभूतियों को गिरवी भी नहीं रखा जा सकता है।

आवासीय स्थिति में परिवर्तन

जब आप हमेशा के लिए भारत वापस आते है और इस तरह फेमा के तहत निवासी बन जाते है, तो आपको इन प्रतिभूतियों को तुरंत बेचने की आवश्यकता नहीं है पीआईएस के तहत किए गए इन निवेशों को बनाए रखने की अनुमति है। आपको अपनी आवासीय स्थिति में बदलाव के बारे में अपनी निर्दिष्ट शाखा को सूचित करना होगा और तदानुसार बैंक आपके मौजूदा एनआरई पीआईएस और एनआरओ पीआईएस खातों को नियमित बैंक खातों में बदल देगा। आपको निवासी के रूप में एक नया डीमैट खाता भी खोलना होगा और पीआईएस के तहत खोले गए डीमैट खाते के तहत रखी गई सभी प्रतिभूतियों को नए खाते में स्थानांतरित करना होगा। कृपया ध्यान दें कि एक बार जब आप फेमा के तहत निवासी बन जाते है, तो आप पीआईएस के तहत किए गए इन निवेशों को बनाए रख सकते है, लेकिन आपको भारत के बाहर पैसे भेजने की अनुमति नहीं है। एक निवासी भारतीय के रूप में आप लिब्रलाइज्ड रेमिटेंस योजना के तहत हर साल 2.5 लाख तक भेज सकते है।

jainbalwant@gmail.com

आनलाइन ठगी से कैसे बचें सोशल मीडिया यूजर्स

तकनीक के जहां कई तरह के फायदे होते हैं वहीं तकनीक के गलत इस्तेमाल के कई तरह के नुकसान भी होते हैं। अगर हम बात करें आनलाइन पेमेंट तकनीक की तो हम साफ तौर पर यह कह सकते हैं कि दुनियाभर में आनलाइन पेमेंट तकनीक का इस्तेमाल करने वालों को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिये आनलाइन पेमेंट करते वक्त या कोई पेमेंट स्वीकार करते वक्त आपको एकदम अलर्ट रहना है। मौजूदा दौर में आनलाइन ठगी का एक नया जरिया सामने आया है और वह जरिया है सोशल मीडिया। जी... हां... अब सोशल मीडिया मंचों के जरिये भी आनलाइन ठगी होने लगी है इसलिये इन मंचों के इस्तेमाल में भी सतर्कता बरतने की जरूरत है

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

साइबर ठगों द्वारा अनलाइन ठगी के लिए नित नए तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ठगी की घटनाएं इतनी बढ़ चुकी हैं कि साइबर अपराध का ग्राफ तेजी से ऊपर चढ़ रहा है। सरकार ने साइबर ठगी खासकर सोशल मीडिया के माध्यम से ठगी किए जाने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए अलर्ट जारी किया है कि लोग सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते वक्त अतिरिक्त सतर्कता बरतें। अन्यथा साइबर ठगों द्वारा सोशल मीडिया यूजर्स के बैंक खातों से मोटी रकम उड़ाई जा सकती है। सोशल मीडिया ठगी में जिन सोशल मीडिया मंचों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है और साइबर ठगों द्वारा कैसे इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है आइए आज हम इन्हीं बातों के बारे में विस्तारपूर्वक जाने की कोशिश करते हैं।

किन सोशल मीडिया मंचों पर हो रही ठगी

साइबर ठगी में जिन सोशल मीडिया मंचों के यूजर्स को निशाना बनाया जा रहा है उसमें व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम के यूजर्स सर्वाधिक हैं। सबसे ज्यादा यानी लगभग 44 हजार शिकायतें व्हाट्सऐप यूजर्स द्वारा दर्ज कराई गईं। यह शिकायतें बीते साल के शुरुआती तीन माह में ही दर्ज कराई गई हैं। इसके अलावा टेलीग्राम यूजर्स द्वारा 23 हजार और इंस्टाग्राम यूजर्स द्वारा करीब 20 हजार मामले वर्ष 2024 के शुरुआती तीन महीनों में दर्ज कराए गए।

ऐप यूजर्स बनते हैं शिकार

सोशल मीडिया मंचों के जरिए किए जा रहे आनलाइन फ्राड का शिकार सबसे ज्यादा ऐसे यूजर्स बनते हैं जो मोबाइल ऐप के जरिये इन सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल करते हैं। डेस्कटाप या लैपटाप पर इन मंचों का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स आमतौर पर साइबर ठगों का निशाना नहीं बनते। इसकी वजह इन सोशल मीडिया मंचों का डेस्कटाप संस्करण ज्यादा सुरक्षित होता है। इसके अलावा ऐप यूजर्स का डेटा सुरक्षित नहीं होता है और ऐप बनाने वाली कंपनी के पास यूजर्स की सभी सूचनाएं यहां तक कि पासवर्ड भी उपलब्ध होते हैं। इसके अलावा मोबाइल फोन में कई सारे ऐसे ऐप भी होते हैं जो हर घंटे आपके फोन में उपलब्ध जानकारी को एक्सेस करते रहते हैं। इसकी अनुमति भी ऐप यूजर्स द्वारा ऐप का इस्तेमाल करते वक्त 'अलाऊ' बटन को दबाकर दी जाती है। साथ ही मोबाइल ऐप पर ई कामर्स ट्रांजेक्शन करते वक्त यूजर्स अपनी निजी जानकारी डालता है तो उसकी सारी जानकारी विभिन्न प्रकार के ऐप द्वारा संग्रहीत कर ली जाती है। आंकड़े बताते हैं कि बीते साल कई ऐसे लोग साइबर ठगी का शिकार हुए जिनकी जीवनभर की कमाई लुट गई। आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में बीते साल करीब 85 लाख करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी की गई जबकि भारत में बीते साल हर रोज 60 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी की गई।

ऑनलाइन पेमेंट का चलन भी जिम्मेदार

हालांकि आनलाइन पेमेंट की सुविधा काफी सुरक्षित होती है और इसके जरिये ब्लैक मनी पर सरकार का नियंत्रण भी बना रहता है। लेकिन

हैकर्स सरकार की सोच से कहीं ज्यादा तेज हैं और हर दिन साइबर ठगी के नए तरीके ईजाद कर लेते हैं। हैकर्स आनलाइन भुगतान करने वालों पर नजर रखते हैं और मौका मिलते ही उनके बैंक खाते से पैसे उड़ा लेते हैं। इन दिनों डिपाजिट स्कैम के नाम से धोखाधड़ी का एक नया तरीका सामने आया है। डिपाजिट स्कैम के तहत किसी भी यूजर के मोबाइल वालेट ऐप पर हैकर्स द्वारा कुछ रकम डिपाजिट कराई जाती है। रकम डिपाजिट करने के तुरंत बाद एक विड्राल रिक्वेस्ट भी हैकर्स द्वारा डाल दी जाती है। यूजर्स जब देखता है कि उसके पास किसी ने कुछ रकम भेजी है तो वह पासवर्ड डालता है जबकि यह पासवर्ड हैकर्स की रिक्वेस्ट का पासवर्ड होता है। इसके डालते ही खाते से सारे पैसे साफ हो जाते हैं। इसके अलावा दर्जनों ऐसे तरीके हैं जिनके जरिये आनलाइन धोखाधड़ी की जा रही है। इसी को देखते हुए ही सरकार ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि सभी पेमेंट करते वक्त या ओटीपी अथवा पासवर्ड डालते वक्त खूब सोच समझकर ही ओटीपी या पासवर्ड इंटर करना चाहिए। इस तरह की घटनाएं अब फेसबुक यूजर्स के साथ भी सामने आई हैं जहां लोन ऐप्स का लिंक डालकर फेसबुक यूजर्स को उस ऐप पर आने को कहा जाता है जैसे ही वह लिंक को क्लिक करता है यूजर्स उसका बैंक अकाउंट साफ कर देता है।

क्या बरतें सावधानी

साइबर ठगी से बचने के लिए एक दो नहीं बल्कि दर्जनों तरह की सावधानियां बरतने की जरूरत है। पहली बात तो यह कि किसी भी भुगतान के वक्त ओटीपी या पासवर्ड डालने से पहले भली प्रकार सभी चीजों की जांच कर लेनी चाहिए। इसके अलावा अगर किसी यूजर्स के पास कोई लिंक, ओटीपी इत्यादि आया है या कोई भुगतान अया है तो उसे स्वीकार करते वक्त भली भांति यह जांच लेना चाहिए कि वह भुगतान उसके पास क्यों आया है। इसके बाद ही उस भुगतान को स्वीकार करना चाहिए। इसके अलावा कोई भी पासवर्ड डालने से पहले एक बार गलत पासवर्ड डालना चाहिए। इसका फायदा यह होता है कि किसी हैकर्स द्वारा डाली गई रिक्वेस्ट का पासवर्ड उस वक्त डिसेबल हो जाता है जब आप कोई नया पासवर्ड डालते हैं। इसके अलावा अपने पासवर्ड को यूनीक बनाएं और समय-समय पर उसे बदलते रहें। कोशिश करें कि हर माह अपना पासवर्ड बदल दें तो बेहतर होगा। यूनीक पासवर्ड बनाने के लिए स्माल लेटर, कैपिटल लेटर, स्पेशल सिम्बल आदि का चयन किया जा सकता है। ■

फिल्म/ओटीटी

पर्दे पर इतिहास लाने को तैयार कंगना रनौत

2025 में आपातकाल की घोषणा के 50 साल पूरे हो रहे हैं, जो भारतीय इतिहास के सबसे निर्णायक और विवादास्पद अध्यायों में से है। यह वह दौर था, जब लोकतंत्र को निलंबित कर दिया गया था, मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाया गया और राष्ट्र को अभूतपूर्व संवैधानिक संकट का सामना करना पड़ा। कंगना रनौत की आगामी फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को रिलीज़ होने वाली है। अनुपम खेर को जयप्रकाश नारायण के रूप में, श्रेयस तलपड़े को अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में और मिलिंद सोमन को फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के रूप में इमरजेंसी में है और विचारोत्तेजक संगीत है।

कौन सा बाम इस्तेमाल करते मनोज बाजपेयी

फिर साबित हुआ कि इस इंडस्ट्री में मनोज बाजपेयी सर्वश्रेष्ठ हैं। बाजपेयी ने अंतरंग दृश्य को फिल्माने के दौरान उन पर पड़ने वाले शारीरिक तनाव के बारे में बताया। शूटिंग को याद करते हुए, वह हंसते हुए कहते हैं- "इससे मेरी पीठ के निचले हिस्से पर बहुत असर पड़ा क्योंकि कनु 20 टेक्स चाहते थे।" हालांकि अपनी पूर्णतावाद के लिए जाने जाते हैं, बाजपेयी ने सेट पर हल्के-फुल्के पलों को साझा किया, बताया कि कैसे निर्देशक कनु के कई टेक्स पर जोर देने से वह शारीरिक रूप से थक गए थे लेकिन उनके पास बताने के लिए कई मजेदार कहानियां हैं। मनोज बाजपेयी ने कहा- "फिल्म के कुछ शॉट असाधारण रूप से अच्छे थे और यह सब कनु की वजह से है। वह 40 टेक्स से पहले संतुष्ट नहीं होते। सेट पर मजाक चल रहा था कि वह 20 टेक्स के बाद ही शूटिंग के लिए वार्म-अप करते हैं। कल्पना कीजिए कि 20 टेक्स करने से मेरी पीठ के निचले हिस्से पर बहुत असर पड़ा। यह आसान नहीं था। यहां तक कि सहायक निर्देशक और वहां खड़ी लड़कियां भी बुरा महसूस कर रही थी और मुझे सलाह दे रही थी कि मुझे अपनी पीठ के निचले हिस्से के लिए कौन सा बाम इस्तेमाल करना चाहिए।" शारीरिक तनाव के बावजूद सेट पर हल्के-फुल्के माहौल को याद करते हुए वह हंसते हैं। डिस्पैच में, अपराध पत्रकार जॉय बैग (मनोज बाजपेयी) संघर्ष करते हैं क्योंकि समाचार उद्योग तेजी से डिजिटल में बदल रहा है। जॉय 8,000 करोड़ के घोटाले पर ठोकर खाता है, जो सब कुछ उजागर करने की धमकी देता है। उन्होंने आगे कहा- "मुझे एहसास हुआ कि नौकरी करना एक बात है लेकिन जान गंवाने का जोखिम जानना दूसरी बात है।"

अर्जुन रामपाल के साथ यादगार जर्नी

बंदिश बैंडिट्स का दूसरा सीज़न रिलीज हुआ है और शो में आकर्षक पियानो वादक की भूमिका निभाने वाले रोहन गुरबक्सानी को अपने आदर्शों में से अर्जुन रामपाल के साथ काम करने का मौका मिला। दिलचस्प बात है कि इससे पहले रोहन ने अर्जुन रामपाल अभिनीत फिल्म रॉक ऑन 2 में बतौर एडी के रूप में काम किया और अर्जुन को बंदिश बैंडिट्स के सेट पर देखकर वो यादें ताजा हो गईं। वे बताते है कि, जैसे ही मैंने अर्जुन रामपाल को सेट पर देखा, तुरंत पुरानी यादें ताज़ा हो गई । रॉक ऑन में उन्होंने जो मैस्करेनहास की भूमिका निभाई थी जिसके के बाद मै उनका बहुत बड़ा प्रशंसक बन गया था। जब मै कॉलेज में था, मैंने एक्सेल एंटरटेनमेंट में इंटर्निशप की थी और गेटवे ऑफ इंडिया के सामने रॉक ऑन 2 की एक शूटिंग थी। रोहन कहते है कि एक गाने की शूटिंग के लिए स्टेज पर अर्जुन को परफॉर्म करते देखकर वह उनसे प्रभावित हो गए थे। उस समय मै उनके सेट पर सिर्फ एडी था और अब मै इस बड़े शो में उनके सामने अभिनय कर रहा था, यह बहुत अच्छा एहसास था। वह शीतलता की प्रतिमूर्ति है और आप इसे उनकी चाल, व्यवहार और उनकी आवाज़ में देख सकते है। उनकी सहजता ने मुझे सहज महसूस कराया था," ।

गिरगिट की साजिश

सोनी सब का 'तेनाली रामा' के तेनाली रामा (कृष्ण भारद्वाज) की व्यक्तिगत और राजनीतिक प्रतिकूलताओं से निपटने के दौरान चुनौतियों को हल करने की यात्रा को दर्शाता है। शारदा (प्रियंवदा कांत) और अम्मा (निमिषा वखारिया) बुरे सपने से परेशान हैं। कृष्ण ने कहा- "राम अपनी मृत्यु की अफवाह फैलाते हुए विजयनगर वापस लौटने के लिए अपनी प्रतिष्ठित बुद्धि का उपयोग करता है। राज्य में अपना स्थान पुनः प्राप्त करने और खतरे से इसे बचाने के दृढ़ संकल्प को दिखाया जाएगा। यह रोमांचक कहानी है और गिरगिट राज के साथ ड्रामा, रहस्य और हास्य का मिश्रण पसंद आएगा।"

नये साल के लिये फैशन टिप्स

हम सभी बड़े ही स्टाइल से 2025 का स्वागत कर रहे हैं। एंड टीवी की प्रमुख अभिनेत्रियां फैशन और मेक-अप के लिये उम्दा सुझाव दे रही हैं, ताकि जश्न की हर पार्टी में चमक बिखेर सकें.

गीतांजलि मिश्रा - आराम सबसे ज्यादा जरूरी है फिर चाहे आप जश्न ही क्यों ना मना रहे हों। नये साल के लिए खूबसूरत जंपसूट या विशेष रूप से बनाए गए पैंटसूट के साथ स्टेटमेंट ईयररिंग्स ट्रेंडी होने के साथ ही प्रैक्टिकल भी रहेंगे। फ्रेश एवं जिंदादिल दिखने के लिये ड्यूई बेस, रोज़ी चिक्स और ग्लॉसी लिप को आजमाएं।

शुभांगी अत्रे - सर्दी की पार्टियों के लिये फ्यूजन वियर सबसे बढ़िया होता है। मुझे लहंगा स्कर्ट को टर्टलनेक टॉप या क्रॉप्ड स्वेटर के साथ पहनना पसंद है। वह स्टाइलिश और अनूठा लगता है। थोड़ी चमक वाली स्मोकी आईज़ और बोल्ड रेड लिप तुरंत लुक को शानदार बना सकता है। एसेसरी के तौर पर चोकर नेकलेस का इस्तेमाल करें और अपने लुक को बेहतर बनाएं।

नेहा जोशी - सर्दियों में होने वाली पार्टी लेयर्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने का सबसे बढ़िया मौका देती हैं। वेलवेट ब्लेज़र के साथ तड़क-भड़क वाली ड्रेस पहनने से आराम मिलता है और खूबसूरत दिख सकते हैं। मेक-अप के लिये, मेटैलिक आईशैडोज से बोल्ड आई बनाएं और बैलेंस्ड, लेकिन आकर्षक दिखने के लिये न्यूड लिप्स रखें।

स्मिता सबल - पारंपरिक कपड़े भी सर्दियों के लिये अनुकूल हो सकते हैं इसलिये सिल्क या वेलवेट की साड़ियों के साथ पारंपरिक ब्लाउज के बजाए खूबसूरत जैकेट पहन सकती हैं। इससे आपका अंदाज़ राजसी हो जाता है और गर्माहट भी मिलती है। हाईलाइटर और क्लासिक विंग्ड आईलाइनर का इस्तेमाल कर खूबसूरती को बढ़ाएं। शाम की पार्टियों के लिये डीप बेरी लिप शेड मेरा भरोसेमंद साथी है।

स्टैंडअप कॉमेडियन असगर

सोनी सब का 'वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से' में अली असगर कॉमिक टाइमिंग और बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचान रखने वाले मस्ती और ट्विस्ट की का वादा किया। अली स्टैंड-अप कॉमेडियन और राजेश वागले (सुमित राघवन) के बचपन के दोस्त हरीश खन्ना की भूमिका निभाएंगे। असगर ने कहा- "यह कल्ट क्लासिक है और मेरा किरदार हरीश खन्ना स्टैंड-अप कॉमेडियन है, मैंने इस क्षेत्र में अपने स्वयं के अनुभवों से प्रेरणा ली, जिसने उसे जीवंत करना और भी रोमांचक बना दिया। हल्के-फुल्के पलों, अराजकता और अहसासों का मिश्रण जोड़ती है।"सुमित राघवन ने कहा- "अली असगर बेहतरीन कॉमेडियन है। अली की बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग उनकी एंट्री को वाकई यादगार बनाती है।"

सिमरन ने गहराई से समझा

ज़ीटीवी का नया फिक्शन शो 'जमाई नं. 1' हंसी और ड्रामा से भरपूर है। इसमें नील परांजपे (अभिषेक मलिक) और रिद्धि चोटवानी (सिमरन कौर) की कहानी है। रिद्धि तेज़-तर्रार और महत्वाकांक्षी बिज़नेसवुमन है। लेकिन उसकी ज़िंदगी उसकी मां कंचन चोटवानी (पापिया सेनगुप्ता) के सख्त नियंत्रण में है। उन्होंने कहा- वर्कोहॉलिक और आत्मनिर्भर महिला से लेकर प्यार और भरोसे को फिर से तलाशने का उसका सफर बेहद इमोशनल और हौसला देने वाला है। रिद्धि मजबूत और आत्मनिर्भर लड़की है, जिसने वाइनरी का बड़ा कारोबार खड़ा किया है। उसकी शख्सियत का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि वो ऑफिस में सख्त बॉस है लेकिन घर पर जिम्मेदार बेटी। हालांकि, परिवार की खातिर उसने अपनी खुशियों को कुर्बान कर दिया है। मैंने उसकी मां के साथ उसके रिश्ते और भावनात्मक पहलुओं को बारीकी से समझा। पावर सूट्स में रिद्धि की पर्सनैलिटी को उभारने के लिए मैंने पिलेट्स करना शुरू किया। 'जमाई राजा' में रवि दुबे के किरदार को निया के किरदार से प्यार हो जाता है और उनकी लव स्टोरी उन्हें ससुराल तक ले जाती है।

टीवी

गीता कपूर की सच्चाई- रेमो की स्कोरिंग

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का "इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसरः चैंपियंस का टशन" में, स्टार डांसर्स और प्रसिद्ध कोरियोग्राफ़र्स धर्मेश येलांडे और पुनीत जे. पाठक भी शो में शामिल हुए। गीता कपूर ने तेजस की सेहत और उनकी कड़ी मेहनत को प्राथमिकता देते हुए, अपनी टीम का मजबूत समर्थन किया। उन्होंने कहा- "तेजस को पिछले परफ़ॉर्मेंस में चोट लगी थी और मैं उन पर शारीरिक रूप से और अधिक दबाव नहीं देना चाहती। तेजस की मेहनत व्यर्थ न जाए।" उन्होंने आगे कहा, "अगर रेमो सर हमें अंक नहीं देने का फैसला करते हैं तो वह पूरी तरह से उनका निर्णय होगा।" मलाइका अरोड़ा ने तेजस को समर्थन देने के महत्व को स्वीकार किया लेकिन उन्होंने कहा- "हमारी टीम की ओर से निर्णय लेना या बोलना इस समय थोड़ा जल्दबाजी जैसा लग रहा है। आपको पहले परफॉर्म करना चाहिए फिर हम निर्णय लेंगे।

'काम्या पंजाबी की साड़ियों की तारीफ

साड़ी परंपरा, खूबसूरती और गरिमा का प्रतीक है। सन नियो के शो 'इश्क़ जबरिया' में बोल्ड और आकर्षक मोहिनी का किरदार निभा रही काम्या पंजाबी ने साड़ियों के प्रति अपने गहरे जुड़ाव और इसे अपनी पहचान का हिस्सा बनाने के बारे में खुलकर बात की। काम्या पंजाबी ने बताया- "मै अक्सर देश के अलग-अलग शहरों में इवेंट्स के लिए ट्रेवल करती हूं और जहां भी जाती हूं, लोग मेरी साड़ियों पर ध्यान देते है और उनकी तारीफ करते है। वे मेरी साड़ी के स्टाइल, अनोखे ब्लाउज डिज़ाइन, साड़ी पहनने के तरीके और यहां तक कि मेरे हेयरबन के लिए इस्तेमाल किए गए पिन्स तक को लोग सराहते है। यही मुझे हर बार साड़ी पहनने के लिए प्रेरित करती है।"काम्या ने आगे कहा-"साड़ी पहनना मेरे लिए खुद को व्यक्त करने और लोगों से जुड़ने का जरिया बन गया है। साधारण साड़ी अनजान लोगों के बीच भी चर्चा का विषय हो सकती है और यादें बना सकती है।

अमिताभ बच्चन का इमोशनल पेरेंटिंग कंफेशन

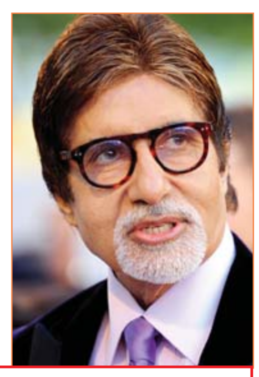

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के प्रतिष्ठित गेम शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 में नई दिल्ली के सॉफ्टवेयर इंजीनियर नीरज गिरी ने बताया कि 2024 उनके लिए आश्चर्य से भरा रहा और अपनी गर्भावस्था की अद्भुत खबर का खुलासा भी किया। नीरज ने अमिताभ बच्चन से मार्मिक सवाल पूछा कि जब बच्चन और जया माता-पिता बन गए तो अभिषेक और श्वेता की ज़िम्मेदारी किसने उठाई। बिग बी ने तुरंत जवाब दिया- "जया जी!" बच्चन ने मज़ाकिया ढंग से जवाब दिया- "जया करती थी!"अमिताभ बच्चन ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा- "सारा-कुछ जया ने किया है... जितना समय हम अभिषेक और श्वेता के साथ बिताना चाहते थे, वो नहीं कर पाए। जब काम पर जाते थे, तब वो सो रहे थे और जब वापस आता था, तब भी सो रहे थे.. लेकिन अब जो बड़े हो गए है तो उनके साथ समय बिता लेता हूं अब।"दो संगीत दिग्गजों- शंकर महादेवन और गुरदास मान के होस्ट अमिताभ बच्चन के हल्के-फुल्के किस्से और मज़ेदार पल का वादा करते हैं। शंकर कहते है- "जब हम स्टूडियो में 'कजरारे' गाने की रिकॉर्डिंग कर रहे थे तो शुरुआती धुन, बोलों में जुगलबंदी, पूरी तरह से अमिताभ सर का आइडिया था। मैंने अपनी आवाज़ में गाने का रफ वर्शन रिकॉर्ड किया था और सर को बताने गया । सर ने मुझसे पूछा, 'कौन गायक आ रहा है?' मैंने कहा, 'कोई भी हो, वे इसे गाएँगे।' लेकिन सर ने कहा, 'खबरदार, कोई और इसे छू नहीं सकता। यह तुम्हारी आवाज़ के साथ चलेगा।

ऐश्वर्या की थाईलैंड सोलो ट्रिप

पूरे साल लंबी शूटिंग और इमोशनल स्टोरीलाइन से जूझने के बाद ऐश्वर्या ने इस साल को खुशनुमा मोड़ पर खत्म करने के लिए काम से ब्रेक लेकर सोलो ट्रिप का लुत्फ उठाया। ऐश्वर्या ने थाईलैंड का रुख किया, जो उनकी बकेट लिस्ट का ड्रीम डेस्टिनेशन था। शांत समुद्र तटों पर घूमते हुए और प्राचीन मंदिरों में सुकून ढूंढते हुए, उन्होंने इस सफर के दौरान खुद को तरोताजा किया। ऐश्वर्या ने कहा- " मैंने आखिरकार न्यू ईयर सेलिब्रेट करने और बीते दिनों के बारे में सोचने के लिए यह बेहद जरूरी ब्रेक लिया। बीच लवर होने के नाते, थाईलैंड को अपने सोलो एस्केप के लिए चुना-और यह मेरी उम्मीदों से भी परे निकला। थाईलैंड की सुकून भरी खूबसूरती ने मुझे वो शांति और सुकून दिया, जिसकी मुझे तलाश थी। हर शाम, समुद्र तट पर जादुई सनसेट देखना मेरी ट्रिप का सबसे पसंदीदा हिस्सा बन गया। मैंने खुद को पारंपरिक थाई मसाज का गिफ्ट दिया, क्रिस्टल क्लियर पानी में स्नॉर्कलिंग की और वहां के सबसे लजीज लोकल व्यंजनों का मज़ा लिया।

इन कलाकारों ने किया यादगार कमबैक

टेलीविज़न की दुनिया ने साल 2024 में कुछ ऐसे कमबैक देखे, जो हमेशा यादगार रहेंगे। इन सितारों ने साबित कर दिया कि ब्रेक का मतलब सफर का अंत नहीं है बल्कि धमाकेदार वापसी है। अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दिल जीत लिया-

संगीता घोष

सन नियो के शो 'साझा सिंदूर' के साथ संगीता ने पूरे दो साल बाद अपनी धमाकेदार वापसी की। उन्होंने सरोज का किरदार निभाया है, जो ग्रे-शेड किरदार सौतेली मां का है।

जया भट्टाचार्य

सन नियो के शो 'छठी मैया की बिटिया' में जया ने तीन साल बाद वापसी की। उर्मिला नामक जटिल सौतेली मां का किरदार निभाया। लीजेंडरी पोजीशन को साबित किया।

राजश्री ठाकुर

चार साल के ब्रेक के बाद, राजश्री ने ज़ी टीवी के शो 'बस इतना सा ख्वाब' के साथ चार साल के ब्रेक के बाद इमोशनल वापसी की। उन्होंने ऐसी महिला का किरदार निभाया, जो संघर्षों और सपनों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती है।

मोहम्मद नाज़िम

चार साल के अंतराल के बाद, नाज़िम ने शेमारू उमंग के शो 'श्मशान चंपा' के साथ अपनी वापसी की। उन्होंने शांति सिंह का किरदार निभाया, जो डेविल शिकारी है। उनके अद्भुत प्रदर्शन ने उनकी अदाकारी को नया मानक साबित करने का मौका दिया।

शेफाली जरीवाला

'कांटा लगा' गर्ल शेफाली ने पूरे पांच साल बाद स्टार भारत के शो 'शैतानी रस्में' के साथ वापसी की। कपालिका नामक तांत्रिक के किरदार में, उन्होंने अपने दमदार अभिनय से जादू बिखेरा।